YouTube kanwhizztimes
@kanwhizztimes lucknow
@kanwhizztimes
www.kanwhizztimes.com

कैनविज टाइम्स

सिर्फ सच

वर्ष-15 | अंक-248 | शुक्रवार, 09 अक्टूबर 2026 | नगर संस्करण | लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में प्रसारित | मूल्य- ₹ 3.00 | पृष्ठ-12



एआई का इस्तेमाल कृषि, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में जितना बढ़ेगा, समाज को उतना अधिक लाभ मिलेगा। इसका लोकतांत्रिक समाज के उन वर्गों तक भी पहुंचे जो अब तक तकनीक से अपेक्षाकृत दूर रहे हैं। **अश्विनी वैष्णव**

कनाडाई लेखिका ऐन कार्सन को साहित्य का सम्मान 11

एक करोड़ परिवारों को उद्यमी परिवार बनाना है : सम्राट चौधरी 12

संक्षेप

बागी टीएमसी सांसदों ने 15 दिन का समय और मांगा

कोलकाता। एनसीपीआई के साथ जुड़ने वाले तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 20 बागी सांसदों ने दलबदल रोधी कानून के तहत उन्हें अयोग्य ठहराने के अनुरोध वाली याचिका पर लोकसभा अध्यक्ष के नोटिस का जवाब देने के लिए 15 दिन का और समय देने का आग्रह किया है। यह कदम ऐसे समय पर उठाया गया है जब नोटिस का जवाब देने के लिए दी गई समयसीमा आठ अक्तूबर को समाप्त हो गई। बागी सांसदों में शामिल काकोली घोष दस्तीदार ने गुरुवार को कहा कि सांसद अब तक जवाब तैयार करने के लिए जरूरी सभी दस्तावेज इकट्ठा नहीं कर पाए हैं, इसलिए उन्होंने लोकसभा सचिवालय से और समय देने का अनुरोध किया है। दलबदल रोधी प्रावधानों के तहत सांसदों के खिलाफ कार्रवाई के अनुरोध वाली याचिका के बाद अयोग्यता संबंधी नोटिस जारी किए गए थे। बागी सांसदों ने कहा कि टीएमसी छोड़ने और एनसीपीआई के साथ जुड़ने के उनके फैसले से अयोग्यता का प्रावधान लागू नहीं होता।

निष्पक्ष व शांतिपूर्ण ढंग से कराएं विधान परिषद चुनाव : सीईओ

लखनऊ। यूपी में विधान परिषद की 11 खंड स्नातक व खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव की तैयारियों को लेकर गुरुवार को मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) नवदीप रिणवा ने बैठक की। वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से मंडलायुक्त व डीएम के साथ की गई बैठक में उन्होंने निष्पक्ष व शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव कराने के निर्देश दिए।बैठक में सीईओ ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार निर्वाचन प्रक्रिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के निर्देश दिए। 23 अक्तूबर को होने वाले मतदान की तैयारियां समय पर पूरी की जाएं। मतदाता सूची, मतदान स्थल, मतदान कर्मियों, निर्वाचन सामग्री व अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूरी की जाएं। किसी भी तरह पर किसी तरह की लापरवाही न बरती जाए। चुनाव के दौरान कानून-व्यवस्था व आवश्यक सुरक्षा प्रबंधों को भी सुनिश्चित किया जाए। बैठक में अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी अखंड प्रताप सिंह व उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी अमित सिंह भी मौजूद रहे।

पोस्टल-बैलेट से मतदान वाले कर्मियों की जल्द तैयार करें सूची

लखनऊ। यूपी के विधानसभा चुनाव-2027 में पोस्टल-बैलेट से मतदान करने वाले कर्मियों व अधिकारियों की सूची जल्द तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) नवदीप रिणवा ने गुरुवार को विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि यदि किसी विभाग को इस सुविधा की जरूरत नहीं है तो वह पहले ही इसकी जानकारी दें।आगामी विधानसभा चुनाव-2027 में आवश्यक सेवाओं से जुड़े वह कर्मचारी व अधिकारी जो मतदान दिवस पर ड्यूटी पर होने के कारण मतदेय स्थल पर पहुंच कर मतदान करने में असमर्थ रहते हैं, उन्हें पोस्टल-बैलेट से मतदान करने की सुविधा दी जाती है।

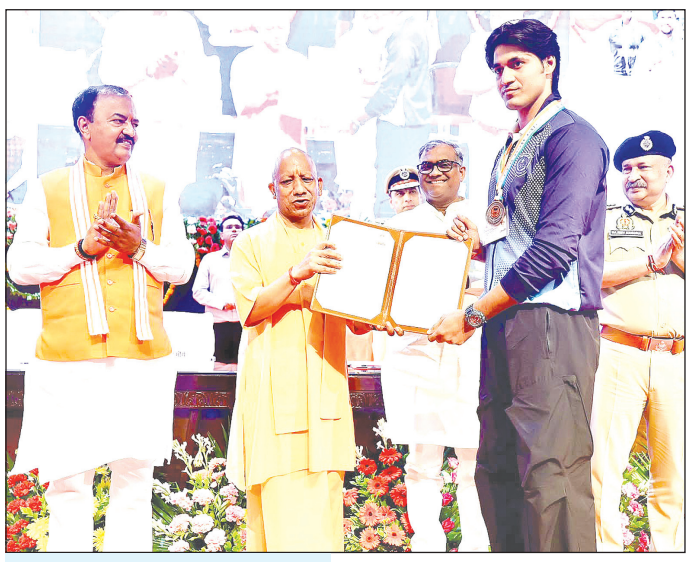
'एनडीए मतलब नौकरी देंगे अलायंस पहले था प्रदेश डुबाओ अलायंस'

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस में कुशल खिलाड़ी कोटे के तहत चयनित 470 खेल प्रतिभाओं को गुरुवार को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपे। साथ ही नियुक्ति पाने वाले सभी खिलाड़ियों को उनके स्वर्णिम भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम लोक भवन सभागार में आयोजित हुआ।

कुशल खिलाड़ी कोटे के तहत चयनित अभ्यर्थियों में 43 उप निरीक्षक (नागरिक पुलिस), 295 आरक्षी (नागरिक पुलिस) और 132 आरक्षी (पीएसी) शामिल हैं। अब ये सभी खिलाड़ी पुलिस विभाग में अपनी सेवाएं देंगे। इस मौके पर सीएम योगी ने कहा कि आप सभी लोगों की अब जर्सी से वर्दी की यात्रा शुरू हुई है। उन्होंने चयनित खिलाड़ियों से पूछा कि क्या किसी ने उनसे कोई पैसा मांगा है और क्या किसी से सिफारिश करने की जरूरत पड़ी? उन्होंने कहा कि सभी लोग ध्यान रखें कि यह सरकार का कोई अहसान नहीं है, बल्कि उनकी मेहनत का फल है।

सीएम योगी ने कहा कि 2017 से पहले पुलिस में खिलाड़ियों की सीधी भर्ती का कोई रास्ता नहीं था। हमने इसे शुरू कराया। आज 470 खिलाड़ियों को नियुक्ति पत्र दिए जा रहे हैं और 500 से ज्यादा खिलाड़ियों के चयन की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने कहा कि ओलंपिक, कॉमनवेल्थ या एशियाई खेलों में जिन खिलाड़ियों ने पदक जीता है, उन्हें सीधी भर्ती के माध्यम से यूपी पुलिस में डिप्टी एसपी का पद दिया गया है। ऐसे सात खिलाड़ियों को नौकरी दी जा चुकी है। मुख्यमंत्री के मुताबिक, 2017 से पहले यह संभव नहीं था। सीएम योगी ने आगे कहा कि उत्तर प्रदेश के अंदर एक समय ऐसा था जब सूर्योदय से लेकर सूर्यास्त तक ही जिंदगी होती थी। इससे पहले और बाद में लोग घर से निकल नहीं सकते थे। उन्होंने कहा कि 64 हजार हेक्टेयर जमीन को माफिया के कब्जे से खाली कराया गया है। सरकार खेल मैदान, मिनी स्टेडियम और हर मंडल में एक स्पोर्ट्स कॉलेज बनाने जा रही है। आज उत्तर प्रदेश में अपनी स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी भी होने जा रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री की उस बात का जिक्र किया, जिसमें कहा गया है कि नशे के खिलाफ अगर कोई ब्रांड एंबेसडर बन ● शेष पेज 11 पर



- लोक भवन में मुख्यमंत्री ने कुशल खिलाड़ी कोटे से चयनित 470 खिलाड़ियों को सौंपे नियुक्ति पत्र
- युवा शराब और सपा से सावधान रहें, दोनों ने प्रदेश को बर्बाद किया: योगी
- समाजवादी पार्टी ने 10 लाख गुंडे पाले थे, हमने 10 लाख युवाओं को दी सरकारी नौकरी: मुख्यमंत्री

42 पूर्व जजों ने चुनाव आयोग के समर्थन में लिखा पत्र

'आलोचना का अधिकार बदनाम करने का नहीं'

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में संवैधानिक संस्थाओं की साख और उनकी स्वायत्तता को लेकर जारी बहस के बीच 42 पूर्व जजों और सेवानिवृत्त संवैधानिक अधिकारियों ने भारत के नागरिकों के नाम एक खुला पत्र जारी किया है। पत्र में पूर्व जजों ने चुनाव आयोग, न्यायपालिका और अन्य संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने की कोशिशों पर गंभीर चिंता जताई है।

पूर्व जजों ने स्पष्ट किया कि वे किसी राजनीतिक दल के पक्षधर नहीं हैं, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में चुप रहना निष्पक्षता नहीं हो सकती। उनका कहना है कि जब देश की बुनियादी संस्थाओं को लगातार निशाना बनाया जा रहा हो, तब सामने आकर सच बोलना जरूरी हो जाता है। खुले पत्र में कहा गया है कि संवैधानिक संस्थाओं की स्वस्थ आलोचना करना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन दुर्भावना के साथ उन्हें बदनाम करना लोकतंत्र के हित में नहीं है। पूर्व जजों ने कहा कि मंचों से संवैधानिक संस्थाओं को खुलेआम 'चोर', 'कठपुतली' और 'समझौतावादी' बताना बेहद खतरनाक है। उन्होंने बिना कानूनी प्रमाण के प्रेस वार्ताओं में 'वोट चोरी' जैसे आरोप लगाए जाने पर भी सवाल उठाए और कहा कि अदालतों में इन आरोपों के समर्थन में प्रमाण पेश नहीं किए जाते। पूर्व जजों ने पत्र में तीखा सवाल उठाते हुए कहा कि चुनाव कराने वाले निष्पक्ष अधिकारियों को खुलेआम डराया-धमकाया जा रहा है और सत्ता बदलने के बाद बदले की कार्रवाई की चेतावनियां दी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी अदालत ने इन आरोपों को कभी सही नहीं ठहराया है। पत्र में कहा गया है कि जब चुनाव आयोग आरोप लगाने वालों से शपथ पत्र के माध्यम से प्रमाण मांगता है, तब कोई आगे नहीं आता। चुनाव हारने के बाद ही इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीनों पर सवाल उठाए जाते हैं, जबकि उन्हीं मशीनों से मिली जीत पर कोई सवाल नहीं उठाया जाता। पूर्व जजों ने राजनीतिक दलों पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि दशकों तक देश में शासन करने वाले दल अब उसी चुनावी व्यवस्था को धांधली वाली बता रहे हैं, जिसने उन्हें सत्ता तक पहुंचाया था। पूर्व जजों ने विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर भी अपनी बात रखी है। उन्होंने कहा कि भारत का चुनाव आयोग संविधान के अनुच्छेद 324 से अपनी शक्तियां प्राप्त करता है। संविधान निर्माताओं ने जानबूझकर मतदाता सूची की जिम्मेदारी कार्यपालिका से अलग एक स्वतंत्र संवैधानिक आयोग को सौंपी थी। पत्र में कहा गया है कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 21(3) के तहत मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण एक सामान्य कानूनी प्रक्रिया है। यह प्रक्रिया देश में पहले आम चुनाव के समय से ही नियमित रूप से होती आई है।

पूर्व जजों के अनुसार एसआईआर का उद्देश्य मृत लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाना, दोहरी प्रविष्टियों को समाप्त करना और छूटे हुए पात्र नागरिकों के नाम जोड़ना है। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने भी इस प्रक्रिया को पूरी तरह वैध और निष्पक्ष माना है। इसके बावजूद तथ्यों को नजरअंदाज कर भ्रम फैलाया जा रहा है। पूर्व जजों ने ● शेष पेज 11 पर



- बिना सबूत 'वोट चोरी' के आरोपों पर जताई चिंता, कहा- संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने की कोशिश लोकतंत्र के लिए खतरनाक

मीडिया से भी की जिम्मेदारी निभाने की अपील

पूर्व जजों ने मीडिया से अपील करते हुए कहा कि बिना जांच-पड़ताल और पुख्ता सत्यापन के अनुमानों और अटकलों को तूल नहीं दिया जाना चाहिए। पत्र में कहा गया है कि कोई भी शीर्षक अपने आप में प्रमाण नहीं होता और किसी दावे को बार-बार दोहराने से वह सच नहीं बन जाता। मीडिया को कल्पना और सत्यापित तथ्यों के बीच अंतर जनता के सामने स्पष्ट करना चाहिए।

मौत की सजा को उम्रकैद में तब्दील करने से देश में बढ़ रहा है अपराध : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि गंभीर और दुर्लभत अपराध के दोषियों को दी गई मौत की सजा को कम करने में हमारे उदार रवैये के कारण देश में अपराध बढ़ रहे हैं। शीर्ष अदालत ने उम्रकैद की सजा काट रहे दोषी को सजा में छूट देकर समय से पहले रिहा करने की मांग पर सुनवाई करते हुए यह मौखिक टिप्पणी की है।जस्टिस दीपांकर दत्ता और शील नागू की पीठ ने कहा कि 'अदालत को कभी न कभी एक सीमा तय करनी होगी क्योंकि देश अपराधों की बढ़ती संख्या के कारण संकट का सामना कर रहा है।'

पीठ उस याचिका पर विचार कर रही है जिसमें हत्या के एक मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे व्यक्ति ने सजा में छूट देकर समय से पहले रिहा किए जाने की मांग की है। जस्टिस दत्ता ने मौखिक रूप से कहा 'एक समय था जब हत्या के मामलों में सजा 'दुर्लभतम से दुर्लभ' सिद्धांत के आधार पर तय की जाती थी, क्योंकि उन दिनों हत्या के अपराध भी कम होते थे। लेकिन अभी ऐसा नहीं है।' उन्होंने मामले की सुनवाई करते हुए 'एक ऐसे मामले का जिक्र किया जिसमें एक पिता ने अपनी सबसे बड़ी बेटी के साथ दुष्कर्म किया और उसकी हत्या कर दी। बच्चों की मां की गवाही के आधार पर उसे उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। हालांकि, उसकी सजा कम कर दी गई और पैरोल पर बाहर रहने के दौरान, उसने अपने खिलाफ गवाही देने का बदला लेने के लिए अपनी पत्नी की हत्या कर दी। छोटे बच्चों की गवाही के आधार पर पिता को मौत की सजा सुनाई गई, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इसे फिर से कम कर दिया, इस आधार पर कि उसने छोटे बच्चों की हत्या नहीं की ● शेष पेज 11 पर



पर्दे पर गरजने वाले नाना पाटेकर की आवाज हमेशा के लिए खामोश

एजेंसी

पणजी। सलाम बॉम्बे, खामोशी, परिंदा, क्रांतिवीर और वेलकम जैसी फिल्मों में अपने दमदार अभिनय से दर्शकों के दिलों पर छा जाने वाले दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर का गुरुवार तड़के गोवा स्थित उनके आवास पर निधन हो गया। वह 76 वर्ष के थे। पद्मश्री सहित नाना को तीन बार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और चार बार फिल्म फ़ेयर पुरस्कार से नवाजा गया था। जानकारी के मुताबिक, आशंका है कि नाना पाटेकर को दिल का दौरा पड़ा था। पणजी के पास डोना पाउला स्थित अपने अपार्टमेंट में बेहोश पाए जाने के बाद पाटेकर को एक निजी अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल से जुड़े वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. शेखर सालकर ने बताया कि लगातार 45 मिनट तक सीपीआर दिए जाने के बावजूद उन्हें होश में नहीं आया और सुबह करीब 5:10 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि इस संबंध में 'मेडिको-लीगल' मामला दर्ज किया गया है। ऐसे में उनके शव का पोस्टमार्टम किया जाएगा।



अस्पताल के चिकित्सकों को पाटेकर के एक मित्र ने बताया कि अभिनेता ने तड़के करीब साढ़े तीन बजे उन्हें संदेश भेजकर कहा था कि तबीयत ठीक नहीं लग रही है। सालकर ने कहा कि नाना के मित्र ने करीब चार बजे वह संदेश देखा और पाटेकर के अपार्टमेंट पहुंच गए। पाटेकर वहां एक सहायक के साथ रह रहे थे। नाना की तबियत बिगड़ने के बाद सहायक एक निजी अस्पताल पहुंचा था, जहां से एक एम्बुलेंस उनके घर भेजी गई। एम्बुलेंस में ही उनका इलाज शुरू कर दिया गया था, लेकिन उनको बचाया नहीं जा सका।

दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर के निधन से बहुत दुखी हूं। अपने प्रभावशाली और भावपूर्ण अभिनय के जरिए उन्होंने मानवीय अनुभवों की विस्तृत श्रृंखला को जीवंत किया। उन्होंने ऐसे किरदार निभाए, जिनकी लोगों के दिल और दिमाग पर गहरी छाप पड़ी। **द्रौपदी मुर्मु, राष्ट्रपति**

बहुत कम अभिनेताओं में नाना पाटेकर जैसी अभिनय की गहराई, विशिष्टता और प्रभावशाली मौजूदगी देखने को मिलती है। उन्होंने अपनी हर भूमिका में अद्भुत विविधता और रचनात्मकता दिखाई तथा ऐसे किरदार निभाए, जिन्हें पीढ़ियों तक याद रखा जाएगा। पाटेकर जिन बातों पर विश्वास करते थे, उन्हें खुलकर कहने में कभी नहीं हिचकिचाते थे। हिंदी और मराठी सिनेमा में नाना पाटेकर का योगदान अतुलनीय है। उनके निधन से गहरा खालीपन पैदा हुआ है। उनके परिवार, मित्रों और असंख्य प्रशंसकों के प्रति मेरी संवेदनाएं। ओम शांति। **नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री**

दवा कंपनियों की अनैतिक मार्केटिंग पर लगाम को समिति बने

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को केंद्र सरकार को दवा कंपनियों की अनैतिक मार्केटिंग गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए कानून/नियम बनाने की सिफारिश करने वाली एक समिति गठित करने का आदेश दिया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह समिति सुझावों और सभी हितधारकों के पक्षों को सुनने के बाद केंद्र को अपनी सिफारिशें देगी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने केंद्र को समिति गठित करने और आदेश के अनुपालन में हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। अब मामले की सुनवाई 29 जनवरी को होगी। सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश उस याचिका पर विचार करते हुए दिया है, जिसमें दवा कंपनियों और डॉक्टरों के बीच अनैतिक लेन-देन को रोकने के लिए दवाओं के मार्केटिंग के तरीकों को कानूनी रूप से नियमन की मांग की गई है। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ को बताया कि केंद्र सरकार एक तीन-सदस्यीय समिति बनाएगी। यह समिति इस बात की जांच करेगी कि क्या ● शेष पेज 11 पर

गैर-अनुसूचित दवाओं का ट्रेड मार्जिन 30% तक सीमित

एजेंसी

सख्ती

- कुछ दवाओं की एमआरपी में 70 प्रतिशत तक कमी की उम्मीद
- ब्रांडेड, जेनेरिक, घरेलू और आयातित दवाएं भी दायरे में आएंगी

नई दिल्ली। कैंसर मरीजों को महंगी दवाओं से राहत देने के लिए सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने सभी गैर-अनुसूचित कैंसर रोधी दवाओं पर ट्रेड मार्जिन को अधिकतम 30 फीसदी तक सीमित करने का निर्णय लिया है। यह नियम ब्रांडेड और जेनेरिक, घरेलू और आयातित तथा पेटेंट वाली और गैर-पेटेंट वाली दवाओं पर लागू होगा।

सरकार का कहना है कि इस कदम का उद्देश्य दवाओं की कीमतों में शामिल अत्यधिक ट्रेड मार्जिन को कम करना है, ताकि कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली जीवनरक्षक दवाएं मरीजों के लिए अधिक किफायती हो सकें। सरकार के मुताबिक, इस फैसले से कुछ दवाओं के अधिकतम खुदरा मूल्य में 70 फीसदी तक की कमी आ सकती है। इससे कैंसर के इलाज पर होने वाला मरीजों का अपनी जेब से खर्च यानी आउट-ऑफ-पॉकेट एक्सपेंडिचर कम होने की उम्मीद है। सरकार ने अनुमान लगाया है कि इस फैसले से मरीजों को हर साल करीब 2,500 करोड़ रुपये की बचत हो सकती है। नए फैसले की खास बात यह है कि इसमें गैर-अनुसूचित श्रेणी की कैंसर रोधी दवाओं को व्यापक रूप से शामिल किया गया है। यानी ब्रांडेड और जेनेरिक, देश में बनी और आयातित तथा पेटेंट और गैर-पेटेंट दवाओं पर ट्रेड मार्जिन की सीमा लागू होगी। इसका मकसद दवा की कीमत और मरीज द्वारा चुकाई जाने वाली वास्तविक राशि के बीच के अंतर को कम करना है। सरकार ने बताया कि यह फैसला 2019 में किए गए हस्तक्षेप ● शेष पेज 11 पर

सरकारी सेवाएं मोबाइल पर, सीधे लाभार्थियों तक पहुंचा 50 लाख करोड़

मोबाइल सुशासन का सबसे बड़ा माध्यम : मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडिया मोबाइल कांग्रेस के दूसरे दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मोबाइल फोन अब केवल बातचीत या संदेश भेजने का साधन नहीं रह गया है, बल्कि यह आम लोगों तक सरकारी सेवाएं पहुंचाने का सबसे बड़ा माध्यम बन चुका है। आज बैंक, अस्पताल और सरकारी कार्यालयों से जुड़ी सैकड़ों सेवाएं मोबाइल फोन पर उपलब्ध हैं। इससे लोगों को दफ्तरों के चक्कर लगाने और लंबी कतारों में खड़े होने से राहत मिली है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से अब तक करीब 50 लाख करोड़ रुपये सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजे जा चुके हैं। इस व्यवस्था से बिचौलियों और फर्जीवाड़े पर रोक लगी तथा करीब 5 लाख करोड़ रुपये गलत हाथों में जाने से बचाए गए। मोदी ने कहा कि भारत में दूरसंचार अब केवल नेटवर्क, स्पेक्ट्रम या इंटरनेट की गति तक सीमित नहीं है। मोबाइल और इंटरनेट ने शिक्षा, स्वास्थ्य, भुगतान और सरकारी सेवाओं को गांवों और दूरदराज के इलाकों तक पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि तकनीक का उद्देश्य आम नागरिक का जीवन आसान बनाना है।

मोदी ने कहा कि वर्ष 2022 में इसी मंच से देश में 5जी सेवा की शुरुआत हुई थी। आज भारत में 5.5 लाख से अधिक 5जी केंद्र काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने नई तकनीक को अपनाने में दुनिया में सबसे तेज गति दिखाई है। इंडिया मोबाइल कांग्रेस के इस संस्करण में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और 6जी तकनीक पर विशेष जोर रहेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 में शुरू हुआ यह आयोजन पहले केवल भारत पर केंद्रित था, लेकिन अब इसमें 100 से अधिक देश भाग ले रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने बीते वर्षों में उपभोक्ता से निर्माता बनने की यात्रा पूरी की है। अब भारत में केवल मोबाइल ही नहीं, बल्कि उसकी डिजाइन और तकनीक भी विकसित होगी। उन्होंने कहा कि देश का सुधार अभियान तेजी से आगे बढ़ रहा है। मोदी ने कहा कि मोबाइल ने भारत में सामग्री निर्माण के क्षेत्र में क्रांति ला दी है, लेकिन फोन और नेटवर्क की सुरक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध किसी सीमा को नहीं मानता। एक देश में बैठा अपराधी दूसरे देश की मदद से तीसरे देश में अपराध कर सकता है। ऐसे में साइबर धोखाधड़ी रोकने के लिए वैश्विक स्तर पर साझा व्यवस्था बनाना जरूरी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत का अर्धचालक क्षेत्र भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत अर्धचालक मिशन के अगले चरण में आपूर्ति श्रृंखला पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भारत को इस क्षेत्र में और बड़े लक्ष्य हासिल करने हैं। मोदी ने कहा कि इंडिया मोबाइल कांग्रेस की भूमिका केवल भारत ही नहीं, बल्कि वैश्विक मोबाइल बाजार के अगले दशक की दिशा तय करने में भी महत्वपूर्ण ● शेष पेज 11 पर



'जिनकी मुफ्त की कमाई बंद हुई, वे मोदी को पसंद नहीं करेंगे'

प्रत्यक्ष लाभ अंतरण से बची राशि का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने विपक्ष और बिचौलियों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जिन लोगों की अवैध कमाई बंद हुई है, वे जाहिर तौर पर मोदी को पसंद नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि पुरानी व्यवस्था में करीब 5 लाख करोड़ रुपये गलत हाथों में जा सकते थे, लेकिन सरकार ने इस लीकेज को रोक दिया। प्रधानमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत अब तक करीब 4 लाख करोड़ रुपये किसानों के खातों में पहुंचाए जा चुके हैं।

पांच लाख करोड़ रुपये 'गलत हाथों' में जाने से बचाए

पीएम मोदी ने डिजिटल कामकाज के क्षेत्र में भारत के अनुभव का उल्लेख किया और कहा कि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के जरिए करीब 50 लाख करोड़ रुपये लाभार्थियों के मोबाइल से जुड़े बैंक खातों में सीधे भेजे जा सके हैं। उन्होंने कहा कि करीब पांच लाख करोड़ रुपये 'गलत हाथों' में जाने से बचाए गए हैं। मोदी ने कहा कि वह 'गलत तौर-तरीकों' को रोकने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। जिन लोगों की गलत तरीके से होने वाली कमाई बंद हो गई है, क्या वे मोदी से प्यार करेंगे? उन्होंने कहा कि अब यह धन सही लाभार्थियों तक पहुंच रहा है और सही उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल हो रहा है। उन्होंने पीएम किसान सम्मान निधि समेत अन्य योजनाओं का भी उल्लेख किया।

प्रयागराज में उपेक्षित पड़े महापुरुषों के 120 प्रतिमा स्थलों का 12 करोड़ के बजट से होगा कायाकल्प

❐ इसका उद्देश्य सार्वजनिक स्थलों पर लगी जो मूर्तियाँ बिना छत , बिना बॉउन्ड्री के खराब हो रही हैं उन्हे सुरक्षित , सम्मानजनक और सुंदर बनाना है

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने सामाजिक समरसता और महान राष्ट्रीय विभूतियों के सम्मान से जुड़े सार्वजनिक स्थलों के संरक्षण और विकास को लेकर बड़ी पहल की है । इसके अंतर्गत प्रदेश मे सार्वजनिक स्थलों पर स्थापित आंबेडकर और अन्य महान विभूतियों की प्रतिमाओं को सुरक्षित, संरक्षित और सम्मानजनक स्वरूप प्रदान किया जाएगा । इसका उद्देश्य सार्वजनिक स्थलों पर लगी जो मूर्तियाँ बिना



ताकि नई पीढ़ी मे सम्मान की भावना बढ़े म सरकार की तरफ से इसे लेकर बजट भी जारी कर दिया गया है ।

12 करोड़ से प्रतिमाओं का होगा कायाकल्प,बजट हुआ जारी

प्रदेश के कई ग्रामीण और शहरी इलाकों में बाबा साहेब आंबेडकर सहित सामाजिक न्याय एवं समरसता के प्रणेताओं की प्रतिमाएं एवं स्मारक स्थल खुले स्थानों पर होने की वजह से समय के साथ पुरानी या क्षतिग्रस्त हो गई है । कभी-कभी असामाजिक तत्वों द्वारा तोड़फोड़ या क्षति पहुंचाने की घटनाएं सामने आती थीं। इससे स्थानीय स्तर पर कानून-व्यवस्था और तनाव की स्थिति पैदा होने की संभावना बन जाती है । इसे लेकर प्रदेश सरकार ने महापुरुषों के इन प्रतिमा स्थलों का विकास एवं सौंदर्यीकरण का संकल्प लिया है । इसके लिए सरकार डॉ. बीआर आंबेडकर मूर्ति विकास योजना लेकर आई है जिसके प्रथम चरण मे प्रदेश की सभी 403 विधानसभा मे स्थापित प्रतिमा स्थलों का विकास और सौंदर्यीकरण कराया जाएगा। प्रयागराज के जिला समाज कल्याण अधिकारी रमाशंकर पटेल बताते हैं कि जनपद मे इसके लिए 12 करोड़ का बजट आवंटित कर दिया गया है । प्रत्येक विधानसभा से महापुरुषों के दस स्मारकों का चयन कर उनका कायाकल्प किया जा रहा है

सजे-सवरेंगे प्रतिमा स्थल, हर प्रतिमा स्थल का 10 लाख से होगा कायाकल्प

इसके अंतर्गत योजना के प्रथम चरण में प्रदेश की सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों में कुल 4,030 प्रतिमा स्थलों को विकसित किया जाएगा। इसके लिए सरकार ने 403 करोड़ रुपये की धनराशि आवंटित कर दी है। इससे प्रत्येक प्रतिमा स्थल के विकास के लिए औसतन 10 लाख रुपये की धनराशि उपलब्ध होगी। हालांकि शासनादेश में स्थल विकास की अधिकतम लागत 40 लाख रुपये प्रति मूर्ति स्थल निर्धारित की गई है और वास्तविक कार्य का आकलन स्थल की आवश्यकता के अनुसार किया जाएगा। जिला समाज कल्याण अधिकारी रमाशंकर पटेल का कहना है कि इसके लिए कार्यदायी संस्थाएं भी चिन्हित कर ली गई है । जिले की सभी 12 विधानसभा क्षेत्र से इसके लिए जन प्रतिनिधियों से प्रस्ताव मांगे गए हैं लेकिन अभी लक्ष्य के मुताबिक विधायकों से प्रस्ताव नहीं प्राप्त हुए हैं ।

निर्धारित हुआ कायाकल्प का स्वरूप

इस योजना में केवल डॉ. आंबेडकर ही नहीं, बल्कि संत रविदास, संत कबीर, महात्मा ज्योतिबा फुले और महर्षि वाल्मीकि जैसे सामाजिक न्याय और समरसता के प्रणेताओं की प्रतिमाओं के विकास को भी शामिल किया गया है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्र मे इन महापुरुषों की अनेक प्रतिमाएं छत और बाउंड्री वॉल जैसी आवश्यक सुविधाओं से रहित हैं, जिसके कारण वे मौसम, अतिक्रमण और उपेक्षा के प्रति संवेदनशील रहती हैं। ऐसे प्रतिमा स्थलों का संरक्षण करते हुए आसपास के क्षेत्र का भी सौंदर्यीकरण किया जाएगा। योजना के तहत प्रतिमा स्थलों पर रेलिंगयुक्त स्टील की सीढ़ी, प्रतिमा की छत, बाउंड्री, फिनिशिंग, हरियाली और प्रकाश व्यवस्था जैसे कार्य कराए जाएंगे। इसके साथ ही स्वच्छ, व्यवस्थित और सम्मानजनक वातावरण तैयार किया जाएगा। प्रतिमा के नाम और उसके इतिहास को संक्षिप्त रूप में प्रदर्शित करने वाला 32.5 फीट आकार का सूचना बोर्ड भी लगाया जाएगा ।

डार्क स्पॉट खत्म करने के लिए नगर निगम ने तैयार किया रोडमैप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❐ बनारस को रोशन रखने के लिए सड़कों पर उतरी निगम की टीम, 20 वार्डों में मुख्य सड़कों से लेकर खंगालीं आंतरिक गलियां

वाराणसी। शहर को रात में रोशन रखने और रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था को चाक-चौबंद बनाने के लिए नगर निगम सजग है । इस क्रम में सात अक्टूबर की रात उच्च अधिकारियों ने आलोक विभाग की टीमों ने सात अक्टूबर की रात राजघाट, चौकाघाट, सरसौली, तुलसीपुर, सिगरा, शिवपुरवा और गोलाघाट समेत 20 वार्डों में एक साथ मुख्य सड़कों से लेकर आंतरिक गलियों तक का औचक निरीक्षण कर पथ प्रकाश (स्ट्रीट लाइट) और सफाई व्यवस्था की जमीनी हकीकत परखी। निरीक्षण के दौरान विभिन्न वार्डों के 7,500 से अधिक प्रकाश बिंदुओं में से लगभग 95 प्रतिशत स्ट्रीट लाइटें चालू मिलीं, जबकि शिवपुरवा में 119, सिगरा में 68 और गोलाघाट में 23 सहित कुल 210 लाइटें बंद पाई गईं।

?निरीक्षण के दौरान चिह्नित किए गए डार्क स्पॉट समाप्त करने के लिए 32 नई लाइटें, 50 नए पोल (शिवपुरवा में 40 व सिगरा में 10) और आठ सेमी हाई मास्ट लगाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। साथ ही बंद व पीली पड़ चुकी ईईएसएल लाइटों को बदलने, आवश्यकतानुसार स्विचमैन तैनात करने और आंतरिक गलियों में रात्रिकालीन सफाई को और मजबूत करने की कार्ययोजना बनाई गई है। इस दौरान प्रमुख स्थलों पर सफाई मित्र भी मुस्तैद मिले। निरीक्षण अभियान में अपर नगर आयुक्त विनोद कुमार गुप्ता व बरखा सिंह, संयुक्त नगर आयुक्त जितेंद्र आनंद, मुख्य नगर लेखा परीक्षक एसपी सिंह, अधिशासी अभियंता आरके लाल, जोनल अधिकारी रीता रानी विक्रम और सेनेटरी आफिसर क्षितिज मिश्रा सहित आलोक विभाग के कर्मचारी शामिल रहे।

कांटा करौंदी में चोरों का आतंक, सेंध लगाकर जेवरात-नकदी उड़ाई

निगोहां, लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। निगोहां थाना क्षेत्र के कांटा करौंदी गांव में चोरों ने एक मकान को निशाना बनाकर दीवार में सेंध लगा दी और सोने-चांदी के जेवरात समेत पांच हजार रुपये की नकदी पार कर दी। घटना के बाद पीड़ित ने एक पड़ोसी पर चोरी में शामिल होने का शक जताते हुए पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। कांटा करौंदी निवासी गुलशन कुमार पुत्र रामकुमार के मुताबिक बीती रात चोर मकान के पिछले हिस्से की दीवार में सेंध लगाकर घर में दाखिल हुए। चोरों ने पहले दीवार में एक स्थान पर सेंध लगाई, लेकिन वहां घरेलू सामान रखा होने के कारण आगे नहीं बढ़ सके। इसके बाद दूसरी जगह सेंध लगाकर कमरे में प्रवेश किया। कमरे में पहुंचने के बाद चोरों ने अलमारी और बक्से खंगाल डाले। पीड़ित के अनुसार चोर सोने-चांदी के जेवरात और करीब पांच हजार रुपये की नकदी लेकर फरार हो गए। सुबह घर में सामान बिखरा मिलने और दीवार में सेंध देख परिजनों को चोरी की जानकारी हुई। पीड़ित गुलशन कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में एक पड़ोसी पर चोरी में शामिल होने का शक जताया है। हालांकि पुलिस ने फिलहाल किसी को आरोपी नहीं माना है। पुलिस का कहना है कि तहरीर प्राप्त हुई है और मामले की जांच की जा रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पशुचर भूमि पर कब्जे की कोशिश नाकाम, लेखपाल ने खुद गिराई अवैध बाउंड्री



निगोहां, लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। निगोहां थाना क्षेत्र के नगराम मोड़ पर पशुचर की सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे की कोशिश को राजस्व विभाग ने समय रहते नाकाम कर दिया। सरकारी जमीन पर दबंगों द्वारा खड़ी की गई रेडीमेड बाउंड्री को निगोहां लेखपाल अशोक कुमार ने राजस्व टीम के साथ मौके पर पहुंचकर खुद गिरा दिया और भूमि को कब्जा मुक्त कराया। जानकारी के अनुसार गुरुवार को नगराम मोड़ के पास सड़क किनारे स्थित पशुचर की बेशकीमती जमीन पर एक दबंग द्वारा रेडीमेड बाउंड्री खड़ी कर कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा था। सरकारी भूमि पर कब्जे की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों ने राजस्व विभाग को सूचना दी।? सूचना मिलते ही लेखपाल अशोक कुमार राजस्व टीम के साथ मौके पर पहुंचे। जांच में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे की पुष्टि होने के बाद लेखपाल ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मौके पर खड़ी बाउंड्री को गिरवा दिया। इससे सरकारी भूमि को कब्जे से मुक्त करा लिया गया। लेखपाल अशोक कुमार ने बताया कि पशुचर भूमि ग्राम समाज की संपत्ति है। इस पर किसी भी प्रकार का निजी कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने अवैध कब्जा करने वालों को चेतावनी दी कि दोबारा कब्जे का प्रयास करने पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। राजस्व विभाग की त्वरित कार्रवाई से ग्रामीणों में खुशी है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पशुचर भूमि की नियमित निगरानी कराने की मांग की है, ताकि भविष्य में दोबारा कोई अवैध कब्जा न कर सके।

तीन साल में यूपीसीडा औद्योगिक क्षेत्रों में फैक्ट्री पंजीकरण दोगुने से अधिक, 50 हजार से ज्यादा रोजगार सृजित



लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) के औद्योगिक क्षेत्रों में फैक्ट्री पंजीकरण पिछले तीन वर्षों में दोगुने से अधिक हो गए हैं। वर्ष 2022-23 में करीब 1,400 पंजीकरण की तुलना में 2025-26 में यह संख्या बढ़कर लगभग 3,300 हो गई। औद्योगिक गतिविधियों से अब तक 50,000 से अधिक रोजगार सृजित हुए हैं। यह वृद्धि प्रदेश में विनिर्माण गतिविधियों के विस्तार और तैयार औद्योगिक बुनियादी ढांचे की बढ़ती मांग को दर्शाती है, यह जानकारी यूपीसीडा की एसीईओ दीक्षा जैन ने दी। यूपीसीडा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से आगे बढ़ते हुए पूर्वी उत्तर प्रदेश और बुंदेलखंड में अपनी औद्योगिक मौजूदगी मजबूत कर रहा है। गोरखपुर, संत कबीर नगर और ललितपुर में औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए जा रहे हैं। ललितपुर में एक समर्पित फार्मास्युटिकल पार्क भी विकसित किया जा रहा है। इसके अलावा, यूपीसीडा बोर्ड ने एक्सप्रेसवे और प्रमुख राजमार्गों के आसपास रणनीतिक रूप से करीब पांच नए औद्योगिक क्षेत्रों को मंजूरी दी है, जिससे उद्योगों को बेहतर कनेक्टिविटी मिल सके। इस विस्तार को प्रदेश में 55,000 एकड़ से अधिक के औद्योगिक लैंड बैंक का समर्थन प्राप्त है। इसमें करीब 2,000 एकड़ विकसित भूमि वर्तमान में औद्योगिक उपयोग के लिए उपलब्ध है। नए औद्योगिक क्षेत्रों के साथ पुराने औद्योगिक एस्टेट में भी सड़क, जल निकासी और अन्य जरूरी सुविधाओं को बेहतर किया जा रहा है। एसीईओ ने कहा कि उद्योगों के लिए केवल जमीन पर्याप्त नहीं है। उन्हें भरोसेमंद बुनियादी ढांचा, बेहतर कनेक्टिविटी और अनुकूल औद्योगिक इकोसिस्टम चाहिए। हमारा फोकस प्लग-एंड-प्ले सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ भूमि आवंटन और स्वीकृति प्रक्रियाओं को अधिक पारदर्शी और सुगम बनाना है। यूपीसीडा अब सेक्टर-विशिष्ट औद्योगिक विकास पर भी जोर दे रहा है। ललितपुर फार्मा पार्क में विशेषीकृत बुनियादी ढांचा विकसित किया जा रहा है, ताकि बड़ी फार्मा कंपनियों को आकर्षित कर समर्पित विनिर्माण इकोसिस्टम तैयार किया जा सके।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ राजधानी में सपा का जोरदार प्रदर्शन



लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। समाजवादी पार्टी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया।समाजवादी पार्टी के महानगर और जिला कार्यालय से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता जुलूस की शक्ल में कलेक्ट्रेट पहुंचे।प्रदर्शन में पार्टी के जिलाध्यक्ष जय सिंह जयंत,महानगर अध्यक्ष फ़ाकिर सिद्दीकी,विधायक रविदास मल्होत्रा,अरमान खान,सांसद आरके चौधरी,पूर्व जिलाध्यक्ष रंजीत सिंह यादव खलीफा,नागेंद्र सिंह यादव,राष्ट्रीय सचिव चौधरी जगदीप सिंह यादव,पूर्व विधायक अम्ब्रिश सिंह पुष्कर,राजेन्द्र यादव,गोमती यादव,पिछड़ा वर्ग प्रदेश अध्यक्ष राजपाल कश्यप,महिला सभा की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जूही सिंह,पूर्व प्रत्याशी राजबाला रावत,प्रदेश सचिव राशिद अली,विजय सिंह यादव,विजयश्री गौतम,रोमेश कुमार गौतम 168 मलिहाबाद विधानसभा समाजवादी पार्टी सहित हजारों की संख्या में वरिष्ठ नेता,पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए।प्रदर्शनकारियों के हाथों में प्लेकार्ड और बैनर थे,जिन पर ज्ञानेश कुमार के इस्तीफ़े की मांग और मतदाता सूची से हटाए गए नामों को दोबारा जोड़ने की मांग से जुड़े नारे लिखे थे। प्रदर्शनकारी लगातार 'ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दो' और 'वोट की चोरी बंद करो' जैसे नारे लगाते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे। यहां प्रदर्शनकारियों की ओर से जिला कलेक्ट्रेट गेट पर ज्ञानेश कुमार का पुतला जलाया गया।समाजवादी पार्टी की मुख्य मांग है। कि एसआईआर के दौरान मतदाता सूची से जिन लोगों के नाम हटाए गए हैं।उन्हें दोबारा मतदाता सूची में शामिल किया जाए प्रदर्शन से पहले समाजवादी पार्टी के जिला व महानगर कार्यालय पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एकत्र हुए।जिलाध्यक्ष जय सिंह जयंत व महानगर अध्यक्ष फाखिर सिद्दीकी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए शांतिपूर्ण प्रदर्शन की अपील की।

दास्तान-ए-कोरांव : 33 शिकायतों के बाद भी नहीं जागी तहसील, सीएम से डीएम तक के आदेश हवा-हवाई

❐ भूमिहीनों को 5 साल से पट्टे का इंतजार, ग्राम प्रधान ने 33 बार की शिकायत, हर बार मिली झूठी आख्या

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज। तहसील कोरांव में भ्रष्टाचार और लापरवाही का बड़ा मामला सामने आया है। ग्राम पंचायत अल्हवा में भूमिहीनों को आवासीय पट्टा देने के लिए साल 2021-22 से प्रस्ताव लंबित है,लेकिन 5 साल बीतने के बाद भी एक भी पात्र को पट्टा नहीं मिल सका। हैरानी की बात यह है कि इसके लिए मुख्यमंत्री, प्रमुख सचिव, आयुक्त, डीएम और विधायक तक के आदेश आ चुके हैं,लेकिन तहसील के लेखपालों ने सभी को ठेंगा दिखा दिया।

ग्राम पंचायत अल्हवा के प्रशासक अहद अहमद सिद्दीकी उर्फ शहजादे ने बताया कि उन्होंने इस मामले में ऋक्टट्ट, सीएम हेल्पलाइन, पीजी पोर्टल, जनता दर्शन पर अब तक 33 बार शिकायत दर्ज कराई है, लेकिन हर बार लेखपालों द्वारा फर्जी सत्यापन दिखाकर मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है।

प्रशासक द्वारा दर्ज कराई गई शिकायतों का विवरण इस प्रकार है, जिसका नम्बर 600002501593 - 10/07/2025, 60000260025762 3-30/01/2026, 30089525001997 - 21/05/2025 व 10/07/2025 , 60000260025762 - 10/07/2025 ,20017525024168 - 28/05/2025, 20017525033745 - 22/07/2025 ,20017525030587 - 03/07/2025 30089525004339 -06/12/2025, 6000026 00125 731-30/01/2026,3008952 5001620-21/05/2025, 2001752 5022655-20/05/2025 20017525041993 - 16/09/2025 ,30089526000000 - 21/01/2026, 30089526001824 - 04/05/2026 300895260010990 -24/03/2026, 30089526000313 - 21/01/2026, 20017525015115 - 02/04/2025, 40027525029600 - 26/05/2025, 40027525091984 - 29/12/2025, 40017525091557 - 28/12/2025, 40017525060987 - 09/09/2025, 40017525050421 - 01/08/2025, 40017526001251 - 06/01/2026, 40017526001352 - 07/01/2026, 40017526038038 - 20/05/2026, 40017526048438 - 16/06/2026, 40017526054929 - 30/06/2026, 40017526054679 - 29/06/2026, 30089525004338 - 06/12/2025, 300895250043416 - 06/12/2025

एसडीएम ने दो लेखपालों को किया तलब

लगातार शिकायतों और उच्च अधिकारियों के निर्देशों के बाद अब जाकर एसडीएम कोरांव ठाकुर प्रसाद ने पूर्व लेखपाल और वर्तमान इंचार्ज लेखपाल विश्व प्रकाश को पत्रावली सहित कारण बताओ नोटिस के साथ तलब किया है। प्रशासक का आरोप है कि जिन जमीनों का प्रस्ताव है, उन पर गरीब, दलित, श्रमिक वर्ग के लोगों के घर बने हुए हैं, कब्जा-दखल भी है। चकबंदी विभाग ने हरिजन आबादी की जमीन को नवीन परती दर्ज कर दिया है। ऐसे में या तो गरीबों का आशियाना उजाड़ा जाए या उन्हें पट्टा देकर न्याय दिया जाए। बिना सुविधा शुल्क के काम नहीं हो रहा है।

कोरांव में 16वीं क्षेत्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का भव्य आयोजन, युवा खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

❐ गोपाल विद्यालय इंटर कॉलेज में खेल महोत्सव, एसडीएम ठाकुर प्रसाद और उट्टइ रिजवान अहमद रहे मौजूद

कैनविज टाइम्स संवाददाता



प्रयागराज। नगर पंचायत कोरांव के गोपाल विद्यालय इंटर कॉलेज के प्रांगण में गुरुवार को 16वीं क्षेत्रीय विद्यालयीन एथलेटिक्स प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पंचायत चेयरमैन ओम प्रकाश केशरी सम्मिलित हुए। उन्होंने कहा कि त्मैदान पर युवा खिलाड़ियों का जोश, अनुशासन और खेल के प्रति समर्पण सचमुच प्रेरणादायी था। युवा प्रतिभाओं को मैदान पर पसीना बहाते और जीत के लिए संघर्ष करते देख यह विश्वास होता है कि हमारे क्षेत्र का भविष्य बेहद उज्ज्वल है। इस खेल महोत्सव में प्रशासनिक अधिकारियों और शिक्षाविदों की गरिमामयी उपस्थिति ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। मुख्य रूप से ठाकुर प्रसाद (उपजिलाधिकारी, कोरांव), रिजवान अहमद (खंड शिक्षा अधिकारी / उट्टइ, कोरांव), साबिर अली (प्रधानाचार्य, गोपाल विद्यालय इंटर कॉलेज), अवधेश सिंह (प्रधानाचार्य, सरदार पटेल इंटर कॉलेज) सहित विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य, शिक्षकगण और बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे। प्रतियोगिता के अंत में विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए चेयरमैन ओम प्रकाश केशरी ने सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बिना लीज-रवन्ना के बेलन नदी से अवैध बालू खनन, खनन माफिया सक्रिय, प्रशासन मौन

कैनविज टाइम्स संवाददाता



प्रयागराज। एक तरफ शासन-प्रशासन का सख्त निर्देश है कि बिना अनुमति लीज-रवन्ना के किसी भी प्रकार का खनन न होने पाए, यदि कोई करता है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। लेकिन तहसील स्तर पर जिम्मेदार अफसर निजी कमाई के चक्कर में सरकार के नियम-कानून को ठेंगा दिखा रहे हैं और राजस्व को लाखों की क्षति पहुंचा रहे हैं।

ताजा मामला तहसील कोरांव के देवघाट बेलन नदी का है। बारिश कम होते ही नदियों का जलस्तर घटा और खनन माफिया सक्रिय हो गए। गुरुवार को देवघाट बेलन नदी के पतइया, सेतुवा घाट से बिना वैध प्रपत्र के बालू की निकासी की जा रही है। खनन माफियाओं द्वारा बालू निकालकर पावर हाउस देवघाट के पीछे और देवघाट बेलन नदी पुल से खजुरी की तरफ जाने वाले मुख्य संपर्क मार्ग पर डंप* किया जा रहा है। मौके पर बालू का बड़ा भंडारण भी देखा गया है। स्थानीय लोगों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि यह अवैध खनन कारोबार देवघाट के ही एक व्यक्ति द्वारा किया जा रहा है। रात में रोक के बावजूद पुल पर लगाए गए बोल्डर हटाकर रात 10 बजे से भोर तक ट्रैक्टर-ट्रालियों से बालू ढुलाई की जाती है।

विरोध करने पर फर्जी प्रार्थना पत्र का खेल

आरोप है कि यदि कोई ग्रामीण इस अवैध कारोबार का विरोध करता है तो शासन-प्रशासन और खनन माफिया की साठगांठ से उस पर दबाव बनाने के लिए फर्जी मनगढ़ंत कहानी बनाकर प्रार्थना पत्र ले लिया जाता है, ताकि कोई विरोध न कर सके। जब विरोध नहीं होगा तभी अवैध बालू-मिट्टी का कारोबार फलेगा-फूलेगा और कमाई बढ़ेगी। यह कमाई का हिस्सा कहां-कहां तक जाता है, यह सिर्फ खनन माफिया या इसे बढ़ावा देने वाले ही जानते हैं।

खानापूर्ति की कार्रवाई

सूत्रों का कहना है कि कभी-कभार खानापूर्ति के लिए कुछ वाहनों को पकड़कर सीज कर रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेज दी जाती है, लेकिन जड़ से कार्रवाई नहीं होती। फिलहाल सामाजिक कार्यकर्ता पंडित महेंद्र प्रसाद ने पुलिस आयुक्त प्रयागराज, जिलाधिकारी प्रयागराज और जिला खनन अधिकारी का ध्यान आकृष्ट कराते हुए भंडारित अवैध बालू को जब्त करने और इस अवैध कारोबार में लिप्त व्यक्तियों की पहचान कर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

'अनटेम्ड तराई' परियोजना की शुरुआत, तीन वर्षों तक होगा फिल्मांकन :डॉ. राजेश्वर सिंह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश की तराई की समृद्ध जैव विविधता, वन्यजीवों और प्राकृतिक विरासत को वैश्विक मंच तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह की पहल एवं 'एनवायरनमेंट वॉरियर्स' के प्रयासों से 'अनटेम्ड तराई' परियोजना की शुरुआत हुई। लखनऊ स्थित नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान में उत्तर प्रदेश वन विभाग एवं पांच बार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित वन्यजीव फिल्मकार, निर्देशक एवं छायाकार सुब्बैया नल्ला मुथु की संस्था 'नल्लाज़ आर्क' व एनवायरनमेंट वॉरियर्स के अम्बिका मिश्रा के बीच परियोजना के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। परियोजना के तहत दुधवा राष्ट्रीय उद्यान, पीलीभीत टाइगर रिजर्व, कर्तनियाघाट वन्यजीव अभयारण्य, रानीपुर टाइगर रिजर्व एवं अमानगढ़ टाइगर रिजर्व सहित तराई के प्रमुख वन क्षेत्रों में लगभग तीन वर्षों तक फिल्मांकन किया जाएगा। वन्यजीवों, जैव विविधता, प्राकृतिक आवास, वन्यजीव व्यवहार और संरक्षण प्रयासों को कैमरे में दर्ज किया जाएगा। डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि तराई उत्तर प्रदेश की अमूल्य प्राकृतिक विरासत है। इसकी अनकही कहानियों को वैश्विक मंच तक पहुंचाने के साथ युवाओं और समाज को प्रकृति संरक्षण से जोड़ना इस पहल का महत्वपूर्ण उद्देश्य है।

नगर विकास एवं ऊर्ज़ा मंत्री ने पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व.रामविलास पासवान की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

❐ पूर्व की सरकारों का 'गरीबी हटाओ' का नारा खोखला था, गरीबों को गरीबी की रेखा से बाहर निकालने का काम मा.मोदी जी ने किया: ए.के. शर्मा

कैनविज टाइम्स संवाददाता



लखनऊ । नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं पद्मभूषण स्वर्गीय रामविलास पासवान जी की पुण्यतिथि पर मधुबन, मऊ में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने स्व. रामविलास पासवान जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया और उनके सामाजिक न्याय, समानता तथा जनसेवा के प्रति समर्पित जीवन को स्मरण किया। अपने संबोधन में मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने कहा कि स्वर्गीय रामविलास पासवान जी सामाजिक न्याय के प्रबल पक्षधर थे और लोकतांत्रिक मूल्यों में उनकी अगाध आस्था थी। उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन में जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी और वंचित, गरीब एवं कमजोर वर्गों के हितों के लिए निरंतर कार्य किया। उनका जीवन समानता, सामाजिक समरसता और जनकल्याण के प्रति समर्पण की प्रेरणा देता रहेगा।

मंत्री शर्मा ने कहा कि आज का दिन केवल स्व. रामविलास पासवान जी को याद करने का दिन नहीं है, बल्कि गरीबों की सेवा करने और उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के संकल्प को दोहराने का भी दिन है। उन्होंने कहा कि पूर्व की सरकारों ने लंबे समय तक 'गरीबी हटाओ' का खोखला नारा दिया, लेकिन गरीबों को गरीबी की रेखा से बाहर निकालने के लिए जिस व्यापक और समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता थी, वो कार्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हुआ।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का मानना था कि यदि गरीब व्यक्ति को सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ एक साथ उपलब्ध कराया जाए तो उसके जीवन में व्यापक परिवर्तन लाया जा सकता है।

श्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार गरीब कल्याण को प्राथमिकता देते हुए समाज के कमजोर और वंचित वर्गों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का निरंतर कार्य कर रही है। सरकार का प्रयास है कि गरीब परिवारों को केवल सहायता न मिले, बल्कि उनके जीवन में स्थायी सुधार आए और वे सम्मान के साथ आत्मनिर्भर जीवन की ओर आगे बढ़ सकें।उन्होंने कहा कि आज गरीब परिवारों को निशुल्क खाद्यान्न, पक्का आवास, शौचालय, गैस सिलेंडर, किसान सम्मान निधि, आयुष्मान कार्ड और सामूहिक विवाह जैसी योजनाओं का लाभ मिल रहा है।

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना (ई–निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि दिनांक 29.10.2026 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैनुयल आफर स्वीकार नहीं किये जायेंगे यदि कोई मैनुवल ऑफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा।

1	निविदा सूचना संख्या	01032026 दिनांक 07.10.2026
2	निविदा संख्या	39-SrDEN-I-LKO-2026-27
3	कार्य का नाम	रोलिंग स्टॉक कार्यशाला, चारबाग, लखनऊ की बुनियादी संरचना जैसे सड़कें, जल निकासी आदि का उन्नयन।
4	अनुमानित लागत	रु. 122505221.15
5	धरोहर राशि	रु. 2450100.00
6	कार्य की समापन अवधि	स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से आठ माह।
7	निविदा डालने का प्रारंभ	15.10.2026
8	निविदा बंद होने की तिथि एवं समय	29.10.2026 को 15:00 बजे
9	वेबसाइट	www.ireps.gov.in

नोट : निविदा संबंधी अन्य विस्तृत विवरण उक्त वेबसाईट पर उपलब्ध है।

3488/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

शुद्धिपत्र

विषय : निविदा सूचना संख्या 17–टेंडर/उप मुख्य अभियंता/निर्माण/वाराणसी–द्वितीय दिनांक 24.09.2026 के संबंध में प्रथम शुद्धि पत्र ।

निविदा सूचना संख्या 17–टेंडर/उप मुख्य अभियंता/निर्माण/ वाराणसी–द्वितीय, दिनांक 24.09.2026 जो दिनांक 27.09.2026 को समाचार–पत्रों में प्रकाशित की गई थी, को वर्तमान में प्रशासनिक आधार पर निरस्त किया जाता है । संख्या : 17–टेंडर/उप मुख्य अभियंता/निर्माण/वाराणसी–द्वितीय/ प्रथम शुद्धिपत्र/दिनांक : 06.10.2026

3479/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई–ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/पी0एस0, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई ऑक्शन से संबंधित सूचना।

एडमिन यूनिट/जोन	लखनऊ–उ0रे0–मण्डल–वाणिज्य/उ0रे0
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	PARKING-LKO-PRG-MX-189-26-1 (Parking - Mixed)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	30.09.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	15.10.2026 समय 11:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	15.10.2026 समय 11:30 बजे
नीलामी का प्रकार	Close Ended
वेबसाइट विवरण जहाँ पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

3493/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

बाढ़ के बीच सातवें दिन भी राहत अभियान जारी, डॉ. बोरा ने की धैर्य-संयम की अपील

❐ विधायक डॉ. बोरा के नेतृत्व में गठित राहत टीम ने नाव के माध्यम से बाढ़ प्रभावित कॉलोनियों में पहुंचकर लोगों को राशन सामग्री एवं पानी की बोतलें भी वितरित की

कैनविज टाइम्स संवाददाता



लखनऊ। फैजुल्लागंज में बाढ़ के बीच राहत अभियान के सातवें दिन क्षेत्रीय विधायक डॉ. नीरज बोरा, विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा, रक्षामंत्री के विशेष कार्याधिकारी के.पी. सिंह एवं जनसंपर्क अधिकारी पुष्कर शुक्ला ने बाढ़ प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। उन्होंने लोगों से धैर्य एवं संयम बनाए रखने तथा किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न देने की अपील की।

राहत अभियान के तहत मथुरा विहार, सावित्री नगर, लोहरामऊ, ऊंचा टीला, शिव शक्ति नगर एवं राम विहार में प्रभावित परिवारों को राशन सामग्री, पका हुआ भोजन एवं पेयजल उपलब्ध कराया गया। विधायक डॉ. बोरा के नेतृत्व में गठित राहत टीम ने नाव के माध्यम से बाढ़ प्रभावित अलग-अलग कॉलोनियों में पहुंचकर लोगों को राशन सामग्री एवं पानी की बोतलें भी वितरित कीं।

डॉ. बोरा ने कहा कि संकट की इस घड़ी में फैजुल्लागंजवासियों के साथ वे स्वयं, उनकी टीम और कार्यकर्ता निरंतर खड़े हैं। हर प्रभावित परिवारों तक अधिक से अधिक राहत एवं बचाव सुविधाएं पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। प्रशासन भी अपने स्तर पर राहत एवं बचाव कार्य में जुटा हुआ है।

उन्होंने कहा कि यह प्राकृतिक आपदा है, इसलिए लोग घबराएं नहीं और किसी भी अपुष्ट सूचना पर विश्वास न करें। राहत, भोजन, पेयजल, स्वास्थ्य एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं प्रभावित परिवारों तक पहुंचाने का कार्य निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि राहत टीम प्रत्येक प्रभावित परिवार तक हरसंभव सहायता पहुंचने तक अभियान जारी रखेगी।

राहत सामग्री वितरण टीम में सतीश वर्मा,लवकेश सिंह, मनीष बाजपेई, शिवम श्रीवास्तव, बबलू चौधरी, शैलेंद्र मौर्य, आदित्य गौड़, शैलेंद्र स्वर्णकार, उत्तर मंडल 4 की ईमानदार, कर्मठ, जुझारू मंडल मंत्री श्रिया निगम सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल रहे।

भारतीय भाषाओं के संवर्धन में डिजिटलीकरण की भूमिका पर हुआ विमर्श

❐ कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन से हुआ

कैनविज टाइम्स संवाददाता



लखनऊ । डीएवी डिग्री कॉलेज, लखनऊ के पंडित भृगुदत्त तिवारी सभागार में गुरुवार को उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान एवं महाविद्यालय के हिंदी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में ह्लविविध भारतीय भाषाओं एवं बोलियों के साहित्य के विकास एवं संवर्धन में डिजिटलीकरण की भूमिकाङ्क विषय पर विचार गोष्ठी आयोजित की गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. राजीव कुमार त्रिपाठी ने मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का स्वागत करते हुए उन्हें स्मृति चिह्न, शॉल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। मुख्य वक्ता प्रो. पंकज सिंह, प्राचार्य सीजीएनपीजी कॉलेज लखीमपुर ने भारतीय भाषाओं के उद्गम, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक समृद्धि तथा हिंदी की व्यापकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हिंदी केवल संचार का माध्यम नहीं, बल्कि देश की विविध सांस्कृतिक परंपराओं को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने डिजिटल तकनीक को भाषा, शिक्षा और साहित्य के संरक्षण एवं प्रसार का प्रभावी माध्यम बताया। आमंत्रित वक्ता प्रो. आनंद प्रकाश तिवारी ने भाषा और समाज के संबंध तथा बदलते डिजिटल दौर में भाषा की उपयोगिता पर विचार रखे। डॉ. कीर्ति प्रकाश तिवारी ने भारतीय भाषाओं और बोलियों की विरासत को संरक्षित कर नई पीढ़ी तक पहुंचाने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम में श्री योगेश चौहान ने वीर रस की प्रसिद्ध कविता 'गजकेशरी' का ओजपूर्ण काव्य-पाठ कर सभागार को उत्साह से भर दिया। वहीं डॉ. शिवा त्रिपाठी 'सरस' ने काव्य रचना एवं गजल प्रस्तुत कर साहित्यिक संवेदना को नई ऊंचाई दी। श्रीमती आरती त्रिवेदी ने भी विषय पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम संयोजक डॉ. अतुल बाजपेयी ने विषय पर विचार रखते हुए मां को केंद्र में रखकर अपनी रचना का वाचन किया। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य प्रो. राजीव कुमार त्रिपाठी ने कहा कि भाषा और साहित्य समाज की सांस्कृतिक चेतना, मूल्यों और पहचान को संरक्षित रखने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने भारतीय भाषाओं एवं साहित्य को डिजिटल माध्यमों से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया।

'लोकतंत्र बचाओ सप्ताह' के तहत सपा कार्यकर्ताओं ने निकाला मार्च

❐ कलेक्ट्रेट पहुंचकर फूंके पुतले,कलेक्ट्रेट , पहुंचने के बाद कार्यकर्ताओं ने सार्वजनिक रूप से संविधान के अनुच्छेद 326 का पाठ किया और इसके बाद राष्ट्रगान गाया

कैनविज टाइम्स संवाददाता



लखनऊ । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर चल रहे 'लोकतंत्र बचाओ सप्ताह' एवं 'वोट बचाओ-देश बचाओ' अभियान के तहत गुरुवार को सपा कार्यकर्ताओं ने जिला कार्यालय से कलेक्ट्रेट तक मार्च निकाला। मार्च में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, सांसद, विधायक, पूर्व विधायक और कार्यकर्ता शामिल हुए।

सपा जिला कार्यालय, 6 लाजपत राय भवन, कैसरबाग पर सुबह करीब 11 बजे से कार्यकर्ताओं का जुटना शुरू हो गया। दोपहर 12 बजे जिला अध्यक्ष जयसिंह 'जयन्त' और जिला महासचिव शब्बीर अहमद खान के नेतृत्व में मार्च कलेक्ट्रेट के लिए रवाना हुआ।

कलेक्ट्रेट पहुंचने के बाद कार्यकर्ताओं ने सार्वजनिक रूप से संविधान के अनुच्छेद 326 का पाठ किया और इसके बाद राष्ट्रगान गाया। कार्यक्रम के दौरान चुनाव एवं लोकतांत्रिक व्यवस्था को लेकर विरोध जताते हुए चार पुतलों का दहन किया गया। इस दौरान राष्ट्रीय सचिव चौधरी जगदीप सिंह यादव, सांसद आरके चौधरी, प्रदेश उपाध्यक्ष सीएल वर्मा, विधायक रविदास मेहरोत्रा, पूर्व मंत्री सलाउद्दीन सिद्दीकी, पूर्व विधायक गोमती यादव, अम्ब्रीश सिंह पुष्कर, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विजय बहादुर यादव, ब्लाक प्रमुख ऊषा सेन, प्रदेश सचिव विजय सिंह यादव सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। सपा नेताओं ने कहा कि लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए पार्टी कार्यकर्ता जनता के बीच जागरूकता अभियान चलाते रहेंगे। मार्च के दौरान कार्यकर्ताओं ने लोकतंत्र और मताधिकार की रक्षा से जुड़े नारे भी लगाए।

प्रकृति सुरक्षित तो विकास भी टिकाऊ:स्थापना दिवस पर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

❐ 'प्रकृति और प्रगति के संतुलन' पर संगोष्ठी, 'पेड़ वाले बाबा' ने कहा- पौधे लगाना ही नहीं, पेड़ बनने तक संरक्षण भी जरूरी

कैनविज टाइम्स संवाददाता



निगोहां, लखनऊ । शेरपुर लवल स्थित बाबू सुंदर सिंह ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में स्थापना दिवस के अवसर पर 'प्रकृति और प्रगति का संतुलन' विषय पर विशेष संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण और सतत विकास पर चर्चा करते हुए हरित भविष्य के लिए सामूहिक प्रयास का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन, सरस्वती वंदना और संस्थान के प्रेरणास्रोत बाबू सुंदर सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। महानिदेशक प्रो. डॉ. के.के. सिंह ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को समाज और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनाना भी है। अध्यक्ष रीना सिंह ने प्रकृति और मानव जीवन के गहरे संबंध पर प्रकाश डालते हुए पर्यावरण संरक्षण में सभी से योगदान की अपील की। मुख्य वक्ता पर्यावरण संरक्षक मनीष तिवारी 'पेड़ वाले बाबा' ने कहा कि केवल पौधे लगाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें पेड़ बनने तक सुरक्षित रखना भी उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने विद्यार्थियों से पर्यावरण संरक्षण को जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर संस्थान की ओर से उन्हें शॉल एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के समापन पर संस्थान परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास का संकल्प लिया गया। संचालन अभियंता अभिषेक सिंह ने किया, जबकि समन्वय अनामिका मौर्य ने किया। बीएसएससीओपी के निदेशक प्रो. डॉ. आलोक कुमार शुक्ला ने अतिथियों, वक्ताओं और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने ऑटो में मारी टक्कर, सात वर्षीय बच्चे की मौत



चिनहट, लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। चिनहट थाना क्षेत्र में मंगलवार रात तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में ऑटो सवार सात वर्षीय बच्चे की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि उसके पिता समेत परिवार के तीन अन्य सदस्य घायल हो गए। पुलिस ने पिता की तहरीर पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। चिनहट के इमलिहा गांव निवासी प्रमोद कुमार यादव के मुताबिक, वह 6 अक्टूबर की रात करीब 11 बजे अपने परिवार के साथ ऑटो से अपट्रॉन चौराहे की ओर से घर लौट रहे थे। टाटा फ्लाईओवर से थोड़ा आगे पहुंचने पर पीछे से तेज रफ्तार और लापरवाही से आ रहे अज्ञात वाहन ने उनके ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो अनियंत्रित होकर सड़क पर करीब तीन बार पलट गया और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में ऑटो सवार सभी लोगों को गंभीर चोटें आईं। सात वर्षीय सार्थक यादव को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां रात करीब दो बजे इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बच्चे की मौत के बाद परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने सुबह करीब सात से आठ बजे के बीच शव का अंतिम संस्कार किया। हादसे में प्रमोद कुमार यादव के अलावा उनकी पत्नी शालिनी देवी, पुत्र वंश यादव समेत अन्य परिजनों को भी चोटें आई हैं। पीड़ित पिता ने पुलिस से अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कठोर कार्रवाई करने तथा वाहन की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज व अन्य साक्ष्यों की जांच कराने की मांग की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है और हादसे में शामिल अज्ञात वाहन व चालक की तलाश शुरू कर दी है।

अखिल भारतीय व्यापारी एसोसिएशन ने ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान के तहत सुगामऊ क्रिकेट अकादमी में किया वृक्षारोपण



लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। अखिल भारतीय व्यापारी एसोसिएशन द्वारा पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक वृहद वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया। देशव्यापी ''एक पेड़ मां के नाम'' मुहिम के तहत यह कार्यक्रम सुगामऊ क्रिकेट अकादमी परिसर में संपन्न हुआ, जहाँ संगठन के पदाधिकारियों और पुलिस प्रशासन के सहयोग से बड़ी संख्या में छायादार एवं फलदार पौधे लगाए गए। वृक्षारोपण कार्यक्रम के बाद उपस्थित सभी अतिथियों और पदाधिकारियों ने खेल भावना को बढ़ावा देते हुए क्रिकेट ग्राउंड पर बैटिंग और बॉलिंग का भी जमकर लुत्फ उठाया। इस अवसर पर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र सिन्हा ने कहा कि पर्यावरण को हरा-भरा बनाना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है और ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान के जरिए हम प्रकृति के प्रति अपना आभार व्यक्त कर रहे हैं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित रहे। सुगामऊ क्रिकेट ग्राउंड एंड अकेडमी के संचालक मनोज कुमार वर्मा, अनुव्रत निगम, नन्द राम वर्मा, संजीव कुमार, राष्ट्रीय महासचिव विकास मिश्रा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अतहर अली सिद्दीकी, प्रदेश सचिव रत्नाकर मिश्रा, प्रदेश कोऑर्डिनेटर प्रमोद वर्मा, प्रदेश सचिव (महिला प्रकोष्ठ) मधु संतोष, गौरव वर्मा (उ. प्र. पुलिस), राम सनेही वर्मा (अधिशासी अभियंता रेलवे), उमेश चंद्र वर्मा, प्रदेश सचिव रवि राकेश, एडवोकेट प्रशांत सिंह, नगर अध्यक्ष चित्रांशु राय, ट्रान्सगोमती अध्यक्ष देवेंद्र श्रीवास्तव, नगर मीडिया प्रभारी निजामुद्दीन हाशमी, ट्रान्सगोमती महासचिव महेन्द्र मिश्रा, मनोज यादव, शिवदास लोधी, ऋषि पटेल, शिवकुमार, निखिल वर्मा, शीर्ष वर्मा, दर्श वर्मा और मो. कलीम आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

इरिटम में पिंक प्लांटेशन के साथ महिलाओं के नेतृत्व में हरित अभियान



लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। भारतीय रेल परिवहन प्रबंधन संस्थान द्वारा चलाए जा रहे विशेष स्वच्छता अभियान-2026 के अंतर्गत गुरुवार को ह्लपिंक प्लांटेशनङ्क S महिला नेतृत्व आधारित हरित अभियान का आयोजन किया गया। संस्थान में विशेष स्वच्छता अभियान 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2026 तक आयोजित किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत स्वच्छता, पर्यावरणीय स्थिरता तथा अधिकारियों, कर्मचारियों एवं प्रशिक्षुओं की सक्रिय सहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में ज्योति दनसाना मुख्य अतिथि तथा अपर्णा त्रिपाठी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में भारतीय रेल परिवहन प्रबंधन संस्थान के महानिदेशक प्रभास दनसाना एवं अपर महानिदेशक संजय त्रिपाठी की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर संस्थान के संकाय सदस्य, कर्मचारी, तथा प्रशिक्षु ने उत्साहपूर्वक सहभागी बने। पिंक प्लांटेशनङ्क के अंतर्गत महिला अधिकारियों, कर्मचारियों एवं प्रशिक्षुओं ने संस्थान के नेतृत्व के साथ मिलकर परिसर में देशज पौधों का रोपण एवं उनके संरक्षण का संकल्प लिया। यह पहल एक हरित, स्वस्थ एवं समावेशी पर्यावरण के निर्माण के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इस अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुए एक स्थायी हरित विरासत का निर्माण करना है। कार्यक्रम के अंतर्गत ह्लप्लांट एवं पॉट कार्यशालाङ्क का भी आयोजन किया गया, जिसमें महिला कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यशाला ने प्रतिभागियों को रचनात्मक एवं सार्थक गतिविधियों में सहभागिता का अवसर प्रदान किया तथा पर्यावरणीय उत्तरदायित्व, स्वच्छता एवं समावेशिता के संदेश को सुदृढ़ किया। स्वच्छता अभियान के क्रम में ह्लस्वच्छ रंगङ्क S स्वच्छता सांस्कृतिक संध्या का भी आयोजन किया गया। इसमें संस्थान के कर्मचारियों एवं प्रशिक्षुओं द्वारा स्वच्छता विषयक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। सांस्कृतिक कार्यक्रम ने अभियान को जीवंत एवं आकर्षक स्वरूप प्रदान किया तथा कला एवं रचनात्मकता के माध्यम से स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश प्रभावी ढंग से प्रसारित किया। इरिटम में चलाए जा रहे स्वच्छता एवं पर्यावरणीय अभियान के अंतर्गत संस्थान के परिसर, छात्रावासों, कार्यालयों एवं जल टंकियों की गहन सफाई, स्वच्छता अभियान, प्लास्टिक कचरे का निस्तारण, पोस्टर निर्माण, स्वास्थ्य जांच शिविर, संविदा कर्मियों का सम्मान तथा अप्रचलित अभिलेखों, फर्नीचर एवं इलेक्ट्रॉनिक सामग्री का व्यवस्थित निस्तारण जैसी विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। पिंक प्लांटेशनङ्क के माध्यम से इरिटम ने पर्यावरणीय स्थिरता, स्वच्छता एवं समावेशिता को अपनी संस्थागत कार्यप्रणाली का अभिन्न हिस्सा बनाने की अपनी प्रतिबद्धता को पुनः रेखांकित किया।

गंगागंज में आज जुटेगा किसानों का हुजूम सोनालिका एजेंसी पर होगी बड़ी किसान गोष्ठी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❐ जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह करेंगे किसानों से सीधा संवाद, आधुनिक कृषि तकनीक और उपकरणों की मिलेगी जानकारी

❐ लखनऊ, बाराबंकी, उन्नाव व रायबरेली से बड़ी संख्या में किसानों के पहुंचने की संभावना

गोसाईगंज, लखनऊ । गोसाईगंज क्षेत्र के गंगागंज स्थित किसान सोनालिका ट्रैक्टर एजेंसी परिसर में आज शुक्रवार को किसान गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। गोष्ठी में लखनऊ समेत बाराबंकी, उन्नाव और रायबरेली से बड़ी संख्या में किसानों के शामिल होने की संभावना है। कार्यक्रम को लेकर आयोजकों ने तैयारियां पूरी कर ली हैं।

किसान गोष्ठी में किसानों को आधुनिक खेती, कृषि तकनीक और खेती में उपयोग होने वाले अत्याधुनिक उपकरणों की जानकारी दी जाएगी। ट्रैक्टर व अन्य कृषि यंत्रों की उपयोगिता, संचालन तथा इनके माध्यम से खेती को आसान और अधिक लाभकारी बनाने के तरीकों के बारे में विशेषज्ञ किसानों को जानकारी देंगे। कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। वह किसानों से सीधे संवाद कर खेती-किसानी से जुड़ी समस्याओं और जरूरतों पर चर्चा करेंगे। मंत्री के कार्यक्रम में पहुंचने को लेकर क्षेत्र के किसानों में खासा उत्साह है। किसान गोष्ठी के मुख्य आयोजक किसान सोनालिका ट्रैक्टर एजेंसी के एमडी नागेश कुमार हैं। आयोजकों के मुताबिक, गोष्ठी का उद्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक और बेहतर कृषि उपकरणों से परिचित कराकर खेती को अधिक सुविधाजनक, उत्पादक और लाभकारी बनाने की दिशा में जागरूक करना है।

तबादला आदेश के 10 दिन बाद भी जमे बैठे है चौकी प्रभारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❐ 29 सितंबर को जानकीपुरम भेजे गए चौकी प्रभारी अब तक नहीं हुई रवानगी

❐ इससे पहले भी गैर जनपद तबादले के बाद नहीं हुई थी रवानगी

बख्शी का तालाब, लखनऊ । बख्शी का तालाब थाना क्षेत्र अंतर्गत चंद्रिका देवी चौकी प्रभारी शशी प्रकाश सिंह के तबादले के बाद भी उनकी रवानगी नहीं होने का मामला पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहा है। 29 सितंबर को उनका स्थानांतरण जानकीपुरम थाने के लिए किया गया था, लेकिन 10 दिन बीतने के बाद भी वह चंद्रिका देवी चौकी से रिलीव नहीं हुए हैं। वहीं, चौकी की जिम्मेदारी धीरेंद्र मिश्रा को दिए जाने की बात सामने आई है।

कठवारा गांव में दो घरों से लाखों रुपये के जेवरात और नकदी चोरी के मामले में लंबे समय तक खुलासा नहीं होने के बाद प्रकाशित खबर पर पुलिस महकमे ने कार्रवाई करते हुए चौकी प्रभारी का तबादला किया था। इसके बावजूद तबादला आदेश के बाद रवानगी न होना चर्चा का विषय बना हुआ है।बताया जाता है कि इससे पहले भी चौकी प्रभारी का गैर जनपद तबादला हो चुका था। उस समय भी उनकी रवानगी नहीं हो सकी थी। अब दोबारा तबादला होने के बावजूद रवानगी में हो रही देरी से पुलिस विभाग की तबादला नीति और आदेशों के अनुपालन पर सवाल उठ रहे हैं।

आदेश के बावजूद रवानगी क्यों नहीं?

सवाल यह है कि जब स्थानांतरण आदेश जारी हो चुका है तो संबंधित पुलिसकर्मी को तत्काल रिलीव क्यों नहीं किया गया? क्या रवानगी रोकने के लिए कोई विभागीय आदेश या प्रशासनिक कारण है? यदि ऐसा कोई कारण है तो उसे स्पष्ट क्यों नहीं किया जा रहा? कठवारा चोरी प्रकरण में पीड़ित पहले ही मुख्यमंत्री और डीजीपी से शिकायत कर चुके हैं। ऐसे में चौकी प्रभारी के स्थानांतरण के बाद भी उनकी रवानगी लंबित रहने से पुलिस की कार्रवाई को लेकर सवाल और गहरे हो गए हैं। अब निगाह इस बात पर है कि विभाग कब तक उन्हें रिलीव कर नए प्रभारी को पूरी तरह जिम्मेदारी सौंपता है।

पति पर मारपीट व प्रताड़ना का आरोप, महिला ने दर्ज कराया मुकदमा

चिनहट। संवाददाता। चिनहट थाना क्षेत्र की एक महिला ने अपने पति पर मारपीट, मानसिक एवं शारीरिक प्रताड़ना तथा परिवार की जिम्मेदारियों की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने महिला की तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। तहरीर के मुताबिक, चिनहट क्षेत्र निवासी रेहाना बानो का निकाह करीब सात वर्ष पूर्व बाराबंकी निवासी अय्यूब के साथ हुआ था। महिला का आरोप है कि शादी के बाद से ही पति का व्यवहार उसके प्रति ठीक नहीं रहा। वह आए दिन दूसरी महिलाओं के साथ घूमता-फिरता है और कमाए हुए रुपये भी उन पर खर्च कर देता है। महिला का कहना है कि पति बच्चों की देखभाल और घर-परिवार की जिम्मेदारियों पर ध्यान नहीं देता।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में महापौर ने नाव से किया निरीक्षण, राहत कार्यों का लिया जायजा

❐ लोहरामऊ, फैजुल्लागंज, दाउद नगर, मिल्लत नगर से लेकर हयात नगर, सेहठा गांव और गुल्मी खेड़ा तक पहुंचीं महापौर

❐ प्रभावित लोगों को भोजन, पानी और आवश्यक दवाएं वितरित कीं

कैनविज टाइम्स संवाददात



लखनऊ । बाढ़ प्रभावित नागरिकों को राहत एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए महापौर श्रीमती सुषमा खर्कवाल ने नगर आयुक्त श्री गौरव कुमार के साथ विभिन्न प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। महापौर ने जोन-3 के लोहरामऊ, फैजुल्लागंज, दाउद नगर, मिल्लत नगर सहित विभिन्न क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों की स्थिति का जायजा लिया। इसके साथ ही जोन-6 के हयात नगर, सेहठा गांव एवं गुल्मी खेड़ा में नाव के माध्यम से पहुंचकर प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान महापौर ने बाढ़ प्रभावित नागरिकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली। उन्होंने प्रभावित लोगों को भोजन के पैकेट, पीने का पानी तथा आवश्यक दवाएं वितरित कीं और अधिकारियों को निर्देश दिए कि राहत सामग्री जरूरतमंद लोगों तक लगातार पहुंचाई जाए।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में स्थापित हेल्थ कैंप का भी महापौर ने निरीक्षण किया। उन्होंने कैंप में उपलब्ध दवाओं एवं स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली तथा वहां तैनात डॉक्टरों एवं स्वास्थ्य टीम से व्यवस्थाओं के संबंध में फीडबैक लिया। महापौर ने निर्देश दिए कि बाढ़ प्रभावित नागरिकों को आवश्यक उपचार और दवाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएं तथा स्वास्थ्य संबंधी किसी भी समस्या पर तत्काल कार्रवाई हो।

महापौर ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के लिए स्थापित कंट्रोल रूम का भी जायजा लिया। वहां तैनात कर्मियों से क्षेत्र से प्राप्त होने वाली सूचनाओं, नागरिकों की आवश्यकताओं और राहत कार्यों की स्थिति के संबंध में फीडबैक लिया। उन्होंने निर्देशित किया कि नागरिकों से प्राप्त प्रत्येक सूचना पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए और किसी भी जरूरतमंद तक सहायता पहुंचने में देरी न हो।

बाढ़ प्रभावित नागरिकों को उपलब्ध कराए जा रहे भोजन की गुणवत्ता को लेकर महापौर ने विशेष रूप से निरीक्षण किया। उन्होंने नगर आयुक्त श्री गौरव कुमार के साथ स्वयं भोजन चखकर उसकी गुणवत्ता की जांच की। महापौर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रभावित लोगों को गुणवत्तापूर्ण, स्वच्छ एवं पौष्टिक भोजन के पैकेट तीनों समय नियमित रूप से उपलब्ध कराए जाएं।

ई-रिक्शा एजेंसी में दूसरी बार चोरी, दीवार में सेंध लगाकर चार लाख का माल पार



कैनविज टाइम्स संवाददात

मोहनलालगंज, लखनऊ। सिसेंडी कस्बे में स्थित ऊषा एंटरप्राइजेज ई-रिक्शा एजेंसी में लगातार दूसरे साल अक्टूबर माह में चोरी हुई है। पिछले साल 2 अक्टूबर को लाखों की चोरी के बाद इस बार 8 अक्टूबर की रात चोरों ने पीछे की दीवार में सेंध लगाकर करीब चार लाख का सामान पार कर दिया।

एजेंसी संचालक रवि प्रकाश निवासी मनोहरापुर ने बताया कि सुबह दुकान खोलने पर काउंटर का ताला टूटा मिला और सामान बिखरा पड़ा था। पीछे की दीवार में सेंध लगी थी और सीसीटीवी का डीवीआर भी गायब था। चोर ग्राहक की लिथियम बैटरी, चार्जर, नए ई-रिक्शों की बैटरी, कंट्रोलर, मोटर, इन्वर्टर बैटरी और काउंटर में रखी नकदी ले गए। मौके से एक काला गमछा भी मिला है। पिछले साल भी इसी एजेंसी में 2 अक्टूबर को चोरी हुई थी और मुकदमा दर्ज हुआ था। एक ही प्रतिष्ठान में लगातार दूसरे साल एक ही महीने में चोरी से व्यापारियों में आक्रोश है और पुलिस की रात्रि गश्त पर सवाल उठ रहे हैं। पीड़ित ने तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कर सामान बरामद करने की मांग की है।

आगरा खंड शिक्षक एवं स्नातक विधान परिषद चुनाव : एमएलसी चुनाव की जीत के लिए भाजपाइयों ने झोंकी ताकत

❐ शिक्षक-स्नातक एमएलसी प्रत्याशियों की जीत के लिए भाजपा की तैयारियां तेज

कैनविज टाइम्स संवाददाता



औरैया । उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में आगरा खंड शिक्षक एवं स्नातक विधान परिषद चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने संगठनात्मक तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में भाजपा जिला कार्यालय पर जिला चुनाव संचालन समिति एवं पार्टी पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि स्नातक एमएलसी प्रत्याशी डॉ. मानवेन्द्र प्रताप सिंह 'गुरु जी' तथा अतिथि पूर्व सांसद डॉ. रामशंकर कठेरिया मौजूद रहे। बैठक में चुनाव की तैयारियों और मतदाताओं से संपर्क अभियान को लेकर रणनीति पर चर्चा की गई। जिला प्रभारी दिनेश बाजपेई ने पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को मतदाता संपर्क अभियान, मतदाता सूची के सत्यापन तथा बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपने-अपने क्षेत्रों में मतदाताओं से निरंतर संपर्क बनाए रखने और चुनाव को लेकर संगठन की गतिविधियों को गति देने को कहा।

मुख्य अतिथि डॉ. मानवेन्द्र प्रताप सिंह 'गुरु जी' ने कहा कि शिक्षक एवं स्नातक मतदाताओं से निरंतर संपर्क स्थापित कर उनकी समस्याओं और अपेक्षाओं को समझना जरूरी है। संगठन के संदेश को प्रभावी ढंग से मतदाताओं तक पहुंचाने के साथ ही कार्यकर्ताओं को आपसी समन्वय के साथ अपने क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

पूर्व सांसद डॉ. रामशंकर कठेरिया ने कहा कि विधान परिषद चुनाव में संगठन की भूमिका महत्वपूर्ण है। प्रत्येक पदाधिकारी और कार्यकर्ता अपने दायित्व को गंभीरता से निभाते हुए मतदाताओं से संपर्क बढ़ाएं और संगठनात्मक गतिविधियों को गति प्रदान करें। बैठक में शिक्षक प्रत्याशी इंजीनियर हरिकिशोर तिवारी एवं स्नातक प्रत्याशी डॉ. मानवेन्द्र प्रताप सिंह के चुनाव को लेकर संगठनात्मक तैयारियों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। जिलाध्यक्ष सर्वेश कठेरिया ने पदाधिकारियों से मतदाता संपर्क अभियान को प्रभावी बनाने और बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया।

बैठक को दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री ब्रजेश शुक्ला, जिला पंचायत अध्यक्ष कमल दोहरे, पूर्व राज्यमंत्री लाखन सिंह राजपूत, क्षेत्रीय महामंत्री आनंद सिंह और शिव सिंह भारती ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री यशवीर सिकरवार ने किया। इस दौरान कौशल राजपूत, कुलदीप दुबे, विशाल शुक्ला, मनु राजपूत, भूरे चौबे, ऋषि पाण्डेय, सौरभ भूषण शर्मा, अमरचंद्र राठौर, माधव राजपूत, योगेंद्र कैथवार, मंजू चौहान, इंद्रपाल पाल, प्रतीक सिंह, विमल दुबे, वासुदेव प्रजापति, सुनील बाल्मीकि, आदर्श ठाकुर, देवेंद्र सेंगर, अनिल शुक्ला, कमलेश अवस्थी, अवधेश भदौरिया, आशीष दुबे, दीक्षांत गुप्ता, चंद्रकांती मिश्रा, रानी पोरवाल, राम जी बाजपेई, कुलदीप राजावत, कौशलेंद्र कुशवाहा समेत अन्य लोग मौजूद थे।

अखिलेश यादव से संग्राम सिंह की मुलाकात के बाद लहरपुर की सियासत में हलचल, चर्चाओं का दौर तेज

❐ इस मुलाकात को लहरपुर विधान सभा क्षेत्र के संदर्भ में भी देखा जा रहा है

कैनविज टाइम्स संवाददाता



सीतापुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से संग्राम सिंह की मुलाकात के बाद राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। मुलाकात के दौरान दोनों के बीच काफी देर तक बातचीत हुई। सामने आई तस्वीरों में संग्राम सिंह अखिलेश यादव के साथ विभिन्न पोस्टर और सामग्री पर चर्चा करते नजर आ रहे हैं।

इस मुलाकात को लहरपुर विधानसभा क्षेत्र के संदर्भ में भी देखा जा रहा है। हालांकि अभी तक समाजवादी पार्टी की ओर से संग्राम सिंह को लेकर किसी तरह की आधिकारिक घोषणा सामने नहीं आई है, लेकिन मुलाकात के बाद क्षेत्र में राजनीतिक चर्चाएं जरूर तेज हो गई हैं। मुलाकात के दौरान संग्राम सिंह ने अखिलेश यादव को श्रीकृष्ण और राधा की प्रतिमा भी भेंट की। इस दौरान दोनों के बीच आत्मीय बातचीत हुई। तस्वीरों में संग्राम सिंह द्वारा अखिलेश यादव को पोस्टर दिखाते हुए और उनसे विभिन्न विषयों पर चर्चा करते हुए देखा जा सकता है।

2027 की तैयारी के बीच मुलाकात महत्वपूर्ण

उत्तर प्रदेश में 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों की तैयारियां तेज हो चुकी हैं। समाजवादी पार्टी भी संगठन को मजबूत करने और विधानसभा स्तर पर अपनी गतिविधियां बढ़ाने में जुटी है। अखिलेश यादव ने हाल में पार्टी की चुनावी तैयारियों को लेकर हर विधानसभा क्षेत्र में संगठन और जनाधार मजबूत करने पर जोर दिया है। ऐसे समय में संग्राम सिंह की अखिलेश यादव से मुलाकात को लेकर लहरपुर विधानसभा क्षेत्र में राजनीतिक चर्चाएं होना स्वाभाविक है। लहरपुर विधानसभा सीतापुर जिले की विधानसभा सीट है और वर्तमान में यहां समाजवादी पार्टी के विधायक अनिल कुमार वर्मा हैं।

संग्राम सिंह की सक्रियता और अखिलेश यादव से हुई मुलाकात को लेकर समर्थकों में भी उत्सुकता दिखाई दे रही है। अब राजनीतिक नजरें इस बात पर टिकी हैं कि आने वाले समय में लहरपुर विधानसभा को लेकर समाजवादी पार्टी की ओर से क्या तस्वीर सामने आती है। फिलहाल मुलाकात को लेकर कोई आधिकारिक टिकट घोषणा नहीं हुई है, लेकिन संग्राम सिंह और अखिलेश यादव की इस मुलाकात ने लहरपुर की सियासत में चर्चा जरूर बढ़ा दी है। आने वाले दिनों में संगठनात्मक गतिविधियों और पार्टी के फैसलों से स्थिति और स्पष्ट होने की उम्मीद है।

कछुआ संरक्षण केंद्र में विद्यार्थियों ने जाना वन्य जीव संरक्षण का महत्व

❐ कछुआ संरक्षण केंद्र में विद्यार्थियों को बताए वन्य जीव संरक्षण के महत्व

कैनविज टाइम्स संवाददाता



औरैया । उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में दिबियापुर में वन्य जीव सप्ताह एवं स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत गुरुवार को वन विभाग, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया एवं जिला गंगा समिति के संयुक्त तत्वावधान में कछुआ संरक्षण केंद्र दिबियापुर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें जयपुरिया स्कूल के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को कछुआ संरक्षण केंद्र का भ्रमण कराया गया। वन विभाग के अधिकारियों ने उन्हें कछुओं के संरक्षण, वन्य जीवों के महत्व और उनके प्राकृतिक आवासों को सुरक्षित रखने के संबंध में जानकारी दी। साथ ही स्वच्छता बनाए रखने और पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं के लिए चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने वन्य जीव एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रभागीय वनाधिकारी डॉ. चंद्र प्रताप सिंह ने पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया।

प्रभागीय वनाधिकारी डॉ. चंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि वन्य जीवों और जैव विविधता का संरक्षण केवल विभाग की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता जरूरी है। विद्यार्थियों में बचपन से ही पर्यावरण और वन्य जीवों के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने से संरक्षण के प्रयासों को मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम में क्षेत्रीय वनाधिकारी बृजेंद्र सिंह चौहान, आरके राठौर, हरि मोहन मीणा, जिला परियोजना अधिकारी नमामि गंगे साक्षी शुक्ला सहित वन विभाग, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया एवं जिला गंगा समिति के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने विद्यार्थियों से स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश अपने परिवार और आसपास के लोगों तक पहुंचाने का आह्वान किया।

मछरेहटा में निकली शौर्य जागरण यात्रा, जगह-जगह हुई पुष्पवर्षा

मछरेहटा। पूज्य अशोक सिंघल की जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में बृहस्पतिवार को मछरेहटा क्षेत्र में शौर्य जागरण यात्रा निकाली गई। यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और मार्ग में जगह-जगह पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। यात्रा के दौरान हिंदू समाज में जागरूकता एवं एकजुटता का संदेश दिया गया। कार्यकर्ताओं और श्रद्धालुओं ने धार्मिक जयघोष के साथ यात्रा में सहभागिता की। यात्रा जिस मार्ग से गुजरी, वहां स्थानीय लोगों ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी शिवानंद सरस्वती जी महाराज सहित संतों एवं गणमान्य लोगों की मौजूदगी रही। आयोजन में श्री महेश तिवारी जी तथा अन्य पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम का संचालन एवं कार्य व्यवस्था महेंद्र पांडे सह सत्संग प्रमुख अवध की देखरेख में संपन्न हुई।शौर्य जागरण यात्रा के दौरान पूरे मछरेहटा क्षेत्र में उत्साह और धार्मिक माहौल देखने को मिला। आयोजकों ने लोगों से सामाजिक एवं धार्मिक एकता बनाए रखने का आह्वान किया।

नगला मरौचा में गूंजा पहलवानों का दमखम हजारों दर्शकों ने लिया दंगल का रोमांच

❐ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे भाजपा नेता रवि गुप्ता ने पहलवानों से हाथ मिलाकर दंगल प्रतियोगिता का शुभारंभ कराया

कैनविज टाइम्स संवाददाता



लखीमपुर खीरी। पलिया विधानसभा क्षेत्र के ग्राम नगला मरौचा में भव्य दंगल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दंगल देखने के लिए आसपास के गांवों सहित दूर-दराज क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। हजारों की संख्या में मौजूद दर्शकों ने पहलवानों के बीच हुए रोमांचक मुकाबलों का जमकर आनंद लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे भाजपा नेता रवि गुप्ता ने पहलवानों से हाथ मिलाकर दंगल प्रतियोगिता का शुभारंभ कराया। अखाड़े में उतरते ही पहलवानों ने अपने दमखम और कुश्ती के शानदार दांव-पेंच दिखाए, जिसे देखकर दर्शकों ने तालियों और उत्साहवर्धन से पहलवानों का हौसला बढ़ाया। दंगल में विभिन्न मुकाबलों में पहलवानों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कई मुकाबले बेहद रोमांचक रहे और विजेता घोषित होने तक दर्शकों की नजरें अखाड़े पर टिकी रहीं। शानदार प्रदर्शन करने वाले विजेता पहलवान को भाजपा नेता रवि गुप्ता द्वारा उचित पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान कार्यक्रम आयोजक उत्तम कुमार की टीम ने मुख्य अतिथि भाजपा नेता रवि गुप्ता का स्वागत एवं सम्मान किया। आयोजकों ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह के आयोजन भारतीय पारंपरिक खेल कुश्ती को बढ़ावा देने के साथ-साथ युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर भी प्रदान करते हैं। दंगल प्रतियोगिता के दौरान पूरे आयोजन स्थल पर उत्साह का माहौल बना रहा। बड़ी संख्या में दर्शकों की मौजूदगी ने कार्यक्रम को भव्य रूप प्रदान किया। आयोजक टीम ने दंगल को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी लोगों और दर्शकों का आभार जताया।

कठपुतली नाटक से दिया वन्यजीव संरक्षण का संदेश, बच्चों ने लिया प्रकृति बचाने का संकल्प

कैनविज टाइम्स संवाददाता



धौरहरा, लखीमपुर खीरी। वन्यजीव प्राणी सप्ताह के अंतर्गत धौरहरा वन रेंज व जंगल मटेरा के प्रतापपुर गाँव में लोगों को वन्यजीवों के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कठपुतली नाटक के माध्यम से ग्रामीणों और बच्चों को वन्यजीव संरक्षण तथा मानव-वन्यजीव संघर्ष से बचाव का संदेश दिया गया।

कठपुतली प्रस्तुति के जरिए कलाकारों ने मनोरंजक अंदाज में बताया कि जंगल और वन्यजीव हमारे पर्यावरण का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। जंगलों से वन्यजीवों के आबादी क्षेत्र में आने पर उनके साथ छेड़छाड़ करने के बजाय सुरक्षित दूरी बनाए रखना चाहिए और इसकी सूचना वन विभाग को देनी चाहिए। कार्यक्रम में मौजूद बच्चों व ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। उन्हें वन्यजीवों की सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का महत्व समझाया गया। बच्चों ने वन्यजीवों की रक्षा करने और प्रकृति को सुरक्षित रखने का संकल्प लिया। वन विभाग की ओर से ग्रामीणों से अपील की गई कि वन्यजीव दिखाई देने पर भीड़ न लगाएं और उन्हें नुकसान पहुंचाने का प्रयास न करें। जागरूकता और सावधानी के जरिए ही मानव और वन्यजीवों के बीच बेहतर संतुलन कायम किया जा सकता है। कार्यक्रम में रेंजर अशोक कुमार श्रीवास्तव व डिप्टी रेंजर ऋषभ सिंह तथा वन विभाग समस्त स्टॉफ और क्षेत्र के संभ्रांत लोगों ने सहभागिता की।

मुख्य चुनाव आयुक्त का पुतला फूंकने वाले सपा कार्यकर्ताओं पर मुकदमा दर्ज़

❐ 14 नामजद समेत 40 अज्ञात पर हुई कार्रवाई

कैनविज टाइम्स संवाददाता



हमीरपुर । उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले के राठ कस्बे में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंकने के मामले में राठ पुलिस ने समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। उपनिरीक्षक सत्यम सिंह की तहरीर पर गुरुवार को पुलिस ने 14 नामजद समेत करीब 30-30 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

कोतवाल अनूप कुमार के अनुसार, सपाइयों ने वोट चोरी के आरोपों को लेकर काजीपुरा से जुलूस निकालकर प्रदर्शन किया था। इसके बाद चोपड़ा गेट के आगे मुख्य सड़क पर मुख्य चुनाव आयुक्त का पुतला पेट्रोल डालकर फूंका गया। पुलिस का आरोप है कि प्रदर्शन के लिए अनुमति नहीं ली गई थी और बिना अनुमति जुलूस निकालकर सड़क पर प्रदर्शन किया गया। पुलिस ने बताया कि पुतला बुझाने के दौरान प्रभारी निरीक्षक और दरोगा पवन चौधरी का हाथ भी झुलस गया। मामले में मानसिंह यादव, मेराज राईन, दीपक यादव, मीरा यादव, अनिल राजपूत, गोकुल राजपूत, लल्ला यादव,सतपाल यादव, कामता राजपूत, बिमलेश अहिरवार का पति, छोटे हाफ़िज़,सुभम राठौर, प्रिन्स राजपूत, सतीश यादव समेत 14 लोगों को नामजद किया गया है, जबकि 30-40 अज्ञात लोगों के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित



सीतापुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। जनपद स्थित पी.एन. सहगल इण्टर कॉलेज के नौ खिलाड़ियों (5 बालक और 4 बालिका) का चयन प्रदेशीय माध्यमिक विद्यालयीय कबड्डी (बालक/बालिका) प्रतियोगिता, 2026-2027 जिसका आयोजन दिनांक 13.10.2026 से 17.10.2026 तक जनपद गोरखपुर में किया जाना प्रस्तावित है में हो गया है। बताते चले कि मण्डलीय माध्यमिक विद्यालयीय कबड्डी (बालक/बालिका) प्रतियोगिता, 2026-2027 जिसका आयोजन दिनांक 01.10.2026 को जनपद लखीमपुर में किया गया था में जनपद सीतापुर की सब जूनियर बालक वर्ग और सीनियर बालिका वर्ग की टीम ने उप विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया था। मंडलीय माध्यमिक विद्यालयीय कबड्डी प्रतियोगिता में चयनकर्ताओं के द्वारा सब जूनियर बालक वर्ग में जनपद सीतापुर के पी.एन. सहगल इण्टर कॉलेज के आदि वर्मा, आदर्श पाल, वंश, शनि यादव और अतुल कुमार यादव का चयन प्रदेशीय माध्यमिक विद्यालयीय कबड्डी प्रतियोगिता के लिए किया तथा सीनियर बालिका वर्ग में इसी विद्यालय की सुप्रिया शुक्ला, स्वाति शुक्ला, हरप्रीत कौर और जसमीत कौर का चयन प्रदेशीय माध्यमिक विद्यालयीय कबड्डी प्रतियोगिता के लिए किया। विद्यालय के प्रबंधक मोनू सहगल, उप प्रबंधक सुयश सहगल और विद्यालय के प्रधानाचार्य जावेद क़मर के द्वारा चयनित सभी कबड्डी खिलाड़ियों तथा विद्यालय के शारीरिक शिक्षक/क्रीड़ा प्रभारी प्रशांत पाण्डेय को इस उपलब्धि के लिए बहुत बहुत बधाई दी तथा प्रदेशीय प्रतियोगिता के लिए अग्रिम शुभकामनाएं प्रेषित की और हरसंभव मदद प्रदान करने का आश्वासन दिया।

साइबर ठगी के शिकार युवक के 20 हजार रुपये देवरिया पुलिस ने वापस कराये

देवरिया, कैनविज टाइम्स संवाददाता। साइबर ठगी के मामले में भटनी पुलिस की साइबर टीम ने कार्रवाई करते हुए पीड़ित के 20 हजार रुपये गुरुवार को वापस कराए। रुपये वापस मिलने पर पीड़ित ने पुलिस टीम का आभार जताया। क्षेत्राधिकारी भाटपाररानी मनोज कुमार ने बताया कि भटनी थाना क्षेत्र के बलुआ अफगान निवासी राकेश साहनी ने 28 अगस्त को पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि साइबर ठगों ने उनके साथ 40 हजार रुपये की धोखाधड़ी की है। शिकायत मिलने के बाद भटनी थाने की साइबर टीम ने तत्काल कार्रवाई शुरू की और ठगी की धनराशि को होल्ड कराया। इसके बाद 20 हजार रुपये पीड़ित के बैंक खाते में वापस करा दिए गए। पुलिस के अनुसार शेष 20 हजार रुपये की धनराशि को रिलीज कराने की प्रक्रिया चल रही है। रकम वापस मिलने पर राकेश साहनी ने पुलिस की कार्रवाई की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया।

किसान की हत्या के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

हाथरस,कैनविज टाइम्स संवाददाता। उत्तर प्रदेश के जनपद हाथरस में थाना सादाबाद क्षेत्र के ग्राम घूंचा में खेत की जुताई करते समय हुई किसान महीपाल सिंह की हत्या के मामले में पुलिस ने एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित जंगजीत पुत्र हरि सिंह निवासी नगला मोहनलाल को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, 3 अक्टूबर की सुबह करीब चार बजे महीपाल सिंह अपने छोटे बेटे रमन के साथ ट्रैक्टर लेकर खेत पर जुताई करने गए थे। रमन खेत के कोने बना रहा था, जबकि महीपाल ट्रैक्टर से खेत की जुताई कर रहे थे। आरोप है कि इसी दौरान जंगजीत अपनी पत्नी और बेटे के साथ लाठी-डंडे, सरिया और फावड़ा लेकर खेत पर पहुंचा और महीपाल पर हमला कर दिया। आरोप है कि हमले में उनकी मौत हो गई और बाद में उनके ऊपर ट्रैक्टर का कल्टीवेटर डाल दिया गया। शोर सुनकर ग्रामीणों के पहुंचने पर आरोपित मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा के निर्देश पर पांच टीमें गठित की गई थीं। प्रभारी निरीक्षक विजय सिंह की टीम ने 8 अक्टूबर को आरोपित जंगजीत को गिरफ्तार कर लिया

दहेज हत्या के मामले में एक दोषी को 10 वर्ष की सजा

औरैया,कैनविज टाइम्स संवाददाता। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में ऑपरेशन कनविक्शन अभियान के तहत प्रभावी पैरवी के चलते दहेज हत्या के मामले में न्यायालय विशेष न्यायाधीश (एडीजे/एफटीसी-1) ने गुरुवार को एक दोषी को 10 वर्ष के कठोर कारावास और 15 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक भारती के अनुसार, थाना कोतवाली में वर्ष 2018 में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 278/2018 में धारा 498-ए, 304-बी, 302 भादवि एवं 3/4 दहेज प्रतिषेध अधिनियम के तहत अभियोग दर्ज किया गया था। मामले में पुलिस द्वारा गुणवत्तापूर्ण विवेचना पूरी करने के बाद अभियोजन पक्ष की ओर से न्यायालय में प्रभावी पैरवी की गई। न्यायालय ने मामले में दोषी अवनीश कुमार पुत्र बच्चीलाल दोहरे निवासी ग्राम गोहना, थाना कोतवाली औरैया को धारा 498-ए/304-बी भादवि एवं धारा 04 दहेज प्रतिषेध अधिनियम के तहत दोषी मानते हुए 10 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई।

अंडर-17 क्रिकेट में नेशनल चैंपियन बने कुमार विशेष

❐ गांव से लेकर नेशनल स्तर तक का शानदार सफर, उत्तर प्रदेश की टीम ने जीता राष्ट्रीय खिताब

कैनविज टाइम्स संवाददाता



लखीमपुर खीरी। दुधवा बफर जोन के ग्राम अयोध्यापुरवा, पंचायत एवं पोस्ट-सिन्हौना, थाना सिंगाही, जनपद लखीमपुर खीरी के रहने वाले कुमार विशेष ने अंडर-17 क्रिकेट के क्षेत्र में गांव से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक का शानदार सफर तय करते हुए नेशनल चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया है। उनकी इस उपलब्धि से क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है।

कुमार विशेष को बचपन से ही क्रिकेट के प्रति गहरा जुनून रहा है। ग्रामीण क्षेत्र में क्रिकेट की तैयारी के लिए पर्याप्त संस्थागत सुविधाएं उपलब्ध न होने के बावजूद उन्होंने अपने सपने को पूरा करने का प्रयास जारी रखा। कक्षा-8 तक की शिक्षा पूर्ण करने के बाद उन्होंने लखनऊ स्थित कालिचन तालुकेदार कॉलेज में प्रवेश लिया, जहां शिक्षा के साथ-साथ उन्हें क्रिकेट प्रतिभा को निखारने और उच्च स्तर पर खेलने का अवसर मिला। इसी वर्ष कुमार विशेष ने कक्षा-10 की बोर्ड परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण करने के साथ विभिन्न क्रिकेट प्रतियोगिताओं में भी शानदार प्रदर्शन किया। अनेक टूर्नामेंटों में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें 'बेस्ट प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' जैसे सम्मान प्राप्त हुए। सीआईएससीई बोर्ड द्वारा आयोजित जोनल प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन के बाद कुमार विशेष ने रीजनल स्तर पर भी अपनी प्रतिभा का प्रभाव छोड़ा। फाइनल जैसे दबावपूर्ण मुकाबले में उन्होंने महत्वपूर्ण और नाबाद पारी खेलकर अपनी टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। उनके इसी उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर उन्हें अंडर-17 नेशनल क्रिकेट चैंपियनशिप में खेलने का अवसर मिला। राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में व्यक्तिगत स्तर पर अपेक्षित अवसर और भूमिका नहीं मिलने के बावजूद कुमार विशेष ने अपने आत्मविश्वास और टीम भावना को कमजोर नहीं पड़ने दिया। उन्होंने पूरी प्रतिबद्धता के साथ टीम के लिए अपना योगदान जारी रखा। अंततः उनकी टीम ने राष्ट्रीय खिताब अपने नाम कर यह साबित किया कि सच्ची प्रतिभा, धैर्य और टीम भावना के सामने परिस्थितियां कभी बाधा नहीं बन सकतीं। अंडर-17 नेशनल क्रिकेट चैंपियनशिप में उत्तर प्रदेश की टीम ने ग्रुप चरण में पहला मुकाबला मध्य प्रदेश के विरुद्ध, दूसरा मुकाबला पूर्व चैंपियन केरल के विरुद्ध खेला। इसके बाद क्वार्टर फाइनल में आंध्र प्रदेश एवं तेलंगाना की संयुक्त टीम को पराजित किया। सेमीफाइनल में मेजबान महाराष्ट्र को हराकर उत्तर प्रदेश की टीम ने फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मुकाबले में उत्तर प्रदेश की टीम ने नॉर्थ जोन (पंजाब सहित अन्य राज्यों की टीम) को पराजित कर शानदार जीत दर्ज की और अंडर-17 राष्ट्रीय चैंपियन का खिताब अपने नाम किया।

मानसिक स्वास्थ्य के बिना अधूरा है शारीरिक स्वास्थ्य: प्रो. अजय प्रताप

कैनविज टाइम्स संवाददाता



जौनपुर । यूपी के जौनपुर में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग द्वारा विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अंतर्गत आयोजित तीन दिवसीय मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का गुरुवार को शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश लेकर विद्यार्थियों ने मानव श्रृंखला बनाई ।

कार्यक्रम के प्रथम दिन शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के मुक्तांगन में मानव श्रृंखला बनाकर मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता, संवेदनशीलता और समाज में सकारात्मक बदलाव का संदेश दिया। व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. अजय प्रताप सिंह ने कहा कि मन और शरीर का संबंध समग्र स्वास्थ्य का अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू है। व्यक्ति शारीरिक रूप से स्वस्थ हो सकता है, लेकिन यदि उसका मानसिक स्वास्थ्य ठीक नहीं है तो वह अपने शारीरिक स्वास्थ्य का भी पूर्ण लाभ नहीं उठा सकता। मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हैं तथा दोनों एक-दूसरे को प्रभावित करते हैं। सहायक आचार्य डॉ. अन्नू त्यागी और सहायक आचार्य डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम में उज्मा खान, संजीव कुमार यादव, प्रीती सिंह, उमम अंसारी, शम्भू नाथ, संतोष, पंकज सिंह सहित विभिन्न विभागों के विद्यार्थी उपस्थित रहे।-

लोकतंत्र बचाओ मार्च में गूंजे नारे, कांग्रेस ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को घेरा

कैनविज टाइम्स संवाददाता



संग्रामपुर/अमेठी। विकासखंड संग्रामपुर क्षेत्र की ठेंगहा ग्राम पंचायत में कांग्रेस पार्टी द्वारा आयोजित लोकतंत्र बचाओ सप्ताह के तहत पैदल मार्च निकाला गया। कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष बृजेश मिश्र के नेतृत्व में आयोजित इस मार्च में राहुल गांधी को हिरासत में लिए जाने के विरोध तथा चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली के खिलाफ कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। पदयात्रा ठेंगहा चौराहे से शुरू होकर हनुमान मंदिर परिसर तक पहुंची, जहां सभा के साथ इसका समापन हुआ। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग के विरोध में जमकर नारेबाजी की। मार्च के दौरान ''वोट चोर, गद्दी छोड़'' सहित अन्य नारे गूंजते रहे। कार्यक्रम को लेकर क्षेत्र में राजनीतिक माहौल गर्म रहा।

सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता बनाए रखना समय की आवश्यकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष की आवाज को दबाने का प्रयास किया जा रहा है, जिसका कांग्रेस कार्यकर्ता लोकतांत्रिक तरीके से विरोध कर रहे हैं। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री आशीष शुक्ला, राजीव सिंह (कसारा), अरविंद चतुर्वेदी, राजीव लोचन तिवारी, ओमप्रकाश द्विवेदी, नरेंद्र मिश्रा, देवमणि तिवारी, धर्मेंद्र शुक्ला, विनोद मिश्रा, मुन्ना सिंह (त्रिसूंडी), दिलीप तिवारी, सौरभ मिश्रा, दिवस प्रताप सिंह, राकेश मौर्य, बलराम वर्मा, संजय पाठक, राजदेव कश्यप, विनोद सिंह (विन्नू), राधेश्याम सिंह, ओमप्रकाश पांडेय, अभिषेक सिंह और ऋषभ तिवारी सहित सैकड़ों पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। मार्च के दौरान शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन भी मौके पर तैनात रहा।

लेडीज सूट की दुकान पर बिक रहे थे नकली सोने के आभूषण, तीन आरोपी गिरफ्तार, सट्टा करने की भी चर्चाएं

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अलापुर। थाना अलापुर क्षेत्र के कस्बा अलापुर में नकली सोने के आभूषण बेचने का मामला सामने आने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि कस्बे में स्थित एक लेडीज सूट की दुकान पर महिलाओं के कपड़ों के साथ कथित तौर पर सोने के आभूषण भी बेचे जा रहे थे। मामला तब खुला, जब एक महिला आभूषण बेचने के लिए दुकान पर पहुंची और जांच के दौरान आभूषणों की वास्तविकता को लेकर बड़ा खुलासा हुआ। वहीं प्राप्त जानकारी के अनुसार, लेडीज सूट की दुकान की आड़ में सोने के आभूषणों का कारोबार किए जाने की सूचना पुलिस तक पहुंची थी। इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। जांच के दौरान आभूषणों की गुणवत्ता और उनकी असलियत को लेकर संदेह गहराया। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं आरोपी कथित तौर पर नकली आभूषणों को सोने के आभूषण बताकर लोगों को बेचने का काम करते थे। महिलाओं के लिए संचालित कपड़ों की दुकान पर इस तरह का कारोबार सामने आने के बाद स्थानीय लोगों में भी चर्चा तेज हो गई है। मामले का खुलासा होने के बाद थाना अलापुर पुलिस ने आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि नकली आभूषण कहां से लाए जाते थे और इस पूरे मामले में कितने लोग शामिल हैं। साथ ही पुलिस यह भी जांच कर रही है कि अब तक कितने लोगों को नकली सोने के आभूषण बेचे गए हैं और इस कारोबार से कितनी रकम का लेन-देन हुआ है। वहीं पुलिस की जांच में यह भी सामने आ सकता है कि आरोपियों का नेटवर्क केवल कस्बा अलापुर तक सीमित था या आसपास के अन्य क्षेत्रों में भी नकली आभूषणों की बिक्री की जा रही थी। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है। पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है। पुलिस द्वारा बरामद किए गए आभूषणों की जांच कर उनकी वास्तविकता की पुष्टि कराई जा रही है। जांच पूरी होने के बाद ही पूरे मामले की तस्वीर और साफ हो सकेगी। नकली सोने के आभूषणों का मामला सामने आने के बाद स्थानीय व्यापारियों और ग्राहकों में भी चिंता बढ़ गई है। लोगों का कहना है कि आभूषण खरीदते समय उनकी शुद्धता और प्रमाणित होने की जांच जरूर करनी चाहिए, ताकि किसी तरह की धोखाधड़ी से बचा जा सके। फिलहाल पुलिस की कार्रवाई जारी है और गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर मामले में आगे और खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है। थाना प्रभारी सनी चौधरी ने बताया कि तीन आरोपियों को पीली धातु के साथ गिरफ्तार किया गया है, जांच कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

नवरात्रि में आस्था का महाकेंद्र बनता है अमृत कुंड वासिनी मां कालिकन धाम

कैनविज टाइम्स संवाददाता



संग्रामपुर/अमेठी। विकासखंड संग्रामपुर स्थित प्रसिद्ध शक्तिपीठ मां कालिकन धाम नवरात्र के दिनों में श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र बन जाता है। नौ दिनों तक यहां दर्शन-पूजन के लिए दूर-दराज जिलों से हजारों श्रद्धालु पहुंचते हैं। मंदिर परिसर भक्तों की भीड़ से गुलजार रहता है और पूरे क्षेत्र में भक्ति व श्रद्धा का वातावरण देखने को मिलता है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मां कालिकन धाम में विराजमान माता की प्रतिमा अत्यंत प्राचीन एवं चमत्कारिक मानी जाती है। मंदिर परिसर में विभिन्न देवी-देवताओं की प्रतिमाएं स्थापित हैं। यहां स्थित प्राचीन अमृत कुंड के संबंध में श्रद्धालुओं की मान्यता है कि इसके जल से स्नान करने पर कष्टों से मुक्ति मिलती है तथा नेत्र संबंधी रोगों में लाभ प्राप्त होता है।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार यह स्थल महर्षि च्यवन की तपोभूमि रहा है। धार्मिक एवं ऐतिहासिक महत्व के कारण वर्षभर श्रद्धालुओं का यहां आगमन होता है। विशेष रूप से सोमवार और नवरात्र के दौरान बड़ी संख्या में भक्त माता के दरबार में पहुंचकर पूजा-अर्चना करते हैं और अपनी मनोकामनाएं मांगते हैं।

मंदिर के पीठाधीश्वर श्री महाराज ने बताया कि नवरात्र के दौरान श्रद्धालुओं की संख्या में काफी वृद्धि होती है। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मंदिर प्रबंधन एवं प्रशासन द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। मंदिर परिसर और आसपास पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा, जिससे दर्शनार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

अमेठी मुख्यालय से लगभग 22 किलोमीटर दूर स्थित मां कालिकन धाम जिले के प्रमुख धार्मिक स्थलों में शुमार है। नवरात्र के अवसर पर यहां लगने वाला मेला क्षेत्र की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा का महत्वपूर्ण केंद्र माना जाता है।

करोड़ों खर्च के बाद भी बदहाल अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र, संचालन पर उठे सवाल

कैनविज टाइम्स संवाददाता



भेटुआ/अमेठी। विकासखंड भेंटुआ क्षेत्र में ग्रामीण स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए करोड़ों रुपये की लागत से बनाए गए अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र बदहाली का शिकार हैं। कई केंद्रों पर न तो नियमित रूप से कूड़ा पहुंच रहा है और न ही उनका समुचित संचालन हो रहा है। कुछ केंद्र झाड़ियों और घास-फूस से पट गए हैं, जिससे स्वच्छता अभियान के दावों पर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार घटकौर, मई, हारीपुर समेत कई गांवों में स्थापित अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र उपयोग के अभाव में उपेक्षित पड़े हैं। केंद्रों के आसपास फैली गंदगी और उगी झाड़ियां यह संकेत दे रही हैं कि उनकी नियमित निगरानी नहीं हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गांवों में सफाई व्यवस्था भी अपेक्षित स्तर पर नहीं है।

ग्रामीणों ने कूड़ा उठाने के लिए उपलब्ध कराए गए वाहनों के संचालन पर भी सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि कई स्थानों पर इन वाहनों का कोई पता नहीं है। कुछ ग्रामीणों का कहना है कि वाहन प्रधानों अथवा उनके करीबियों के उपयोग में हैं, जबकि आम लोगों को यह जानकारी तक नहीं है कि कूड़ा संग्रहण की व्यवस्था किस प्रकार संचालित की जा रही है।

राजेश कुमार, विकास तिवारी, रवि सिंह, विजय सिंह, सुनील यादव, महेश, दरोगा यादव, सियाराम प्रजापति और राधे सहित कई ग्रामीणों ने अपशिष्ट प्रबंधन केंद्रों की स्थिति में सुधार की मांग की है। ग्रामीणों ने जिम्मेदार अधिकारियों से स्थलीय निरीक्षण कर नियमित सफाई, कूड़ा उठान तथा वाहनों के पारदर्शी संचालन की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि गांवों को गंदगी और उससे फैलने वाली बीमारियों से बचाया जा सके।

अधिवक्ता नें दो महिलाओं समेत छह लोगों के खिलाफ दी तहरीर

बैनामा कराने पर आपत्ति जताने पर उपनिबंधक कार्यालय में बोला हमला

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बिसौली। उपनिबंधक कार्यालय में गुरुवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब दोबारा बैनामा कराने पर आपत्ति जताने वाले अधिवक्ता मुकेश मिश्र पर दो महिलाओं समेत छह लोगों ने हमला बोल दिया। आरोप है कि हमलावरों ने कार्यालय में अधिवक्ता को घेरकर उनके साथ मारपीट की और गला दबाकर जान से मारने का प्रयास किया। अचानक हुए हमले से कार्यालय में मौजूद लोगों में अफरातफरी मच गई। साथी अधिवक्ताओं ने किसी तरह हस्तक्षेप कर मुकेश मिश्र को हमलावरों के चंगुल से छुड़ाया। घटना के बाद अधिवक्ताओं में आक्रोश फैल गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके से दो महिला आरोपियों को हिरासत में ले लिया, जबकि अन्य आरोपी भागने में सफल रहे। इसके बाद बड़ी संख्या में अधिवक्ता एकजुट होकर जुलूस की शक्ल में कोतवाली पहुंचे। अधिवक्ता मुकेश मिश्र ने कोतवाल सर्वेन्द्र शर्मा को तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया। घायल अधिवक्ता को चिकित्सकीय परीक्षण के लिए सरकारी अस्पताल भेजा गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें रेफर कर दिया।

घटना के बाद उपनिबंधक कार्यालय से लेकर कोतवाली तक काफी देर तक गहमागहमी बनी रही। तहरीर में जुमरत पत्नी इंतजार, रिजवानो पत्नी मुंत्याज, कल्लू, अबरार और जमीर निवासी वगरेन थाना वजीरगंज तथा सलमान निवासी दबतोरा थाना बिसौली को आरोपी बनाया गया है। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है।

14 अक्टूबर को भाजपा का दामन थामेंगे राकेश प्रताप सिंह और विनोद चतुर्वेदी

कैनविज टाइम्स संवाददाता



गौरीगंज/अमेठी। गौरीगंज सदर विधानसभा क्षेत्र से विधायक एवं समाजवादी पार्टी से बागी चल रहे राकेश प्रताप सिंह 14 अक्टूबर को भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण करेंगे। उनके साथ कालपी विधानसभा क्षेत्र के विधायक विनोद चतुर्वेदी भी भाजपा में शामिल होंगे।

भाजपा सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम गौरीगंज स्थित राकेश प्रताप सिंह के मंगलम आवास पर आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा की राष्ट्रीय महामंत्री स्मृति ईरानी तथा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की मौजूदगी में दोनों विधायकों को पार्टी की औपचारिक सदस्यता दिलाई जाएगी। सूत्रों के अनुसार कार्यक्रम को लेकर व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। भाजपा संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं के शामिल होने की संभावना है। कार्यक्रम को लेकर जिले के राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हैं। राकेश प्रताप सिंह अमेठी की राजनीति का बड़ा चेहरा माने जाते हैं और तीन बार विधायक चुने जा चुके हैं। वहीं विनोद चतुर्वेदी भी बुंदेलखंड क्षेत्र की राजनीति में प्रभावशाली जनप्रतिनिधि के रूप में पहचान रखते हैं। दोनों नेताओं के भाजपा में शामिल होने को आगामी राजनीतिक समीकरणों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दोनों विधायकों की भाजपा में एंट्री से अमेठी समेत प्रदेश की राजनीति में नई चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है और अब सभी की निगाहें 14 अक्टूबर को होने वाले इस कार्यक्रम पर टिकी हैं।

सीओ सिटी पेशी का निलंबित सिपाही ने मांगीं दो बीयर केन, विवाद के बाद चले पत्थर

बदायूं कैनविज टाइम्स संवाददाता। सदर कोतवाली क्षेत्र के रजा मार्केट में मंगलवार रात कुछ लोगों का वीडियो बनाने को लेकर निलंबित सिपाही से विवाद हो गया। आरोप है कि वीडियो बनाने के दौरान निलंबित सिपाही ने वर्दी का रौब दिखाते हुए दो बीयर केन की भी मांगीं। इससे माहौल और बिगड़ गया। देखते ही देखते दोनों पक्षों में मारपीट के साथ पत्थरबाजी शुरू हो गई। करीब एक घंटे तक बाजार में अफरा-तफरी का माहौल रहा। दोनों पक्षों को खुली चोटें आई हैं। पुलिस दो लोगों को कोतवाली ले गई। पुलिस ने विवेक और शिव कुमार का शांतिभंग में चालान किया। अब घटना का सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हो रहा है। वहीं निलंबित सिपाही सीओ सिटी पेशी का बताया जा रहा है, वहीं इस मामले में एसपी सिटी ने जांच कर कार्रवाई करने की बात कही गई है।

जनगणना ट्रेनर्स का के द्वितीय चरण हेतु फील्ड प्रशिक्षण प्रारंभ

बदायूँ कैनविज टाइम्स संवाददाता। जनगणना 2027 के द्वितीय चरण हेतु नामित फील्ड ट्रेनर्स का प्रशिक्षण 08 अक्टूबर 2026 से प्रारंभ हो गया है। फील्ड ट्रेनर्स के दों बैचों में आयोजित यह प्रशिक्षण दिनांक 10 अक्टूबर 2026 तक संचालित किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ प्रमुख जनगणना अधिकारी/ जिलाधिकारी एवं जिला जनगणना अधिकारी/अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) महेंद्र कुमार श्रीवास्तव द्वारा किया गया। जनगणना निदेशालय द्वारा जारी आदेशों के अनुपालन में उप जिलाधिकारी, बिसौली एवं उप जिलाधिकारी, दातागंज को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। नोडल अधिकारियों की उपस्थिति में दोनों बैचों का प्रशिक्षण संचालित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान फील्ड ट्रेनर्स को जनगणना 2027 के द्वितीय चरण से संबंधित कार्यप्रणाली, दायित्वों एवं आवश्यक प्रक्रियाओं के संबंध में प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। दोनों बैचों में शत-प्रतिशत उपस्थिति रही। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बदायूँ में दिनांक 08 से 10 अक्टूबर 2026 तक आयोजित किया जाएगा।

मंगेतर को धमकी भरे ऑडियो भेजकर शादी रुकवाने की धमकी, युवती के परिजन भयभीत

बिसौली कैनविज टाइम्स संवाददाता। एक युवती के परिजनों ने उसका रिश्ता तय किया तो एक युवक द्वारा कथित रूप से युवती के मंगेतर को धमकी भरे ऑडियो और रिकॉर्डिंग भेजे जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि युवक मंगेतर को धमकाते हुए कह रहा है कि वह युवती से प्रेम करता है और यदि वह बारात लेकर आया तो उसे गोली मार देगा तथा शादी नहीं होने देगा। घटना के बाद युवती के परिजन भयभीत हैं। परिजनों के अनुसार, युवती का रिश्ता परिवार की सहमति से तय किया गया है। इसके बाद कथित युवक ने युवती के मंगेतर के मोबाइल पर आपत्तिजनक रिकॉर्डिंग और धमकी भरे ऑडियो भेजने शुरू कर दिए। ऑडियो में कथित तौर पर युवक शादी में बाधा डालने और मंगेतर को जान से मारने की धमकी दे रहा है। धमकी मिलने के बाद युवती के परिजन और मंगेतर का परिवार चिंतित हैं। परिजनों का कहना है कि युवक की हरकत से किसी अप्रिय घटना की आशंका बनी हुई है। परिवार मामले में उपलब्ध ऑडियो रिकॉर्डिंग और अन्य साक्ष्यों के साथ पुलिस को तहरीर देने की तैयारी कर रहा है । युवती का रिश्ता टूटने के कगार पर पहुंच गया है। पीड़ित परिवार की ओर से पुलिस को अभी तक कोई तहरीर नहीं पहुंची है ।

सेवा संकल्प अभियान में 262 दिव्यांगजनों को मिले सहायक उपकरण

अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। सेवा संकल्प अभियान के तहत गुरुवार को विकास भवन परिसर में दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण वितरण तथा शादी अनुदान प्रमाण-पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह ने की, जबकि विधायक गौरीगंज राकेश प्रताप सिंह विशिष्ट अतिथि रहे। कार्यक्रम में 262 दिव्यांगजनों को ट्राईसाइकिल, व्हीलचेयर, हियरिंग एड, वैशाखी, स्मार्ट केन सहित विभिन्न सहायक उपकरण वितरित किए गए। वहीं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की शादी अनुदान योजना के तहत लाभान्वित 526 लाभार्थियों में से 5 को स्वीकृति प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। इसके अलावा ओ लेवल/सीसीसी परीक्षा उत्तीर्ण 5 प्रशिक्षणार्थियों को भी प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार गरीब, दिव्यांग, महिलाओं एवं कमजोर वर्गों तक योजनाओं का लाभ पारदर्शी ढंग से पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी पूजा साहू, मुख्य चिकित्सा अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में लाभार्थी उपस्थित रहे।

हाईकोर्ट की सख्ती के बाद राजस्व विभाग के चार कर्मियों पर गिरी गाज

कैनविज टाइम्स संवाददाता



अमेठी। रामदैपुर गांव की सुरक्षित सरकारी भूमि पर अतिक्रमण और निर्माण के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ की सख्ती के बाद प्रशासन ने राजस्व विभाग के चार कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की है। प्रथम दृष्टया लापरवाही पाए जाने पर लेखपाल विक्रम कुमार और कुलदीप कुमार शुक्ला को निलंबित कर दिया गया, जबकि राजस्व निरीक्षक रामयज्ञ यादव और जगदीश प्रसाद विश्वकर्मा के खिलाफ विशेष परिनिंदा प्रविष्टि दर्ज की गई है।

यह मामला रामदैपुर निवासी राम बहादुर घुरिया द्वारा दायर जनहित याचिका से जुड़ा है। हाईकोर्ट ने जिलाधिकारी से भूमि की वर्तमान स्थिति, अतिक्रमण और प्रशासनिक कार्रवाई की रिपोर्ट मांगी थी। जांच के बाद संबंधित राजस्व कर्मियों की भूमिका पर कार्रवाई की गई।

एसडीएम पंकज कुमार मिश्र ने बताया कि विवादित भूमि की दोबारा पैमाइश के लिए एसडीएम अभिनीत कुमार की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति गठित की गई है। समिति की रिपोर्ट 26 अक्टूबर को हाईकोर्ट में प्रस्तुत की जाएगी। रिपोर्ट के आधार पर भूमि की वास्तविक स्थिति और आगे की कार्रवाई तय होगी।

विवाहिता को उसके ससुरालजनों द्वारा तमंचा के बल धमकाने प्रताड़ित कर तीन छोटे बच्चों सहित घर से बाहर निकालने का गंभीर मामला

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बिसौली। तहसील क्षेत्र के फैजगंज बेहटा थाना क्षेत्र के ग्राम पाठकपुर की एक विवाहिता को उसके ससुराल जनों द्वारा तमंचा के बल धमकाने प्रताड़ित कर तीन छोटे बच्चों सहित घर से बाहर निकालने का गंभीर मामला सामने आया है। थाने पर कार्यवाही नही होने पर पीड़िता ने पुलिस क्षेत्राधिकारी बिसौली को प्रार्थना पत्र सौंपकर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई और न्याय की गुहार लगाई है। ?ग्राम पाठकपुर निवासी हिर्देश कुमारी पत्नी मुनेश ने क्षेत्राधिकारी को दिए शिकायती पत्र में बताया कि वह पंजाब में मजदूरी करके अपने बच्चों का पालन-पोषण करती है। 7 अक्टूबर को वह पंजाब से अपने बच्चों के साथ ससुराल लौटी थी। शाम करीब 7 बजे जब उसने बच्चों के लिए चाय बनाई, तो उसके जेठ श्रीपाल ने चाय मांगी। आरोप है कि जब पीड़िता गिलास लेने कमरे में गई, तो जेठ ने उसकी चाय में नशीली गोलियां मिला दीं और खुद दूसरी चाय पीने लगा। पीड़िता के शक होने और मना करने पर जेठ ने वह चाय जमीन पर गिरा दी, जिसमें से नशीली गोलियां बाहर निकल आईं। ?पीड़िता का आरोप है कि इसी दौरान उसका देवर मुकुट हाथ में तमंचा लेकर आया और उसे जान से मारने की धमकी देने लगा। जब उसने इस घटना की जानकारी अपने पति मुनेश को दी, तो उसने भी उसके साथ मारपीट की। पीड़िता द्वारा पड़ोसियों को आपबीती बताने पर उसके पति मुनेश, जेठ श्रीपाल, देवर मुकुट और सास-ससुर ने मिलकर उसे व उसके तीन मासूम बच्चों को मारपीट कर घर से बाहर निकाल दिया। पीड़िता ने बताया कि उसने पहले स्थानीय थाने में शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन कोई सुनवाई न होने पर उसे उच्च अधिकारियों का दरवाजा खटखटाना पड़ा। पीड़ित महिला ने पुलिस प्रशासन से आरोपियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई करने और उसे अपने घर में प्रवेश दिलाने की मांग की है।

गोंडा में निकली 'सेवा ज्योति यात्रा'

मशालों संग गूंजा विकसित भारत का संकल्प,जुटे भाजपा नेता - कार्यकर्ता

कैनविज टाइम्स संवाददाता



गोंडा । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन एवं राष्ट्र साधना के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में भाजपा की ओर से गोंडा में 'सेवा ज्योति यात्रा' का आयोजन किया गया। यात्रा में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी,जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता और नागरिक शामिल हुए।कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष अकबाल बहादुर तिवारी ने की। मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय महामंत्री एवं जिला प्रभारी राहुल राज रस्तोगी मौजूद रहे।कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधन भी उपस्थित लोगों ने सुना। भाजपा नेताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री के 25 वर्षों का सार्वजनिक जीवन सेवा,समर्पण, सुशासन और राष्ट्र प्रथम की भावना का प्रतीक है। जनसेवा को जीवन का ध्येय बनाकर प्रधानमंत्री ने गरीब कल्याण, देश के विकास और सशक्त भारत के निर्माण को नई दिशा देने का काम किया है। भाजपा मीडिया प्रभारी विवेक मणि श्रीवास्तव ने बताया कि सेवा ज्योति यात्रा जिलाध्यक्ष अकबाल बहादुर तिवारी के मार्गदर्शन में निकाली गई। कार्यक्रम में विधायक मनकापुर रमापति शास्त्री, कटरा बाजार के विधायक बावन सिंह, तरबगंज विधायक प्रेम नारायण पांडेय,गौरा विधायक प्रभात वर्मा, मेहनौन विधायक विनय कुमार द्विवेदी, गोंडा सदर विधायक प्रतीक भूषण सिंह, कर्नलगंज विधायक अजय सिंह तथा कैसरगंज सांसद प्रतिनिधि संजीव सिंह समेत अन्य जन प्रतिनिधि मौजूद रहे।कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री राकेश तिवारी ने किया। सेवा संकल्प अभियान के जिला संयोजक एवं महामंत्री रंजीत कश्यप,सेवा ज्योति कलश यात्रा के जिला संयोजक विद्या भूषण द्विवेदी,आशीष त्रिपाठी, जसवंत लाल सोनकर, केके श्रीवास्तव, अर्जुन तिवारी, नीरज मौर्य, राजेश तिवारी, राजीव रस्तोगी, बीना राय, अनुपमा श्रीवास्तव, मंत्री दीपक गुप्ता, विष्णु पांडेय, जितेंद्र पांडेय, मनीष द्विवेदी, विनय शर्मा, शशांक मिश्रा, अविनाश जायसवाल, संदीप पांडेय, प्रिंस चौरसिया, डॉ. अनिल कुमार, सतीश सिंह, अवधेश तिवारी, अमर पाठक और आकाश पाठक समेत बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा नेताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री की 25 वर्षों की सेवा यात्रा देशवासियों को राष्ट्रहित में समर्पित होकर काम करने की प्रेरणा देती है। 'सेवा ज्योति यात्रा' के माध्यम से विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया गया।

मिट्टी में उतर रही मां की भव्यता



कैनविज टाइम्स संवाददाता

मां दुर्गा की प्रतिमाओं को संवारने लगे शिल्पकार

नवरात्रि की होने लगी तैयारी, कोलकाता के शिल्पकारों ने संभाली जिम्मेदारी

गोंडा । शारदीय नवरात्र नजदीक आते ही क्षेत्र में दुर्गा पूजा की तैयारियां तेज हो गई हैं।पूजा पंडालों को सजाने से लेकर मां दुर्गा की प्रतिमाओं को तैयार करने तक का काम अंतिम चरण में पहुंच गया है।शिल्पकार दिन-रात मेहनत कर प्रतिमाओं को आकर्षक रूप देने में जुटे है।उनकी कोशिश है कि इस बार मां दुर्गा की प्रतिमाएं पहले से अधिक सुंदर और भव्य नजर आएं। 11 अक्टूबर से गोंडा जिले मे पूजा पंडालों में मांदुर्गा की स्थापना के सा थ ही जय माता दी के जयकारे गूंजने लगेंगे। इसे लेकर'श्रद्धालुओं में भी उत्साह दिखाई देने लगा है जिला मुख्यालय पर नर्म मंदिर परिसर के बगल मे से आए शिल्पकार सैफल और सागर इन दिनों प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हैं।मिट्टी से तैयार की गई प्रतिमाओं की साज - सज्जा,रंगाई और बारीक कलाकारी का काम तेजी से किया जा रहा है।शिल्पकारों का कहना है कि प्रतिमा निर्माण केवल उनका व्यवसाय नहीं,बल्कि कला व आस्था से जुड़ा कार्य है। इसलिए वे हर प्रतिमा को पूरी तन्मयता और मेहनत से तैयार करते हैं,जिस से मां दुर्गा का स्वरूप आकर्षक और जीवंत दिखाई दे।कारीगरों ने बताया कि उन्होंने मूर्ति बनाने की, कला कोलकाता में सीखी है, वहां देवी - देवताओं की विभिन्न प्रकार की प्रतिमाएं तैयार की जाती हैं। इसी अनुभव के आधार पर वे यहां भी प्रतिमाओं को बेहतर स्वरूप देने का प्रयास कर रहे हैं।उनका मानना है कि प्रतिमा जितनी सुंदर और आकर्षक होगी,श्रद्धालुओं का जुड़ाव भी उतना ही गहरा हो गा। अब तक मानक के अनुसार 150 प्रतिमाएं तैयार की जा चुकी हैं, जबकि शेष प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने का काम जारी है,नवरात्र से पहले सभी प्रतिमाओं को तैयार कर संबंधित पूजा समि तियों को सौंपने की तैयारी है। क्षेत्र में नवरात्र को लेकर पूजा समितियां भी अपनी तैयारियों में जुटी हैं।पंडालों में सजावट,प्रकाश व्यवस्था और अन्य जरूरी इंतजाम किए जा रहे हैं।शारदीय नवरात्र के दौ रान नौ दिनों तक क्षेत्र में धार्मिक आयोजनों औ र पूजा-अर्चना का माहौल रहेगा।

कोलकाता की कला से तैयार हो रहीं प्रतिमाएं

बड़गांव पुलिस चौकी के पास नूरामल मंदिर में प्र तिमाओं को आकार दे रहे शिल्पकार कोलकाता से आए हैं।उन्होंने वहीं मूर्ति निर्माण की बारीकियां सीखी हैं। अब अपने हुनर के जरिए यहां मां दुर्गा की आकर्षक प्रतिमाएं तैयार कर रहे हैं।उनका प्र यास रहता है कि प्रतिमा के चेहरे के भाव आभूष ण और अन्य कलाकृतियां इतनी सुंदर हों कि श्र द्धालु देखते ही आकर्षित हो जाएं।

पंडालों में होगी मां दुर्गा की स्थापना

गोंडा क्षेत्र में शारदीय नवरात्र को लेकर व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। 11 अक्टूबर से क्षेत्र के सैकड़ो से अधिक पूजा पंडालों में मां दुर्गा की स्था पना की जाएगी।इसके लिए पूजा समितियां पंडा लों को सजाने और अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में लगी हैं। वहीं, मूर्तिकारों के यहां अब तक 150 प्रतिमाएं तैयार हो चुकी हैं।शेष प्रतिमा ओं का निर्माण तेजी से चल रहा है।नवरात्र शुरू होते ही पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में सराबोर होगा ।

मोतीगंज मे पेड़ कटते रह जिम्मेदार देखते रहे

कैनविज टाइम्स संवाददाता



गोंडा । मोतीगंज थाना क्षेत्र में हरे पेड़ों की कथित अवैध कटान ने वन विभाग और स्थानीय प्रशासन की निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। हड़हवा, दलपतपुर, सोठिया,विद्यानगर,रामपुर,राज गढ़, किनकी भरोसा,भोरहा,राजापुर शिवानगर,गढ़ी बढ़या और कहोबा समेत कई गांवों में हरे-भरे पेड़ों पर धड़ल्ले से आरा चलाए जाने का आरोप है।ग्रा मीणों के मुताबिक शीशम, आम और सागौन के पेड़ों को दिनदहाड़े काटकर लकड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से ले जाई जा रही है।बागों और चकरोड के किना रे खड़े पेड़ों की कटान को लेकर ग्रामीणों में नारा जगी है।उनका आरोप है कि लगातार शिकायतों के बावजूद जिम्मेदार विभाग प्रभावी कार्रवाई नहीं कर रहा है। इससे कथित लकड़ी कारोबारियों के हौसले बुलंद हैं।ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि वन विभाग और स्थानीय प्रशासन की निगरा नी के बावजूद बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटान कैसे जारी है, इसकी जांच जरूरी है।

मामले ने यह सवा ल भी खड़ा कर दिया है कि यदि पेड़ों की कटान खुलेआम हो रही है और लकड़ी वाहनों से ढोई जा रही है तो जिम्मेदार अमला आखिर इसे रोक क्यों नहीं पा रहा है।ग्रामीणों ने जिलाधिकारी और डीए फओ से क्षेत्र में अभियान चलाकर कटान की जां च कराने, लकड़ी के परिवहन की जांच करने और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है, थानाध्य क्ष तेज नारायण गुप्ता ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। टीम भेजकर जांच कराई जा रही है। अवैध कटान मिलने पर संबंधित के खिलाफ निय मानुसार कार्रवाई की जाएगी।

आप मिलाते रहिए, फोन नहीं उठाएंगे पंचायत सचिव, वीडियो समेत जिम्मेदार

जनता का फोन नहीं उठाते अधिकारी गण, लोक सेवक होने का फर्ज भूले जिम्मेदार...

समस्याओं को लेकर फोन करने पर नहीं देते रिस्पांस कहीं ऐसा तो नहीं...

आम जनता का फोन रिसीव करना.....अधिकारी अपनी समझने लगे तौहीन

जब जिम्मेदार आम जनों का फोन ही नहीं उठाते तो डायरी,....कैलेंडर व वेबसाइट में नंबर प्रदर्शित करने की क्या जरूरत..?

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । दलाल,सेटिंग व कमीशन खोरो का फोन घंटी बजते ही उठता है जनता का फोन नहीं उठाने की बीमारी सम्बंधित जिम्मेदारों में ही है,सोमवार चाहे रविवार (अवकाश) के दिनों में चाहे जनता को कि तनी भी परेशानियां क्यों न हो सभी अधिकारियों ने फोन न उठाने का एक तरह से नियम ही बना लिए है।सरकारी काम-काज समय सीमा में नहीं होने से आम लोगों को बड़ी परेशानी उठानी पड़ रही है।कर्मचारियों का रवैया और भारी पड़ रहा है, योगी सरकार की मंशा है कि सभी सरकारी योज नाएं और सुविधाएं लोगों तक आसानी से पहुंचे। इसके ज्यादातर सुविधाओं को ऑनलाइन किया गया है।कई मामलों में सिंगल विंडो सिस्टम भी शु रू किया गया है।सुविधाओं को आनलाइन करने के पीछे लोगों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगा ने और दलालों के चंगुल से बचाना मुख्य उद्देश्य है, लेकिन योगी सरकार की इस मंशा पर अधिकारी-कर्मचारी पानी फ़ेर रहे है।लेकिन वर्तमान में जिम्मे दार जवाबदारियों से बचनेड्यूटी के नाम पर समय ही काटते हैं। वैसे ये खुद को इतना व्यस्त जताते कि अपनी समस्याओं और परेशानियों को लेकर फोन करने वाले लोगो की काल तक रिसीव नहीं करते हैं। कई बार लोग अपने कामो के संदर्भ में जानकारी लेने के लिए संबंधित कर्मचारी को फोन लगाते है लेकिन मजाल है कि कोई कर्मचारी गण फोन रिसीव कर समस्या का समाधान कर दे या परामर्श दे दे। ऑफिस के बाबू से लेकर पंचायत सचिव व राजस्व महकमा आम लोगों का फोन न हीं रिसीव करते हैं।



ऑनलाइन सुविधाओं में फोन पर संपर्क जरूरी

केंद्र और राज्य सरकार की हर योजनाओं और सुविधाओं का लाभ लोगों को ऑनलाइन उपलब्ध कराने के लिए प्राय:सभी योजनाओं और सुविधा ओं के लिए वेबपोर्टल बनाया है। इसके माध्यम से लोग सरकारी कार्यालयो का चक्कर लगाए बगैर संबंधित सुविधा ले सकता है। लेकिन कभी-कभी सिस्टम समझ नहीं आने पर या किसी तरह की असुविधा होने पर लोग संबंधित अधिकारी या कर्मचारी से फोन पर संपर्क कर सुझाव चाहता है लेकिन जब यह फोन करता है तो उसका रिप्लाई नहीं मिलता।प्राय-हर सरकारी वेबपोर्टल में संबंधि त अधिकारियों का फोन नंबर प्रदर्शित किया जा ता है। लेकिन ये कभी फोन पर उपलब्ध नहीं होते अगर गलती से फोन की घंटी बज भी गई तो ये रि सीव ही नहीं करते। योगी सरकार के आदेश की अवहेलना करते हुए ये अधिकारी लोक सेवक होने के दायित्व को तो नजर अंदाज करते हीं हैं सरकार के प्रति अपनी जवाबदेही से भी बचते रहते हैं।जन ता से संवाद कायम करने का पहला कर्तव्य अधि कारियों का होता है,लेकिन ब्लाक स्तर से तहसील स्तर तक आम लोगों का फोन उठाना जरूची नहीं समझते वही लोगों ने बताया कि कोई नंबर से एक से ज्यादा बार घंटी बजी तो उसे ब्लेक लिस्ट में डा ल देते है।कभी फोन का स्विच ऑफ करके व्हाट्स एप पर डाल देते हैं या फिर फोन को अधिकांश स मय छुपा हुआ फोन बनाकर रखते हैं,जिससे योगी सरकार मे आम जनता को बहुत तकलीफ का सा मना करना पड़ रहा है।सभी विभागों के अधिकांश कार्यालयों में अधिकारियों के अडियल रवैये और मनमानी के कारण आम जनता को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है सही तरीके से जानकारी उपलब्ध कराना सरकार की कार्यक्रमों और योज नाओं का लाभलोगों तक पहुंचाना अधिकारियों का दायित्व है लेकिन अधिकारी फोन उठाना तो दूर जनता का काम करने से भी कतराते हैं जबकि हर विभाग दफ्तरों में सरकारी फोन से लेकर उच्चा धिकारियों व प्रभारी अधिकारियों को सरकारी मो बाइल भी उपलब्ध रहता है और ये नंबर वेबसाइट में भी प्रदर्शित होता है,ऐसे में जरूरत में सुझाव या समस्या समाधान के लिए अगर आम आदमी फोन करे तो उसपर रिस्पांस कर उक्तव्यक्ति की समस्या सुनना और समाधान बताना भी अधिकारियों की ड्यूटी है,योगी सरकार को अधिकारियों को जनता से सतत संपर्क और मोबाइल अथवा फोन पर भी समस्याओं के समाधान का निर्देश देना चाहिए।

सपनों की छत पर मिला मालिकाना हक, 525 परिवारों के चेहरे खिले

आवास मेले में 528 के सापेक्ष 525 लाभार्थियों को आवास आवंटित



कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । वर्षों से पक्की छत और अपने घर के मालि काना हक का इंतजार कर रहे 525 परिवारों के लिए गुरुवार का दिन यादगार बन गया।आवास विकास परिषद कार्यालय परिसर में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत आयोजित आवा स मेले में 528 लाभार्थियों के सापेक्ष 525 को आ वास आवंटित कर स्वामित्व का अधिकार दिया ग या।अनुबंध और विक्रय विलेख की प्रक्रिया पूरी होने के बाद लाभार्थियों को उनके आवास से सं बंधित अभिलेख सौंपे गए।कागजात हाथ में आते ही वर्षों के इंतजार की खुशी चेहरों पर साफ दिखा ई दी। आवास विकास परिषद के जोनल आयुक्त राम लखन के दिशा - निर्देश में आयोजित मेले में संपत्ति प्रबंधक कृष्ण मोहन ने लाभार्थियों को स्वा मित्व संबंधी अभिलेख सौंपे।इस दौरान परिषद के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे तथा लाभार्थि यों की दस्तावेजी प्रक्रिया पूरी कराने में सहयोग किया।

जांच के बाद मिला स्वामित्व का अधिकार

अभिलेख सौंपने से पहले वरिष्ठ लिपिक अशोक श्रीवास्तव और ध्रुव श्रीवास्तव की निगरानी में दस्तावेजों की जांच-पड़ताल की गई।इसके बाद कार्यालय अधीक्षक दिव्यांशु चौधरी की देखरेख में आवंटन, अनुबंध और विक्रय विलेख से जुड़ी औप चारिकताएं पूरी कराई गईं।अधिकारियों ने लाभा र्थियों को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराते हुए प्रक्रिया को व्यवस्थित तरीके से पूरा कराया।काग ज हाथ में आते ही चेहरे पर आई चमक मालिका ना हक पाने वाले लाभार्थियों में विनीता पाण्डेय, अवंतिका मिश्रा,राम सुफल पाल,राम मणि शास्त्री, गिरधर, योगेश कुमार पाण्डेय, दिनेश कुमार और सुमन समेत अन्य शामिल रहे।इन परिवारों के लिए यह महज अभिलेख मिलने का अवसर नहीं था। वर्षों से अपने घर के सपने को संजोए परिवारों को अब उस आशियाने पर कानूनी स्वामित्व का भरो सा मिला है।अनुबंध और विक्रय विलेख हाथ में आते ही लाभार्थियों के चेहरे पर उभरी खुशी इस बात की गवाही देती रही कि उनके लिए यह दिन सिर्फ आवास मिलने का नहीं, बल्कि अपने घर पर अधिकार मिलने का दिन था।

नवरात्रि पर प्रशासन का सख्त पहरा अफवाह फैलाई तो कार्रवाई

हाईटेंशन तार व रेलवे क्रॉसिंग के पास पंडाल पर रोक,एसडीएम - सीओ - थानाध्यक्षों को खुद निरीक्षण के निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता



गोंडा । नवरात्रि और दुर्गा पूजा को लेकर जिला प्रशा सन ने शांति,सुरक्षा और सौहार्द बनाए रखने के लि ए कमर कस ली है।बृहस्पतिवार को जिला पंचाय त सभागार में जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन की अध्यक्षता में केंद्रीय पीस कमेटी की बैठक हुई।इ समें पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा समेत प्रशास निक व पुलिस अधिकारियों, धर्मगुरुओं और संभ्रां त नागरिकों ने हिस्सा लिया।बैठक में साफ संदेश दिया गया कि त्योहार की आड़ में माहौल बिगाड़ ने,अफवाह फैलाने या धार्मिक भावनाएं भड़काने वालों पर कड़ी वैधानिक कार्रवाई होगी।जिलाधि कारी ने कहा कि सभी समुदाय आपसी भाईचारे के साथ त्योहार मनाएं और ऐसी कोई गतिविधि न करें जिससे किसी की धार्मिक भावनाएं आहत हों सोशल मीडिया पर भ्रामक या माहौल बिगाड़ने वा ली पोस्ट पर भी पुलिस-प्रशासन की कड़ी नजर र हेगी।अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि अफवा हों पर तत्काल संज्ञान लेकर प्रभावी कार्रवाई की जाए।डीएम ने आयोजन स्थलों की सुरक्षा को ले कर भी सख्ती दिखाई।उन्होंने स्पष्ट किया कि हाई टेंशन विद्युत तारों के नीचे अथवा आसपास और रे लवे क्रॉसिंग के पास कोई पंडाल नहीं लगाया जाए गा।सभी पंडालों में पर्याप्त पानी की व्यवस्था रख ने के निर्देश दिए गए हैं। मूर्ति विसर्जन को लेकर भी प्रशासन ने विस्तृत इंतजाम के निर्देश दिए।स भी विसर्जन घाटों पर प्रकाश, पार्किंग, गोताखोर और साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। विसर्जन के दौरान नाबालिग बच्चों के जाने पर रोक रहेगी और इसकी जिम्मेदारी आयो जनकर्ताओं की होगी।जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी पंडाल स्थलों, विसर्जन स्थलों और विसर्जन मार्गों का एसडीएम, सीओ और थानाध्यक्ष स्वयं भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लें। किसी भी स्तर पर लापरवाही मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जाए।

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि धार्मिक भावनाएं भड़काने, दुष्प्रचार करने अथवा अफवाह फैलाने वालों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। लोगों से अपील की गई कि किसी अपुष्ट सूचना पर भरोसा न करें और समस्या होने पर तत्काल पुलिस या प्रशासन को सूचना दें।डीएम के निर्देश पर सभी थानाध्यक्षों को डीजे संचालकों से संपर्क कर ध्वनि की गति निर्धारित सीमा में रखने के लि ए पहले से आवश्यक दिशा-निर्देश देने को कहा गया है।बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रमोद झा, अपर पुलिस अधीक्षक,सभी एसडीएम, सीओ, थानाध्यक्ष, धर्मगुरु और संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

एडी बेसिक के आगमन पर शिक्षक संघ बलहा ने किया स्वागत

शिक्षक हित एवं शिक्षा के विकास को लेकर मार्गदर्शन को बताया प्रेरणादायी

कैनविज टाइम्स संवाददाता



नानपारा, बहराइच। जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ, शाखा बलहा की ओर से ब्लॉक संसाधन केंद्र (बीआरसी) बलहा में एडी बेसिक रामसागरपति त्रिपाठी के आगमन पर स्वागत एवं अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया। शाखा कार्यकारिणी के पदाधिकारियों एवं शिक्षक साथियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर एडी बेसिक का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने में अधिकारियों और शिक्षकों के बीच बेहतर समन्वय एवं संवाद की महत्वपूर्ण भूमिका है। एडी बेसिक रामसागरपति त्रिपाठी का मार्गदर्शन शिक्षकों के लिए सदैव प्रेरणादायी रहा है। उनके आगमन से क्षेत्रीय शिक्षकों में उत्साह का माहौल रहा। शिक्षक संघ की ओर से कहा गया कि शिक्षक हित, विद्यालयी शिक्षा की गुणवत्ता और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास से जुड़े विषयों पर सकारात्मक मार्गदर्शन शिक्षकों को अपने दायित्वों का बेहतर ढंग से निर्वहन करने के लिए प्रेरित करता है। शिक्षक संघ ने एडी बेसिक के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार सहयोग एवं मार्गदर्शन की अपेक्षा जताई। इस दौरान जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ शाखा बलहा के मंत्री राजेश कुमार यादव, उपाध्यक्ष शान्ति पाल, मीडिया प्रभारी मुकेश कुमार सहित शिक्षक आफाक अहमद, परवीन जहरा जैदी, शुभम कुमार, विनीत कुमार, आशीष कुमार एवं पटल सहायक गौस उमर उपस्थित रहे। अंत में शिक्षक संघ की ओर से एडी बेसिक को उनके आगमन एवं मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया गया। उपस्थित शिक्षकों ने शिक्षा के विकास, शिक्षक हितों और विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य के लिए आपसी सहयोग एवं समन्वय के साथ कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया।

नानपारा में साइबर ठगी का आरोप, बिना अनुमति खातों से ट्रांसफर हुए 1.95 लाख

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नानपारा, बहराइच। नानपारा क्षेत्र में साइबर धोखाधड़ी का एक मामला सामने आया है, जहां एक बैंक खाताधारक के दो खातों से उसकी जानकारी और अनुमति के बिना कुल 1.95 लाख रुपये के संदिग्ध डिजिटल ट्रांजेक्शन किए जाने की शिकायत की गई है। मोबाइल पर बैंकिंग संदेश मिलने के बाद मामले की जानकारी हुई। पीड़ित ने बैंक प्रबंधन और पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर संदिग्ध लेनदेन की जांच, धनराशि वापस कराने तथा दोषियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की मांग की है। नानपारा निवासी भान प्रकाश श्रीवास्तव की ओर से बड़ौदा बैंक व यूनियन बैंक की नानपारा शाखा प्रबंधक को दिए गए शिकायती पत्र में कहा है कि उनके बैंक खाते से उनकी जानकारी और अनुमति के बिना अलग-अलग समय पर धनराशि की निकासी की गई है। शिकायतकर्ता के अनुसार, बड़ौदा बैंक खाते से दोपहर 1,00,000 रूपये की राशि तथा पांच मिनट के अंतराल पर यूनियन बैंक खाते से 95,000 रूपये अनधिकृत रूप से ट्रांसफर किए जाने की जानकारी मिली। मोबाइल पर प्राप्त संदेशों के बाद जब उन्होंने लेनदेन की जानकारी की तो मामला संदिग्ध प्रतीत हुआ। शिकायतकर्ता ने बैंक प्रबंधन से संबंधित लेनदेन की जांच कराने, अनधिकृत रूप से स्थानांतरित धनराशि को होल्ड/फ्रीज कराकर वापस कराने तथा संबंधित व्यक्ति अथवा खाताधारक के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे आधार कार्ड, पैन कार्ड एवं बैंक पासबुक में नाम मनीराम गुप्ता अंकित है, जो कि सत्य एवं सही है। जबकि मेरे पासपोर्ट में नाम केवल मनीराम अंकित है,जो अपूर्ण एवं त्रुटिपूर्ण है।
अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा सही एवं पूर्ण नाम मनीराम गुप्ता है तथा भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना एवं पहचाना जाए।

मनीराम गुप्ता
पुत्र श्री रामजग
निवासी होल्लापुर
काशीपुर,
तहसील तरबगंज

गौरीगंज के विधायक राकेश प्रताप सिंह चौदह अक्टूबर को भाजपा में होंगे शामिल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी । विधानसभा क्षेत्र गौरीगंज से समाजवादी पार्टी के बागी विधायक राकेश प्रताप सिंह आगामी चौदह अक्टूबर को भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण करेंगे जिसमें राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तर के कई दिग्गज नेताओं के समक्ष शामिल होंगे। शारदीय नवरात्र में गौरीगंज के विधायक राकेश प्रताप सिंह के द्वारा भाजपा की सदस्यता ग्रहण समारोह को लेकर गौरीगंज विधानसभा क्षेत्र के साथ ही जनपद अमेठी में राजनीतिक माहौल गरम हो गया है। विधायक राकेश प्रताप सिंह ने बताया कि जनपद मुख्यालय गौरीगंज स्थित ''मंगलम आवास'' पर कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। उक्त कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तर के नेताओं के साथ संगठन के पदाधिकारियों की मौजूदगी में राकेश प्रताप सिंह को पार्टी की सदस्यता दिलाई जायेगी।सदस्यता ग्रहण समारोह को



भाजपा के राष्टीय एवं प्रदेश स्तर के कई नेताओं के समक्ष भाजपा में शामिल होंगे

मंगलम आवास पर आयोजित सदस्यता ग्रहण समारोह में चालीस हजार लोगों के शामिल होने की संभावना

लेकर समर्थकों और स्थानीय कार्यकर्ताओं में भी उत्साह देखा जा रहा है। सदस्यता ग्रहण समारोह कार्यक्रम में करीब चालीस हजार लोगों के शामिल होने की उम्मीद जताई जा रही है। बताते चलें कि गौरीगंज के विधायक राकेश प्रताप सिंह को बीते वर्ष के जून महीने में समाजवादी पार्टी ने पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में निष्कासित कर दिया था।इसके बाद से उनकी भाजपा के साथ नजदीकी राजनीतिक गतिविधियां सामने आती रही हैं।बीते अगस्त माह में उन्होंने भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की थी। आगामी चौदह अक्टूबर को भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने के साथ ही राकेश प्रताप सिंह के राजनीतिक सफर का नया अध्याय शुरू होगा। गौरीगंज में प्रस्तावित इस कार्यक्रम को लेकर राजनीतिक माहौल गरम हो गया है जबकि विधायक समर्थकों में उत्साह देखने को मिल रहा है।

श्रीराम कथा में भरत चरित्र प्रसंग सुन भाव विभोर हुये श्रोता

तिलोई में चल रही श्रीराम कथा में डीएम और विधायकों ने कथा व्यास से लिया आशीर्वाद

कैनविज टाइम्स संवाददाता



तिलोई अमेठी,आरबीएस इण्टर कालेज तिलोई के प्रांगण में राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह द्वारा आयोजित श्रीराम कथा के अष्टम दिवस पर कथा व्यास आचार्य शान्तनु जी महाराज ने भरत चरित्र की कथा सुनाते हुये कहा कि ,''जग जप राम राम जप जेहि,'' अर्थात भगवान स्वयम भरत जी का स्मरण करते है। उन्होंने कहा कि मानस में भरत जी को अनेक लोगो ने महिमा मंडित किया है।तीर्थराज प्रयाग ने कहा की भरत सब विधि साधु हैं।भगवान ने स्वयं कहा कि लखन भरत जैसा पवित्र भाई संसार मे नही मिल सकता। कथा व्यास ने कहा कि जनक जी ने सुनयना जी से कहा कि रानी भरत की महिमा राम जानते तो है परंतु वे भी बता नही सकते।भरत जी की साधना को बताते हुये कथा व्यास ने कहा कि उनकी कठिन साधना को देखकर बड़े बड़े साधु संत भी उनके पास जाने में घबराते थे स्वयं वसिष्ठ जी भी जाने से कतराते थे।पिता की मृत्यु अवाम भगवान के वन गमन का समाचार मिलने पर भरत जी विह्वल हो गए और विलाप करने लगे माता कैकेई को बहुत बुरा भला कहा है सारी सभा को फटकार लगाई है कौशल्या जी के समझाने पर भरत जी शांत हुए है और सबको आश्वासन फ़िया है कि हम सबको भगवान से मिलाने ले चलेंगे और पूरी प्रजा भरत जी के साथ भगवान से मिलने चित्रकूट चली है भगवान से मिलन हुआ है भगवान के आदेश से उनकी पादुका सिरोधार्य कर भरत जी अयोध्या वापस आये है और उसी पादुका को सिंहासन पर रखकर अयोध्या के राजकाज को संभाला है इस कारुणिक प्रसंग को सुनकर सम्पूर्ण जनमानस श्रोतासमाज भावविभोर हो गये सबकी अश्रुधार फुट पड़ी एवं सम्पूर्ण वातावरण भक्तिमय हो गया। श्रीराम कथा में यजमान के साथ सीतापुर के एमएलसी पवन सिंह, गौरीगंज के विधायक राकेश प्रताप सिंह, हैदरगढ़ के विधायक दिनेश रावत, त्रिवेदीगंज के ब्लाक प्रमुख सुनील सिंह, विपुल सिंह चौहान,संजय त्रिपाठी, उदयन सिंह, सोमेश सिंह,शिव भूषण शुक्ला ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ आरती पूजन कर व्यास पीठ से आशीर्वाद प्राप्त किया। कथा व्यास ने अतिथियों को अंगवस्त्र तो राज्यमंत्री राजा मयंकेश्वर शरण सिंह ने प्रतीक चिन्ह भेंट किया। कार्यक्रम का संचालन धर्मेश मिश्रा ने किया। इस मौके पर गोसाईगंज के विधायक अभय सिंह, जिलाधिकारी शशांक चौधरी, परियोजना निदेशक ऐश्वर्य यादव, ब्लाक प्रमुख मुन्ना सिंह, सत्यम सिंह,अंकित पासी, रमेश सिंह, अनिल पाण्डेय, बबलू मिश्रा, कौशलेंद्र सिंह,राजेंद्र बहादुर सिंह, संजय सिंह,भास्कर सिंह,तेज नारायण मिश्र, गुडडू सिंह,ध्रुवराज पासी,राहुल अवस्थी, हेमंत प्रताप सिंह, सुरेश यादव, लाल चंद्र सरोज, प्रवेश शुक्ला, सुरेश सिंह, राजेश पाण्डेय, आशीष मिश्रा,दिग्विजय सिंह सहित अन्य तमाम श्रोतागण मौजूद रहे।

गोमती नदी में पचास हजार मत्स्य अंगुलिकाओं का किया गया प्रवाह



कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी । प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत तहसील मुसाफिरखाना के ग्राम निजामुद्दीनपुर स्थित इसौली घाट पर गोमती नदी में रिवर रैंचिंग कार्यक्रम एवं गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गोमती नदी के जलीय पर्यावरण एवं पारिस्थितिक संतुलन को बनाये रखने के उद्देश्य से पचास हजार मत्स्य अंगुलिकाओं (मछलियों के बच्चों) का नदी में प्रवाह किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरि ने मत्स्य अंगुलिकाओं को गोमती नदी में प्रवाहित किया। उन्होंने कहा कि नदियों के जलीय पर्यावरण को संतुलित बनाए रखने तथा मत्स्य संपदा के संरक्षण के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम महत्वपूर्ण हैं। मत्स्य अंगुलिकाओं के नदी में प्रवाह से मत्स्य संसाधनों के संवर्धन के साथ-साथ जलीय पारिस्थितिकी तंत्र को भी मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी पूजा साहू ने केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए पात्र लाभार्थियों से योजनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया।गोष्ठी में मत्स्य विभाग के अधिकारियों ने मत्स्य पालकों को प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना, निषादराज बोट सब्सिडी योजना एवं मत्स्य पालक कल्याण कोष योजना सहित अन्य योजनाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही मत्स्य पालन को बढ़ावा देने, मत्स्य संसाधनों के संरक्षण तथा विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में मुख्य कार्यकारी अधिकारी मत्स्य अनिल कुमार, नायब तहसीलदार जगदीशपुर ज्योति पाण्डेय, मत्स्य निरीक्षक अनिरुद्ध कुमार, सेवानिवृत्त तालाब उत्पादन विशेषज्ञ एस.बी. सिंह, सेवानिवृत्त मत्स्य प्रसार सहायक रामराज सहित जनपद के बड़ी संख्या में मत्स्य पालक उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की धान खरीद 2026-27 की तैयारियों की बैठक हुई सम्पन्न

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत।जिलाधिकारी आलोक कुमार की अध्यक्षता में धान खरीद 2026-27 की तैयारियों की कल देरशाम बैठक गांधी सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में धान खरीद 2026-27 की तैयारियों के सम्बन्ध में जिला खाद्य विपणन अधिकारी ने अवगत कराया कि वर्तमान वर्ष धान का मूल्य-कामन-रू0 2441/कु0, ग्रेड ए- रू0 2461/कु0 है। गतवर्ष धान का मूल्य-कामन-रू0 2369/कु0, ग्रेड ए- रू0 2389/कु0 है। वर्तमान वर्ष में रू0 72/कु0 की वृद्धि की गयी है। अब तक जनपद में कुल 148 धान क्रय केन्द खोले गये है, जिसमे खाद्य विभाग-42, पी0सी0एफ0-29, यू0पी0एस0एस0-34, पी0सी0यू0-35, मण्डी समिति-06, भारतीय खाद्य निगम-02 के है।

किसानों का पंजीकरण 01 अक्टूबर 2026 से प्रारम्भ हो गया है। पंजीकरण के प्रचार प्रसार हेतु मण्डी सचिवो को पत्र प्रेषित किया जा चुका है। राइस मिलो का डेटा ई उर्पाजन पोर्टल पर फीड किया जा रहा है। अब तक कुल 148 धान क्रय केन्द्रो को जिलाधिकारी द्वारा अनुमोदित किया जा चुका है। कांटा बाट के सत्यापन हेतु ज्येष्ठ बाट माप निरीक्षक को पत्र प्रेषित किया जा चुका है। हैण्डलिंग ठेकेदारो की नियुक्ति सं0खा0नि0 द्वारा की जा चुकी है। जनपद में 1570 गांठ बोरा उपलब्ध है। गतवर्ष के आधार पर 31 अक्टूबर 2026 तक लगभग 12000.00 मी0टन रिक्त स्थान की आवश्यकता होगी, जिसके सापेक्ष 39050 मी0टन रिक्त स्थान उपलब्ध है। ई-पाप मशीन जिला खाद्य विपणन कार्यालय को प्राप्त हो गयी है, जिसको 02 दिवस में समस्त केन्द्र प्रभारी/जिला प्रबंधको को प्रेषित कर दिया जायेगा। धान खरीद लक्ष्य गतवर्ष 253000.00 मी0टन था।

जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिये गये कि समस्त क्रय केन्द्र ऐसे स्थान पर लगाये जायें जहां ट्रैक्टर-ट्राली के आवागमन का स्थान व सडक हो। जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया कि संबंधित मण्डी सचिव द्वारा समस्त क्रय केन्द्रो को पावर डस्टर उपलब्ध कराया जायेगा एवं ग्रामीण क्षेत्रो को भी पावर डस्टर उपलब्ध कराया जाये। कांटो की उपलब्धता सुनिश्चित करायें तथा समस्त उपकरणों की उपलब्धता के सन्दर्भ में उक्त की डिमाण्ड/खरीद हेतु पत्रावली प्रस्तुत करें तथा नमी मापक यंत्र का कैलिब्रन करायें।

मण्डी गेट पर होर्डिंग लगायी। जिसमें निर्धारित सूचनाओ के साथ टोल फ्री नम्बर की जानकारी होगी। मण्डी समिति में नीलामी की प्रक्रिया नियमानुसार अपनायी जाये।भारतीय खाद्य निगम के कर्मचारियो द्वारा पीसीएसएपी एप के बारे में अवगत कराया कि उक्त एप की शुरुआत वर्ष 2023 से हुयी है। जिसमें लागिन करने पर 16 प्रश्नो का उत्तर दिया जाता है। पिछले वर्ष के फोटो का प्रयोग न करें। वर्तमान वर्ष पीसीएसएपी का सत्यापन ए0आई0 साफ्टवेयर द्वारा किया जायेगा।समस्त क्रय केन्द्र प्रभारी प्रातः 09 बजे केन्द्र पर अपनी उपस्थिति दर्ज करायेंगे। मण्डी समिति के तीनो सचिवों को निर्देश दिया कि समय से किसानों के पंजीयन व क्रय योजना का प्रचार-प्रसार समाचार पत्रों/रेडियो/टेलीविजन/इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से एवं उपयुक्त स्थानों, मण्डी यार्डों आदि में फ्लैक्सी बैनर आदि का प्रदर्शन करायें। मण्डी के गेट के अतिरिक्त कलेक्ट्रेट, तहसील व सार्वजनिक स्थलों पर बड़े फ्लैक्सी बैनर लगाया जाये जिससे कि धान क्रय का व्यापक प्रचार प्रसार हो सके।बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0)/जिला खरीद अधिकारी, जिला खाद्य विपणन अधिकारी, सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक, (सहकारिता), मण्डी सचिव, कृ0उ0म0समिति, मण्डी सचिव, कृ0उ0म0समिति पूरनपुर, मण्डी सचिव, कृ0उ0म0समिति, क्षेत्रीय विपणन अधिकारी, ज्येष्ट बाट माप निरीक्षक, जिला प्रबन्धक, पी0सी0एफ0, जिला प्रबन्धक, पी0सी0यू0, उमेश सिंह राणा, मैनेजर, भा0खा0नि0, क्षेत्रीय विपणन अधिकारी, समस्त विपणन निरीक्षक, केशव यादव, टी0ए0, भा0खा0नि0, सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सरकारी रास्ते की पैमाइश के लिए एसडीएम से मिले भाकियू, टीम गठित

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। ग्राम शेरपुर मकरंदपुर में सरकारी रास्ते पर कथित अवैध कब्जे की शिकायत को लेकर भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट के पदाधिकारियों ने गुरुवार दोपहर एसडीएम से मुलाकात की। पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ है। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम ने नायब तहसीलदार को टीम गठित कर मौके पर पैमाइश कराने के निर्देश दिए। गुरुवार को ही राजस्व टीम को मौके पर भेजा गया। शिकायतकर्ता सतनाम सिंह ने बताया कि गांव में माताजी के मंदिर के पास करीब 11 फीट चौड़ा सरकारी रास्ता है, जो जसविंदर सिंह व मंगल सिंह के खेत से शुरू होकर ग्रामीणों के घरों से होते हुए सुरमुख सिंह के घर तक जाता है। आरोप है कि रास्ते पर कब्जे के कारण इसकी चौड़ाई घटकर करीब तीन से चार फीट रह गई है। इससे ट्रैक्टर-ट्राली और कृषि यंत्रों के आवागमन में परेशानी हो रही है।प्रदेश उपाध्यक्ष नागेंद्र सिंह के अनुसार, रास्ते की समस्या को लेकर पूर्व में कई बार अधिकारियों को शिकायत दी गई, लेकिन समाधान नहीं हुआ। उन्होंने सरकारी अभिलेखों के आधार पर रास्ते की पैमाइश कराकर कब्जा हटाने तथा मनरेगा से मिट्टी कार्य कराने की मांग की है। टीम की पैमाइश के बाद स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद है।

मंडी में खुले में पड़ा धान बारिश से भीगा, किसान जेसीबी से सुखाने में जुटे

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। मंडी समिति में खुले में पड़ा किसानों का धान बुधवार रात हुई बारिश के चलते भीग गया। गुरुवार दोपहर किसान भीगे हुए धान को सुखाने के प्रयास में जुटे रहे। किसानों ने जेसीबी मशीन की मदद से धान को फैलाकर सुखाने का प्रयास किया। अन्नदाता किसान यूनियन के प्रदेश सचिव बलजिंदर सिंह ने बताया कि हर वर्ष धान की खरीद एक अक्टूबर से शुरू हो जाती है, लेकिन इस बार 15 अक्टूबर से खरीद शुरू होने की बात कही जा रही है। इसके चलते अभी तक क्रय केंद्र संचालित नहीं हुए हैं। उन्होंने बताया कि करीब 30 प्रतिशत किसान धान की कटाई के बाद उसे ओने-पौने दामों में बेच चुके हैं। वहीं कई किसानों का धान मंडी में खुले में पड़ा हुआ है।बुधवार रात हुई बारिश से खुले में रखा धान भीगने के बाद किसानों की चिंता बढ़ गई है। किसानों का कहना है कि यदि समय रहते धान की खरीद शुरू नहीं हुई तो उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। किसानों ने मंडी में पड़े धान की खरीद जल्द शुरू कराने और खुले में रखे धान को सुरक्षित रखने की व्यवस्था किए जाने की मांग की है।

जनपद आगमन पर भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश अध्यक्ष का हुआ भव्य स्वागत

सुलतानपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। नगर क्षेत्र के बलवंता मंदिर में भारतीय मजदूर संघ के कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने प्रदेश अध्यक्ष विशेश्वर राय का भव्य स्वागत किया कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि विशेश्वर राय ने कहा भारतीय मजदूर संघ देश का सबसे बड़ा श्रमिक संगठन हैं यह श्रामिकों के पीड़ा को संवेदनशीलता के साथ जानता हैं आगरा में 20 अक्टूबर को सम्पन्न हुए 175 वी कार्य समिति बैठक में संघ 22 नवंबर से लेकर 26 नवंबर तक सूबे की राजधानी में बड़ा आंदोलन किया जाना सुनिश्चित किया हैं सोनभद्र के चुरक सीमेंट में लगभग तीन सौ श्रमिकों निकाल दिया जो भुखमरी के कगार पर हैं फैक्ट्री बंद हो गई उनका सेटलमेंट नहीं हुआ भारतीय मजदूर संघ ने इसके लिए भरपूर प्रयास किया सरकार में बैठे लोगों ने अभी तक अनसुना कर रखा हैं । दैनिक वेतन भोगी एवं सफाई कर्मचारियों के संगठन का निर्माण कार्य बी0 एम0 एस0 का बैकों में खाता खोलने कार्य आगामी प्रदेश अधिवेशन में संख्या बल में सहभागिता संगठन विस्तार एंव सदस्यता पर जोर एवं धन संग्रह का कार्य। इस अवसर पर मुख्य रूप से दिनेश शुक्ला विभाग प्रमुख, दीपक मिश्रा जिलाध्यक्ष, शशांक मोहन शुक्ला जिलामंत्री, प्रेमचन्द श्रीवास्तव, नरेन्द्र मिश्रा, रंजना शर्मा, संगीता पांडेय, डा0 संतोष श्रीवास्तव, अखिलेश सिंह, हरिविन्द्र सिंह समेत दर्जनों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

टीबी उन्मूलन अभियान से जुड़ेंगे युवा, निक्षय मित्र बनने की अपील

सुल्तानपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। टीबी उन्मूलन अभियान को जन-जन तक पहुंचाने और युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गुरुवार को कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी सभागार में बैठक आयोजित की गई। मुख्य विकास अधिकारी विनय कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में अधिकारियों के साथ मेरा युवा भारत (ख्ब्ड्ड उद्धथन्थ्र) के स्वयंसेवकों ने टीबी के खिलाफ जागरूकता अभियान को प्रभावी बनाने पर मंथन किया। बैठक में सीएमओ डॉ. भारत भूषण, बीएसए उपेंद्र गुप्ता, जिला युवा अधिकारी सुधीर पांडेय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। माय भारत के मीडिया प्रभारी किशन पाठक समेत बड़ी संख्या में युवा स्वयंसेवकों ने भी सहभागिता की। नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम से आयोजित लाइव कार्यक्रम में अधिकारियों और स्वयंसेवकों ने ऑनलाइन प्रतिभाग किया। इस दौरान टीबी उन्मूलन अभियान, जनभागीदारी और निक्षय मित्र योजना की जानकारी दी गई। लोगों से अधिक से अधिक संख्या में निक्षय मित्र बनकर टीबी मरीजों को पोषण एवं सामाजिक सहयोग उपलब्ध कराने की अपील की गई।

गांव-गांव पहुंचाएंगे जागरूकता का संदेश

माय भारत स्वयंसेवकों को अपने क्षेत्रों में युवाओं और आमजन को टीबी के लक्षण, जांच, उपचार और बचाव के प्रति जागरूक करने की जिम्मेदारी दी गई। अधिकारियों ने कहा कि टीबी उन्मूलन केवल सरकारी विभागों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग की सहभागिता से ही यह अभियान सफल होगा।

सीडीओ ने दिलाई नशा मुक्त भारत की शपथ

बैठक के दौरान सीडीओ विनय कुमार सिंह ने अधिकारियों, कर्मचारियों और उपस्थित लोगों को नशा मुक्त भारत के निर्माण की शपथ दिलाई। उन्होंने युवाओं से नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने और दूसरों को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। अंत में ब्लटीबी हारेगा, देश जीतेगाङ्क के संदेश के साथ लोगों से अभियान में सक्रिय भागीदारी करने तथा जरूरतमंद टीबी मरीजों के सहयोग के लिए निक्षय मित्र बनने की अपील की गई।

मार्च 2027 में सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षकों की सूची जारी करने की मांग

सुल्तानपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। बेसिक शिक्षा परिषद एवं सहायता प्राप्त विद्यालयों में कार्यरत उन शिक्षकों की सूची शीघ्र जारी करने की मांग उठी है, जो मार्च 2027 में अपनी अधिवर्षता आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त होने वाले हैं। शिक्षक नेता रणवीर सिंह ने इस संबंध में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी उपेन्द्र गुप्ता से सूची तत्काल जारी किए जाने की मांग की है।

शिक्षक नेता रणवीर सिंह ने कहा कि शासन के निर्देशों के अनुसार सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षकों की सूची निर्धारित समय से लगभग छह माह पूर्व जारी किया जाना आवश्यक है। इससे संबंधित शिक्षकों को विद्यालय का संपूर्ण चार्ज व्यवस्थित रूप से हस्तांतरित करने, अपनी सेवा संबंधी पत्रावलियों को समय से पूर्ण कराने तथा सेवानिवृत्ति से जुड़े देयकों एवं पावनों की पत्रावली तैयार कराकर संबंधित अधिकारियों को समय से प्रेषित कराने में सुविधा मिलती है।

डीएम ने जिला कृषि अधिकारी समेत चार लोगों को थमाई कारण बताओ नोटिस

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी । किसानों को समय पर एवं सुगमतापूर्वक उर्वरक उपलब्ध कराने को लेकर जिलाधिकारी शशांक चौधरी ने गुरुवार को गौरीगंज स्थित इफको किसान सेवा केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान केंद्र पर उर्वरक वितरण व्यवस्था में गंभीर खामियां एवं अव्यवस्था पाये जाने पर जिलाधिकारी ने कड़ा रुख अपनाते हुए संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय करने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने केंद्र पर उपलब्ध यूरिया एवं डीएपी उर्वरक स्टॉक का पंजिका से मिलान कर सत्यापन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में किसान खाद प्राप्त करने के लिये केंद्र पर मौजूद मिले जबकि केंद्र पर मात्र एक पीओएस मशीन के माध्यम से उर्वरक वितरण किया जा रहा था। इससे किसानों को लंबी कतारों में खड़ा रहना पड़ रहा था तथा वितरण कार्य अत्यंत धीमी गति से संचालित पाया गया। व्यवस्था पर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी ने उप कृषि निदेशक सत्येंद्र कुमार, जिला कृषि अधिकारी देवेंद्र सिंह निरंजन, केंद्र प्रभारी विनय कुमार श्रीवास्तव एवं क्षेत्र प्रबंधक इफको अरविंद सिंह को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि किसानों की आवश्यकता के अनुरूप समय रहते उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित न करना तथा वितरण व्यवस्था को व्यवस्थित न रखना गंभीर लापरवाही की श्रेणी में आता है, जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जायेगा।जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि अगले दो दिनों के भीतर किसानों की मांग के अनुरूप पर्याप्त उर्वरक स्टॉक की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि खाद की कमी अथवा वितरण में किसी प्रकार की बाधा पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों एवं जिम्मेदार व्यक्तियों की जवाबदेही तय करते हुए कठोर कार्रवाई की जायेगी। किसानों की भीड़ को देखते हुए जिलाधिकारी ने तत्काल प्रभाव से केंद्र पर तीन पीओएस मशीनों के माध्यम से उर्वरक वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिये ताकि किसानों को अनावश्यक प्रतीक्षा न करनी पड़े।जिलाधिकारी ने कृषि विभाग के अधिकारियों को जनपद के सभी उर्वरक केंद्रों की नियमित निगरानी करने, खाद समाप्त होने से पूर्व अग्रिम स्टॉक की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा उर्वरक आवंटन के लिए समयबद्ध रूप से समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि उर्वरक वितरण व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनियमितता अथवा किसानों के हितों की उपेक्षा पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कठोर प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने केंद्र पर स्थापित सीसीटीवी कैमरों की भी जांच की तथा वितरण प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता बनाए रखने का निर्देश दिया।

हाईकोर्ट नैनीताल के चीफ जस्टिस हुए सेवानिवृत्ति अधिवक्ताओं ने दी नम आँखों से विदाई

कैनविज टाइम्स संवाददाता



नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस मनोज कुमार गुप्ता बुधवार को सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर हाईकोर्ट में फुल कोर्ट फ़ेयरवेल रेफरेंस का आयोजन कर उन्हें भावभीनी विदाई दी गई।मुख्य न्यायाधीश के कोर्ट कक्ष में आयोजित विदाई समारोह में हाईकोर्ट के सभी न्यायाधीश, रजिस्ट्रार जनरल, बार काउंसिल और बार एसोसिएशन के पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे। सभी ने उनके कार्यकाल और न्यायिक योगदान को याद किया।जस्टिस मनोज कुमार गुप्ता का जन्म 9 अक्टूबर 1964 को हुआ था। उन्होंने 1987 में लखनऊ विश्वविद्यालय से एलएलबी की डिग्री प्राप्त की और 12 अप्रैल 2013 को इलाहाबाद हाईकोर्ट में न्यायाधीश नियुक्त हुए। 10 जनवरी 2026 को उन्होंने उत्तराखंड हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली थी।इससे पहले वह प्रयागराज हाईकोर्ट में प्रशासनिक समिति के सदस्य और उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में भी कार्य कर चुके हैं।भारत सरकार के विधि एवं न्याय मंत्रालय ने उनकी सेवानिवृत्ति के बाद जस्टिस मनोज कुमार तिवारी को 9 अक्टूबर 2026 से कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया है।

एनएचएम संविदा कर्मियों ने सीएमओ कार्यालय पर दिया धरना मचा हड़कंप

कैनविज टाइम्स संवाददाता



पीलीभीत। उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ के प्रादेशिक आह्वान पर चल रहे चरणबद्ध आंदोलन के तृतीय चरण के तहत बुधवार को जनपद पीलीभीत के एनएचएम संविदा कर्मियों ने पूर्ण कार्य बहिष्कार कर मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया। धरने में कुल 332 कर्मचारी मौजूद रहे। धरने के कारण जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, नगरीय स्वास्थ्य केंद्र, जिला संयुक्त चिकित्सालय एवं टीबी अस्पताल में आकस्मिक सेवाओं को छोड़कर टीकाकरण, ओपीडी, पैथोलॉजी जांच, एनसीडी, आरबीएसके, मातृ-शिशु स्वास्थ्य सहित सभी राष्ट्रीय कार्यक्रमों से जुड़ी सेवाएं पूरी तरह बाधित रहीं।संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रथम व द्वितीय चरण में कर्मियों ने काला फीता बांधकर मौन विरोध जताया था, लेकिन शासन स्तर से कोई सकारात्मक आश्वासन न मिलने पर आर-पार की लड़ाई शुरू की गई है। 8, 9, 10 अक्टूबर तक पूर्ण कार्य बहिष्कार जारी रहेगा और इसके बाद 12 अक्टूबर से लखनऊ में अनिश्चितकालीन 'घेरा डालो-डेरा डालो' आंदोलन किया जाएगा।संघ के जिलाध्यक्ष देवेन्द्र अस्थाना ने कहा कि हम लोग विगत 15-18 वर्षों से अल्प मानदेय पर स्वास्थ्य विभाग की रीढ़ बनकर सेवा दे रहे हैं। कोरोना जैसी महामारी में भी जान की बाजी लगाकर काम किया। सरकार नियमितीकरण और समान कार्य-समान वेतन की मांग पर चुप्पी साधे है।जिला मंत्री धर्मेन्द्र कुमार ने कहा कि पीलीभीत के साथ पूरे बरेली मंडल में आंदोलन पूरी ताकत से चल रहा है।

एनएचएम कर्मियों ने तीन दिवसीय हड़ताल का किया ऐलान

कैनविज टाइम्स संवाददाता



सुल्तानपुर। राजकीय मेडिकल कॉलेज एवं जिला चिकित्सालय सुल्तानपुर में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत कार्यरत आयुष चिकित्सकों समेत विभिन्न संवर्गों के कर्मचारियों ने प्रदेश कार्यकारिणी के दिशा-निर्देश पर कार्य बहिष्कार करते हुए तीन दिवसीय हड़ताल की घोषणा की है। कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर सरकार से शीघ्र निर्णय लेने की मांग की है। एनएचएम कर्मियों की प्रमुख मांगों में 10 वर्ष या उससे अधिक समय से सेवा दे रहे सभी एनएचएम अधिकारियों एवं कर्मचारियों को लॉयल्टी बोनस देकर नियमित किए जाने, समान कार्य के लिए समान वेतन लागू करने तथा कर्मचारी और उसके परिवार को कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की मांग शामिल है।

कर्मचारियों ने मौजूदा महंगाई को देखते हुए महंगाई भत्ता (डीए) देने, ईपीएफ, एचआरए और ग्रेच्युटी की सुविधा लागू करने तथा सेवा के दौरान मृत्यु होने पर अनुकंपा नियुक्ति दिए जाने की भी मांग उठाई है।

इसके साथ ही नियमित पदों पर होने वाली भर्तियों में एनएचएम कर्मियों के लिए कोटा निर्धारित करने की मांग भी प्रमुखता से रखी गई है। कर्मचारियों का कहना है कि वे लंबे समय से स्वास्थ्य सेवाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, बावजूद इसके उन्हें नियमित कर्मचारियों के समान सुविधाएं और अधिकार नहीं मिल रहे हैं।

एनएचएम कर्मियों ने सरकार से सभी मांगों पर सकारात्मक एवं शीघ्र निर्णय लेने की अपील की है। कर्मचारियों का कहना है कि मांगों के समाधान तक आंदोलन को प्रदेश कार्यकारिणी के निर्देशानुसार आगे बढ़ाया जाएगा।

सम्पादकीय

बड़ी दिमागी खोज

मानवता के कल्याण के प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिए, जिस प्रतिष्ठित नोबेल पुरस्कार की स्थापना की गई थी, इस बार चिकित्सा विज्ञान में खोज के लिये दिया जा रहा पुरस्कार उस कसौटी पर खरा उतरता है। मेडिसिन के लिये वर्ष 2026 का नोबेल पुरस्कार अमेरिका और जर्मनी के तीन वैज्ञानिकों को देने की घोषणा की गई है। कार्ल डेसरॉथ, पीटर हेगेमान और जॉर्ज नेगल को यह सम्मान दिमाग की कोशिकाओं को रोशनी से नियंत्रित करने वाली खोज के लिये मिला है। इस खोज ने दिमाग के अध्ययन करने का एक नया तरीका वैज्ञानिकों को उपलब्ध कराया है। उनकी खोज व अनुसंधान से 'ऑप्टोजेनेटिक्स' तकनीक विकसित करने में मदद मिली है, जो मनुष्य की तंत्रिका कोशिकाओं को नियंत्रित करने के लिये रोशनी का प्रयोग करती है। दरअसल, इस तकनीक का विचार इसके जटिल नाम से ज्यादा आसान है। उल्लेखनीय है कि मनुष्य के मस्तिष्क में अरबों नर्व सेल्स यानी न्यूरॉन्स होते हैं, जो इलेक्ट्रिकल और केमिकल सिग्नल्स के जरिये आपस में संवाद स्थापित करते हैं। विज्ञानी लगातार खोज करते रहे हैं कि मस्तिष्क की सक्रियता, याददाश्त, भावनाओं और व्यवहार को नियंत्रित करने में न्यूरॉन्स समूहों की कैसी भूमिका होती है। निस्संदेह, यह वैज्ञानिकों के लिये एक बड़ी चुनौती थी क्योंकि आधुनिक तकनीकों से दिमाग की गतिविधि पर तो नजर रखी जा सकती थी, लेकिन विभिन्न कोशिकाओं को ठीक से नियंत्रित करना कठिन था। इस खोज की शुरुआत पीटर हेगेमान द्वारा हरे शैवाल के रोशनी की ओर तैरने के रहस्य को सुलझाने से हुई। हेगेमान और नेगल ने एक ऐसा प्रोटीन खोजा जो नीली रोशनी पड़ने पर आयन चौनल खोलकर इलेक्ट्रिकल हलचल पैदा करता है। वैज्ञानिकों ने इस बात का अध्ययन किया किया कि यह प्रोटीन रोशनी पर कैसी प्रतिक्रिया करता है। अंततः इस खोज का प्रयोग न्यूरॉन्स को रोशनी के प्रति संवेदनशील बनाने के लिये किया गया। इसके बाद ही शोधकर्ता चुनिंदा तंत्रिका कोशिकाओं को सक्रिय या निष्क्रिय करके देख सके कि इसका कैसा प्रभाव होता है। माना जा रहा है कि दिमाग की कोशिकाओं का नियमन करने वाले स्विच बटन की खोज चिकित्सा विज्ञान में बड़े बदलाव का वाहक बन सकती है। अब तक वैज्ञानिकों को ज्ञात था कि किसी क्रिया या भावना की अभिव्यक्ति में दिमाग का कौन-सा हिस्सा सक्रिय था। लेकिन नई खोज के जरिये वैज्ञानिक पता लगा सकते हैं कि किन खास कोशिकाओं को सक्रिय या शांत करने से यह वास्तविक प्रतिक्रिया सामने आती है। निश्चित रूप से अब विशिष्ट तंत्रिका कोशिकाओं के व्यवहार की व्यापक जानकारी जुटायी जा सकेगी। कह सकते हैं कि दिमाग के व्यवहार को समझने के लिये अब नये रास्ते खुल गये हैं। बहरहाल, यह खोज इस बात का शानदार उदाहरण है कि बुनियादी वैज्ञानिक शोध से कैसे अप्रत्याशित और बड़ी कामयाबी मिल सकती है। शुरुआत में एक छोटे से शैवाल में मौजूद रोशनी के प्रति संवेदनशील प्रोटीन का अध्ययन इस बात के लिये किया गया था कि वह जीव रोशनी पर कैसी प्रतिक्रिया करता है। लेकिन अंततरू यह खोज प्रकृति के सबसे बड़े रहस्यों में से एक, यानी इंसानी दिमाग की प्रामाणिक जांच के लिये एक मजबूत व विश्वसनीय साधन बन गयी। भरोसा है कि यह खोज मानव कल्याण के नये मार्ग खोलेगी। वैज्ञानिक दावा कर रहे हैं कि इस खोज के सामने आने के बाद आंखों की रेटिना कोशिकाओं को प्रकाश के प्रति संवेदनशील बनाकर, उन लोगों के जीवन में रोशनी लायी जा सकेगी, जो किसी रोग के कारण दृष्टिहीन हो गए थे। वहीं दुनिया में तेजी से बढ़ रहे दिमागी रोग पार्किंसंस के रोग में, खास दिमागी कोशिकाओं को नियंत्रित करके ऐसे रोगी के शरीर में कंपन व अन्य लक्षणों को नियंत्रित किया जा सकेगा। दूसरी तरफ आधुनिक जीवन शैली से उपजे अवसाद व तनाव के नियंत्रण में भी यह खोज सहायक बन सकती है।

मस्तिष्क के रहस्यों की नई खोज से मानवता के उजाले

विज्ञान की प्रत्येक महत्वपूर्ण खोज ने मनुष्य के सामने एक नया क्षितिज खोला है। लेकिन इन सभी खोजों के बीच मानव मस्तिष्क आज भी सबसे बड़ी पहेली बना हुआ है। जिस मस्तिष्क ने विशाल पर्वतों को लांघने, समुद्रों की गहराइयों को नापने, अंतरिक्ष तक पहुंचने और कृत्रिम बुद्धिमत्ता विकसित करने की क्षमता अर्जित की, उसी मस्तिष्क के भीतर विचार कैसे जन्म लेते हैं, स्मृतियां कैसे आकार पाती हैं, भावनाएं हमारे व्यवहार को किस प्रकार संचालित करती हैं और मानसिक पीड़ा मनुष्य के जीवन को किस तरह बदल देती है, ये प्रश्न लंबे समय से वैज्ञानिकों को चुनौती देते रहे हैं। ऐसे में मस्तिष्क की तंत्रिका कोशिकाओं को प्रकाश के माध्यम से नियंत्रित करने से संबंधित अनुसंधान का महत्व केवल वैज्ञानिक उपलब्धि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानव जीवन को समझने और उसके दुखों को कम करने की दिशा में एक नई आशा का संचार करता है। वर्ष 2026 के चिकित्सा के नोबेल पुरस्कार के संबंध में प्रस्तुत विवरण में कार्ल डेइसेरोथ, पीटर हेगेमान और जॉर्ज नागेल की जिस खोज का उल्लेख है, वह विज्ञान की इसी खोजी प्रवृत्ति का उदाहरण है। इस अनुसंधान से विकसित प्रकाशानुवंशिकी तकनीक ने मस्तिष्क की गतिविधियों का अध्ययन करने के लिए एक ऐसा मार्ग उपलब्ध कराया है, जिसके माध्यम से वैज्ञानिक विशेष तंत्रिका कोशिकाओं को प्रकाश की सहायता से सक्रिय या निष्क्रिय कर सकते हैं। इस उपलब्धि की विशेषता यह है कि इसकी शुरुआत किसी विशाल प्रयोगशाला में मनुष्य के मस्तिष्क पर किए गए प्रयोग से नहीं, बल्कि एक छोटे से शैवाल में प्रकाश के प्रति संवेदनशील प्रोटीन को समझने के प्रयास से हुई।

मानव सभ्यता की यात्रा अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने की यात्रा है। कभी मनुष्य ने प्रकृति के रहस्यों को समझने के लिए आकाश की ओर देखा, कभी धरती की गहराइयों में उतरकर जीवन के सूत्र खोजे और कभी अपने शरीर के भीतर छिपी अद्भुत शक्तियों को जानने का प्रयास किया। विज्ञान की प्रत्येक महत्वपूर्ण खोज ने मनुष्य के सामने एक नया क्षितिज खोला है। लेकिन इन सभी खोजों के बीच मानव मस्तिष्क आज भी सबसे बड़ी पहेली बना हुआ है। जिस मस्तिष्क ने विशाल पर्वतों को लांघने, समुद्रों की गहराइयों को नापने, अंतरिक्ष तक पहुंचने और कृत्रिम बुद्धिमत्ता विकसित करने की क्षमता अर्जित की, उसी मस्तिष्क के भीतर विचार कैसे जन्म लेते हैं, स्मृतियां कैसे आकार पाती हैं, भावनाएं हमारे व्यवहार को किस प्रकार संचालित करती हैं और मानसिक पीड़ा मनुष्य के जीवन को किस तरह बदल देती है, ये प्रश्न लंबे समय से वैज्ञानिकों को चुनौती देते रहे हैं। ऐसे में मस्तिष्क की तंत्रिका कोशिकाओं को प्रकाश के माध्यम से नियंत्रित करने से संबंधित अनुसंधान का महत्व केवल वैज्ञानिक उपलब्धि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानव जीवन को समझने और उसके दुखों को कम करने की दिशा में एक नई आशा का संचार करता है। वर्ष 2026 के चिकित्सा के नोबेल पुरस्कार के संबंध में प्रस्तुत विवरण में कार्ल डेइसेरोथ, पीटर हेगेमान और जॉर्ज नागेल की जिस खोज का उल्लेख है, वह विज्ञान की इसी खोजी प्रवृत्ति का उदाहरण है। इस अनुसंधान से विकसित प्रकाशानुवंशिकी तकनीक ने मस्तिष्क की गतिविधियों का अध्ययन करने के लिए एक ऐसा मार्ग उपलब्ध कराया है, जिसके माध्यम से वैज्ञानिक विशेष तंत्रिका कोशिकाओं को प्रकाश की सहायता से सक्रिय या निष्क्रिय कर सकते हैं। इस उपलब्धि की विशेषता यह है कि इसकी शुरुआत किसी विशाल प्रयोगशाला में मनुष्य के मस्तिष्क पर किए गए प्रयोग से नहीं, बल्कि एक छोटे से शैवाल में प्रकाश के प्रति संवेदनशील प्रोटीन को समझने के प्रयास से हुई। प्रकृति के एक सूक्ष्म जीव में छिपे रहस्य ने मानव मस्तिष्क के अध्ययन के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोल दिए। यह घटना हमें बताती है कि प्रकृति में छोटा-बड़ा कुछ भी महत्वहीन नहीं होता। कभी-कभी जीवन की सबसे बड़ी समस्याओं का समाधान प्रकृति के सबसे छोटे घटकों में छिपा होता है। इस खोज की मूल भावना को समझना आवश्यक है। हमारे मस्तिष्क में असंख्य तंत्रिका कोशिकाएं विद्युत और रासायनिक संकेतों के माध्यम से परस्पर संवाद करती हैं। यही संवाद हमारी स्मृति, संवेदना, भय, प्रसन्नता, निर्णय और व्यवहार को प्रभावित करता है। पहले वैज्ञानिक मस्तिष्क के उन हिस्सों का अध्ययन कर सकते थे जो किसी विशेष गतिविधि के समय सक्रिय होते हैं, लेकिन केवल सक्रियता देख लेने से यह निश्चित करना कठिन था कि कोई विशेष कोशिका उस गतिविधि का कारण भी है या नहीं। प्रकाश के माध्यम से चुनिंदा कोशिकाओं को नियंत्रित करने की तकनीक ने इस अंतर को समझने का अवसर दिया। अब वैज्ञानिक अधिक सूक्ष्मता से जांच सकते हैं कि किसी विशेष तंत्रिका समूह को सक्रिय करने अथवा उसकी गतिविधि रोकने से व्यवहार और शारीरिक प्रतिक्रिया में क्या परिवर्तन आता है। इस प्रकार मस्तिष्क का अध्ययन केवल देखने की प्रक्रिया से आगे बढ़कर कारण और परिणाम के संबंधों को समझने की दिशा में बढ़ा है। फिर भी वैज्ञानिक आशा और वास्तविक चिकित्सा उपलब्धि के बीच का अंतर समझना उतना ही आवश्यक है। विशेषकर मनुष्य के मस्तिष्क में इस तकनीक के सुरक्षित उपयोग के लिए अनेक वैज्ञानिक, चिकित्सकीय और नैतिक चुनौतियों का समाधान आवश्यक है। इसी प्रकार कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मस्तिष्क के संबंधों में इस अनुसंधान की उपयोगिता की संभावनाएं हो सकती हैं, लेकिन प्रत्येक संभावित लाभ को स्थापित उपलब्धि मान लेना विज्ञान की गंभीरता के अनुकूल नहीं है। वास्तविक वैज्ञानिक दृष्टि वही है जो आशा को जीवित रखे, लेकिन तथ्यों के प्रति ईमानदार भी बनी रहे। यहां इस खोज की तुलना विज्ञान की उन अन्य उपलब्धियों से भी की जा सकती है, जिन्होंने मानव जीवन की दिशा बदल दी। टीकों ने संक्रामक रोगों से बचाव के नए रास्ते खोले, प्रतिजैविक औषधियों ने अनेक प्राणघातक संक्रमणों के उपचार को संभव बनाया और आधुनिक शल्य चिकित्सा ने असंख्य जीवन बचाए। इन उपलब्धियों की विशेषता केवल उनकी वैज्ञानिक नवीनता नहीं थी, बल्कि उनका व्यापक सामाजिक प्रभाव भी था। दूसरी ओर, विज्ञान की कुछ खोजों को प्रयोगशाला से सामान्य जीवन तक पहुंचने में दशकों लगे। मस्तिष्क संबंधी अनुसंधान भी इसी लंबी यात्रा का हिस्सा है। इसका वास्तविक मूल्य तभी सामने आएगा, जब इससे प्राप्त ज्ञान सुरक्षित उपचारों, सुलभ चिकित्सा और रोगियों के जीवन में ठोस सुधार का आधार बनेगा। विज्ञान की महानता केवल किसी रहस्य को खोलने में नहीं, बल्कि उस ज्ञान को मानवता के हित में उपयोग करने में निहित है। इस संदर्भ में नोबेल पुरस्कार का महत्व भी नए सिरे से समझने की आवश्यकता है। यह सम्मान किसी वैज्ञानिक की व्यक्तिगत उपलब्धि का उत्सव भर नहीं होता, बल्कि उन वर्षों के परिश्रम, जिज्ञासा, असफलताओं और धैर्य की स्वीकृति भी होता है, जिनके बिना कोई महत्वपूर्ण खोज संभव नहीं होती। इस खोज का एक नैतिक और दार्शनिक पक्ष भी है। मनुष्य का मस्तिष्क केवल विचारों और प्रतिक्रियाओं का केंद्र नहीं, बल्कि उसकी पहचान, अनुभवों और आत्मबोध से भी गहराई से जुड़ा है। यदि वैज्ञानिक किसी विशेष कोशिका समूह को सक्रिय या निष्क्रिय करके व्यवहार में परिवर्तन ला सकते हैं, तो यह प्रश्न भी उठता है कि मस्तिष्क की गतिविधियों को नियंत्रित करने की हमारी क्षमता की सीमाएं क्या होनी चाहिए। रोगों के उपचार और मानवीय पीड़ा को कम करने के लिए ऐसी तकनीकों का विकास स्वागतयोग्य है, लेकिन इनके उपयोग में व्यक्ति की गरिमा, स्वतंत्रता, निजता और सहमति की रक्षा अनिवार्य है। किसी मनुष्य के विचारों और भावनाओं को समझने की वैज्ञानिक क्षमता का अर्थ यह नहीं हो सकता कि उसके मन पर नियंत्रण स्थापित करने का अधिकार भी प्राप्त हो गया। विज्ञान को जितनी शक्ति मिलती है, उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी भी उसके साथ जुड़ती है। भारत जैसे देश के लिए इन अनुसंधानों का संदेश विशेष महत्व रखता है। यहां बड़ी आबादी को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना, मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सामाजिक संकोच दूर करना और वैज्ञानिक अनुसंधान को सामान्य जनजीवन से जोड़ना बड़ी चुनौतियां हैं। मानसिक रोगों को कमजोरी या सामाजिक कलंक मानने के बजाय उन्हें संवेदनशीलता और चिकित्सकीय समझ के साथ देखने की आवश्यकता है। विज्ञान की नई खोजें तभी सार्थक होंगी, जब उनके लाभ केवल संपन्न वर्ग या विकसित देशों तक सीमित न रहें। अनुसंधान से विकसित होने वाले उपचार सुलभ, सुरक्षित और आर्थिक रूप से वहनीय भी होने चाहिए। ज्ञान का वास्तविक लोकतंत्रीकरण तभी होगा, जब समाज का कमजोर से कमजोर व्यक्ति भी उससे लाभ प्राप्त कर सके। अंततः मस्तिष्क के रहस्यों को समझने की यह यात्रा हमें केवल मनुष्य की जैविक संरचना के बारे में नई जानकारी नहीं देती, बल्कि हमारी सभ्यता के उद्देश्य पर भी विचार करने के लिए प्रेरित करती है। जिस बुद्धि के बल पर मनुष्य ने प्रकृति को समझा, उसी बुद्धि का सर्वोच्च उपयोग दूसरों की पीड़ा को समझने और कम करने में होना चाहिए। प्रकाश का वास्तविक अर्थ केवल अंधकार को हटाना नहीं, बल्कि जीवन को देखने की दृष्टि बदलना भी है। एक छोटे से शैवाल में छिपी वैज्ञानिक संभावना से लेकर मानव मस्तिष्क की जटिल गतिविधियों तक फैली यह यात्रा हमें विनम्रता, धैर्य और जिज्ञासा का संदेश देती है। यह याद दिलाती है कि प्रकृति के रहस्य असीम हैं और मनुष्य का ज्ञान अभी अधूरा है। इसलिए विज्ञान की हर नई उपलब्धि को अंतिम उत्तर नहीं, बल्कि बेहतर प्रश्न पूछने और अधिक मानवीय समाधान खोजने का अवसर मानना चाहिए। किसी भी खोज की सर्वोच्च सफलता तब होगी, जब वह प्रयोगशाला की सीमाओं से निकलकर पीड़ित मनुष्य के जीवन में राहत, निराश व्यक्ति के जीवन में आशा और समाज में अधिक संवेदनशीलता का संचार करे। यही विज्ञान की मानवीय कसौटी है और यही वह नई दृष्टि है, जिसकी आज पूरी दुनिया को आवश्यकता है। -ललित गर्ग

नाना पाटेकरः अभिनय जिनकी आत्मा से उपजता था

अंजनी सक्सेना

नाना पाटेकर भारतीय सिनेमा के उन गिने-चुने अभिनेताओं में से एक थे, जिन्होंने अभिनय को पेशा नहीं, आत्मा का हिस्सा माना। संवाद बोलने का अनूठा अंदाज, चेहरे के तीखे भाव, आंखों में ठहरा हुआ आक्रोश और जमीन से जुड़ा व्यक्तित्व उन्हें भीड़ से अलग खड़ा करता था। बॉलीवुड से लेकर मराठी सिनेमा तक, उन्होंने अपनी एक अमिट छाप छोड़ी, जो समय के साथ और गहरी होती गई। उनका जन्म 1 जनवरी 1951 को महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के मुरुड-जंजीरा में हुआ था। नाम रखा गया विश्वनाथ पाटेकर। बचपन बेहद संघर्षपूर्ण रहा। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर थी। कम उम्र में ही उन्हें काम करना पड़ा। मुंबई की सड़कों पर जेब्रा क्रॉसिंग पेंट करना, फिल्मों के पोस्टर बनाना, छोटे-मोटे साइन बोर्ड लिखना - इन कामों से वे अपनी पढ़ाई और घर का खर्च निकालते थे। उन्होंने मुंबई के सर जे.जे. इंस्टीट्यूट ऑफ एप्लाइड आर्ट से कमर्शियल आर्ट में डिप्लोमा किया। कला उनके हाथ में थी, लेकिन अभिनय उनके मन में बस चुका था। थियेटर के प्रति लगाव ने उन्हें मंच से जोड़ा और मंच ने उन्हें जीवन को करीब से देखने की दृष्टि दी। फिल्मी करियर की शुरुआत 1978 में फिल्म 'गमन' से हुई, लेकिन उन्हें सही पहचान 1989 में विधु विनोद चोपड़ा की फिल्म 'परिंदा' से मिली। अन्ना सेठ का किरदार। बंबई के अंडरवर्ल्ड का एक ऐसा चेहरा जो हंसते हुए भी डराता था। उस खौफनाक और यथार्थवादी अभिनय के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला। यह पुरस्कार सिर्फ एक ट्रॉफी नहीं था, इस बात की घोषणा थी कि हिंदी सिनेमा को एक ऐसा अभिनेता मिल गया है जो सुंदर दिखने की कोशिश नहीं करता, सच दिखने की कोशिश करता है। इसके बाद नाना पाटेकर ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। 1994 में 'क्रांतिवीर' आई। प्रताप तिलक। व्यवस्था से क्षुब्ध, अन्याय के खिलाफ खड़ा एक आम आदमी। आ गए मेरी मौत का तमाशा देखने जैसा संवाद जब वे बोलते थे तो लगता था जैसे सिनेमा हॉल नहीं, देश की संसद में कोई आम आदमी घुस आया हो और सवाल पूछ रहा हो। इस प्रदर्शन के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला। यह किरदार अपने समय की बेचैनी का प्रतीक बन गया। लोग उन्हें सिर्फ गुस्से का अभिनेता समझने लगे थे, तब उन्होंने 1996 में दो बिल्कुल अलग फिल्में कीं। 'अग्नि साक्षी' में एक शक्की और सिरफिरे पति की भूमिका, जिसने दर्शकों को हिला कर रख दिया और 'खामोशीः द म्यूजिकल' में एक गूंगे-बहरे पिता की भूमिका, जिसमें उन्होंने बिना एक शब्द बोले पिता के प्रेम, असहायता और ममता को आंखों से कह दिया। यहीं उन्होंने साबित किया कि वे केवल आक्रामक ही नहीं, बेहद संवेदनशील अभिनेता भी हैं। नाना की आवाज उनके अभिनय का सबसे बड़ा औजार थी। उसमें खुरदरापन था, ठहराव था और जरूरत पड़ने पर विस्फोट भी। वे संवादों को केवल बोलते नहीं थे, उनका वजन बदल देते थे। उनकी सबसे बड़ी खूबी थी कि उन्होंने कभी अपनी स्टार छवि को किरदार पर हावी नहीं होने दिया। 'अब तक छप्पन' और 'अपहरण' में उनके पुलिस अधिकारी के किरदारों में थकान थी, नैतिक द्वंद्व था, जो किसी हीरो में नहीं दिखता। और फिर 2007 में 'वेलकम' में उदय भाई बनकर आए। कंट्रोल उदय, कंट्रोल। गंभीरता के लिए पहचाने जाने वाले अभिनेता ने कॉमेडी में ऐसी टाइमिंग दिखाई कि वह किरदार आज भी मीम्स और रील्स में सबसे ज्यादा जिंदा है। नाना पाटेकर केवल परदे के हीरो नहीं थे। 2015 में जब महाराष्ट्र सूखे से जल रहा था, किसानों की आत्महत्याओं की खबरें रोज आ रही थीं, तब उन्होंने अभिनेता मकरंद अनासपुरे के साथ मिलकर 'नाम फाउंडेशन' की स्थापना की। उन्होंने अपनी कमाई का बड़ा हिस्सा इस संस्था को दिया। हजारों किसानों को आर्थिक सहायता, विधवाओं को मदद, नदियों को पुनर्जीवित करने और खेतों तक पानी पहुंचाने का काम इस संस्था ने किया। सादगी ऐसी कि वे आज भी एक छोटे से घर में रहते थे, खुद खेती करते थे। 8 अक्टूबर 2026 की सुबह, वह आवाज हमेशा के लिए खामोश हो गई। गोवा के डोना पाउला में अपने घर में हृदय गति रुकने से 75 वर्ष की उम्र में उनका निधन हो गया। चार दिन पहले ही वे एक सार्वजनिक कार्यक्रम में कह रहे थे, ह्लपता नहीं कल रहूंगा या नहीं। तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और पद्मश्री से सम्मानित नाना पाटेकर ने साबित किया कि बिना किसी चमक-दमक और बिना स्टार किड बने भी केवल प्रतिभा, मेहनत और सच्चाई के बल पर सिनेमा का बेताज बादशाह बना जा सकता है। उनकी विदाई हमें एक ऐसे कलाकार की कमी का एहसास कराती है, जिसने अभिनेता की चमक से अधिक किरदार की गरिमा को महत्व दिया।

सेहत मंत्र

मानसून में बढ़ सकता है जोड़ों का दर्द

मानसून एक ऐसा मौसम होता है, तो हड्डियों के लिए परेशानी खड़ी कर सकता है। इन दिनों में आपकी हड्डियों में अधिक दर्द होता है, जिससे कभी-कभी अपने दैनिक काम करना भी काफी मुश्किल हो जाता है। नमी के स्तर में बदलाव, वायुमंडलीय दबाव, तापमान में अचानक बदलाव और वर्षा के कारण मानसून शुरू होते ही बहुत से लोगों को जोड़ों में दर्द, मांसपेशियों में अकड़न और चोट के दर्द का अनुभव होता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि उच्च आर्द्रता का स्तर रक्त को गाढ़ा कर सकता है, रक्त वाहिकाओं में रक्तचाप बढ़ा सकता है, और रक्त पंप करने के लिए किसी के शरीर को अधिक मेहनत कर सकता है। मानसून के दौरान जोड़ों के दर्द को मैनेज करने का सबसे अच्छा उपाय व्यायाम है। नियमित रूप से स्ट्रेचिंग और शारीरिक गतिविधियां इस तरह के दर्द को रोक कर रखेंगी। इस मौसम में लंबे समय तक बैठे रहने से बचना चाहिए। यदि काम के लिए लंबे समय तक बैठने की आवश्यकता है, तो सुनिश्चित करें कि आप हर आधे घंटे में खड़े हों और चलें। गर्म पानी से नहाने से रक्त संचार बेहतर होता है और मानसून के दौरान जोड़ों का दर्द कम होता है। इसलिए, हॉट शॉवर लें। ऐसा करने से बारिश के मौसम में जोड़ों के दर्द और परेशानी से निपटने में मदद मिल सकती है। इसके अलावा, तेल लगाएं और रक्त परिसंचरण को बढ़ाने के लिए जोड़ों के क्षेत्र में धीरे से मालिश करें। अगर आप मानसून में भी एसी का अधिक प्रयोग करते हैं, तो यह आपके जोड़ों की समस्या को बढ़ा सकता है और आपको दर्द हो सकता है। इसलिए, मानसून में एसी का इस्तेमाल करने से बचें। बरसात के मौसम में जोड़ों के दर्द को प्रबंधित करने के लिए पानी की मात्रा का ध्यान रखना महत्वपूर्ण है। यदि आप पर्याप्त पानी पीते हैं तो यह आपको जोड़ों की लोच बनाए रखने में मदद करेगा। जिससे आपको अपेक्षाकृत कम दर्द होगा।

धर्म मंत्र

हनुमान जी की पूजन से शांत हो जाएगा शनिदेव का गुस्सा

शनिवार का दिन शनिदेव और हनुमान जी को प्रसन्न करने के लिए बहुत अच्छा दिन माना जाता है। इस दिन हनुमान जी की पूजा करने से दुख और भय से राहत मिलती हैं तो वहीं शनिदेव भी प्रसन्न होते हैं। हिंदू धर्म ग्रंथों में लिखा हैं, कि शनिदेव ने हनुमान जी के एक बार वचन दिया था और कहा था कि जो इंसान आपकी आराधना करेगा इसकी मैं हमेशा रक्षा करुंगा। इसी वजह से हनुमान जी के भक्तों पर शनिदेव की भी कृपा बनी रहती हैं। शनिदेव कभी भी हनुमानजी की पूजन करने वाले भक्तों का नुकसान नहीं करते हैं। तो फिर दोस्तों हर शनिवार को शनिदेव की पूजा के साथ श्री हनुमान जी की पूजा भी करें। अगर मंदिर नहीं जा पा रहे हैं तो घर में ही पूजन करें। सच्चे मन से आराधना करने पर श्री हनुमान जी जरुर प्रसन्न होते हैं और उनके भक्तों को हमेशा शुभ फल की प्राप्ति होती हैं। शनिवार के दिन सूर्योदय के समय स्नान करने के बाद श्री हनुमते नमः का मंत्र जाप करें। शनिवार को सुबह के समय तांबे के लोटे में जल और सिंदूर मिश्रित कर श्री हनुमान जी को अर्पित करें। लगातार दस शनिवार ऐसा करें और श्री हनुमान जी को गुड़ का भोग जरुर लगाएं। हर शनिवार को श्री हनुमान जी के चालीसा का पाठ जरुर करें। 10 शनिवार तक श्री हनुमान जी के मंदिर में या घर में श्री हनुमान जी के चित्र पर केले का प्रसाद चढ़ाएं। चमेली के तेल में सिंदूर मिलाकर श्री हनुमान जी को अर्पित करने से श्री हनुमान जी प्रसन्न होते हैं। यह उपाय शनिवार के साथ मंगलवार भी किए जा सकते हैं।

पर्यटन



ताजमहल के बाद पर्यटकों की खास पसंद खूबसूरत छत्रपति शिवाजी टर्मिनस

छत्रपति शिवाजी टर्मिनस रेलवे स्टेशन विश्व की धरोहरों में शामिल विलक्षण धरोहर है। यह भारतीय रेलवे के इतिहास के साथ-साथ देश की विरासत को पहचान देने वाला मध्य रेलवे का मुख्यालय एवं एक महत्वपूर्ण स्थल भी है जो चहुओर रेलवे के तीव्र विकास के लहराते परचम का केंद्रीय स्टेशन है। तीन देशों भारतीय हिन्दू-मुगल कला, ब्रिटेन की ब्रितानी कला और इटली की इतावली कला की से निमित एवं सुसज्जित भवन अपने निर्माण से 141 वर्ष बीतने पर भी बेजोड़ तकनीकी विशेषताओं के साथ आज भी शान से खड़ा है। भारतीय रेलवे ने न केवल इसकी कला और खूबसूरती को सहेज कर रखा हुआ है वरन साफ-सफाई, यात्री सुविधाओं, अत्यधिक आधुनिक सुविधाओं के साथ ग्रीन एनर्जी से भी लेस कर दिया हैं। भारतीय रेलवे की नींव रखने वाला छत्रपति शिवाजी टर्मिनस आज भारतीय रेलवे की शक्ति और प्रतिष्ठा का प्रतीक बन गया है। मुम्बई घूमने आने वालों का इसे देखना पचली वरीयता होती है, खूबसूरती में यह ताजमहल के बाद दूसरे नम्बर पर आता है। तत्कालीन समय में यह एशिया की सबसे बड़ी इमारत थी। इसकी बहुविध विशेषताओं की वजह से यूनेस्को की विश्व धरोहर समिति ने इसे 2 जुलाई 2004 को अद्भुत स्टेशन को विश्व धरोहर में शामिल कर इसका महत्व प्रतिपादित दुगुनित कर दिया। इस टर्मिनस का निर्माण 20 जून 1878 को आरंभ किया गया जिसका निर्माण कार्य 10 वर्षों में पूर्ण किया गया। ब्रिटिश वास्तुकार एफडब्ल्यू स्टीवेंस ने इसका डिजाइन किया था। इस से पूर्व वह यूरोप गया और 10 माह तक उसने कई स्टेशनों का अध्यन किया। इसमें लंदन के सेंट पेंक्रास स्टेशन की झलक दिखाई देती है। इस की रचना मध्यकालीन इटालियन मॉडल पर आधारित विक्टोरियन गोथिक डिजाइन के अनुसार है।

आंधी-तूफान से प्रभावित गांवों का एसडीएम अश्वनी कुमार सिंह ने किया निरीक्षण, 97 गांवों का सत्यापन पूर्ण



राहत सहायता के लिए 97 गांवों का सत्यापन

उप जिलाधिकारी अश्वनी कुमार सिंह एवं राजस्व विभाग की टीम ने आंधी-तूफान से प्रभावित 97 राजस्व गांवों का सत्यापन कराया। निरीक्षण के दौरान फसल एवं मकान क्षति से जुड़े मामलों को राहत पोर्टल पर दर्ज कराया गया, जबकि 33 प्रतिशत से कम क्षति वाले मामलों को शासन के निर्धारित मानकों के अनुसार अपात्र पाया गया।

आंधी-तूफान से फसल एवं मकान क्षति की प्राप्त शिकायतों का राजस्व विभाग की टीम द्वारा स्थलीय सत्यापन कराया गया है। शासन की गाइडलाइन के अनुसार पात्र प्रकरणों को राहत पोर्टल पर दर्ज कर सहायता दिलाने की कार्रवाई की जा रही है। हमारा प्रयास है कि प्रत्येक प्रभावित किसान का निष्पक्ष मूल्यांकन हो और पात्र व्यक्ति को समयबद्ध राहत उपलब्ध कराई जाए।''

श्री अश्वनी कुमार सिंह
उप जिलाधिकारी, हैदरगढ़

कैनविज टाइम्स संवाददाता

हैदरगढ़, बाराबंकी। बीते दिनों आए आंधी-तूफान से प्रभावित किसानों को राहत दिलाने के लिए प्रशासन सक्रिय हो गया है। जिलाधिकारी बाराबंकी के निर्देश पर उप जिलाधिकारी अश्वनी कुमार सिंह के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम ने प्रभावित क्षेत्रों का व्यापक सर्वेक्षण कर नुकसान का आकलन किया। तहसील क्षेत्र के विभिन्न गांवों में पहुंचकर अधिकारियों ने फसलों एवं मकानों को हुई क्षति का स्थलीय सत्यापन किया तथा पात्र मामलों को राहत पोर्टल पर दर्ज कराया।

प्रशासनिक आख्या के अनुसार 25 से 27 सितंबर 2026 के बीच आए तूफान के कारण फसल क्षति की शिकायतें प्राप्त हुई थीं। इसके बाद एसडीएम अश्वनी कुमार सिंह एवं तहसीलदार के निर्देशन में राजस्व टीम ने कुल 97 राजस्व गांवों का क्रॉस वेरिफिकेशन कराया। इस दौरान सेमरी , पश्चिम बेलाव,असौरी, इनायतपुर , लाखूपुर , मंझियावा , उस्मानपुर , सादुल्लापुर, भुनई, सहित कई गांवों में पहुंचकर वास्तविक स्थिति का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान प्रभावित किसानों से बातचीत कर फसलों एवं मकानों में हुई क्षति का सत्यापन किया गया। राहत सहायता वितरण के लिए पात्र प्रकरणों को पोर्टल पर फीड कराया गया। वहीं जिन किसानों की फसल क्षति निर्धारित मानक 33 प्रतिशत से कम पाई गई, उन्हें राहत सहायता के लिए पात्र नहीं माना गया।

एसडीएम अश्वनी कुमार सिंह ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक पात्र किसान तक राहत पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है। राजस्व विभाग की टीम लगातार क्षेत्र में भ्रमण कर वास्तविक क्षति का आकलन कर रही है, ताकि किसी भी प्रभावित किसान को सहायता से वंचित न रहना पड़े।

यूपीआई पर एमडीआर शुल्क का विरोध व्यापार मंडल का पीएम को ज्ञापन



कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। 15 अक्टूबर 2026 से ?2000 से अधिक के यूपीआई भुगतान पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर शुल्क लगाए जाने के प्रस्ताव के विरोध में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल, रजि., बाराबंकी ने प्रधानमंत्री को जिलाधिकारी के माध्यम से ज्ञापन भेजा। व्यापार मंडल ने प्रस्तावित शुल्क को वापस लेने तथा आम जनता और व्यापारियों को राहत देने की मांग की है।

व्यापार मंडल के प्रांतीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं जिलाध्यक्ष प्रदीप कुमार जैन तथा प्रदेश-मंत्री एवं जिला वरिष्ठ महामंत्री रविनन खजांची ने कहा कि यूपीआई ने छोटे-बड़े व्यापारियों और आम लोगों के लिए भुगतान व्यवस्था को आसान बनाया है। कम से कम ?10 हजार तक के यूपीआई लेनदेन को शुल्कमुक्त रखा जाए और इससे अधिक के लेनदेन पर ही एमडीआर लगाया जाए। साथ ही एक लाख रुपये की मासिक कैप सीमा को समाप्त करने की मांग की गई। व्यापार मंडल ने कहा कि पेट्रोल पंप और रिटेल प्रतिष्ठानों पर प्रतिदिन लाखों रुपये का भुगतान यूपीआई से होता है। ऐसे में एक लाख रुपये की मासिक सीमा व्यावहारिक नहीं है। पदाधिकारियों ने वैश्विक परिस्थितियों और प्रतिस्पर्धा के दौर को देखते हुए एमडीआर शुल्क पर उचित निर्णय लेकर आम जनता को राहत देने की उम्मीद जताई।

सीएसआर से बदलेगी जीआईसी निंदूरा की तस्वीर, 200 लीटर आरओ से 10 के डब्ल्यू सोलर तक लगेगा

कैनविज टाइम्स संवाददाता



निंदूरा, बाराबंकी।आखिरकार राजकीय इंटर कॉलेज निंदूरा की किस्मत खुलने जा रही है। प्रधानाचार्य भानु प्रताप सिंह की पहल पर डीएम ईशान प्रताप सिंह ने संज्ञान लिया और गुरुवार को ज्वाइंट मजिस्ट्रेट विद्यांशु शेखर झा को खुद कैंपस भेजा। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ने डीआईओएस अमिता सिंह के साथ पूरे कैंपस का सघन निरीक्षण किया। जर्जर बाउंड्री से लेकर प्रयोगशाला तक, हर कोने की जरूरत को नोट किया।

सीएसआर से क्या-क्या होगा

- 200 लीटर क्षमता का आरओ प्लांट
- बाउंड्रीवॉल की मरम्मत
- 10 किलोवाट ऑफ-ग्रिड सोलर प्लांट
- बैडमिंटन कोर्ट
- लैब में कैमरे व फर्नीचर
- पूरे परिसर में टाइल्स

सिर्फ निर्माण नहीं, पढ़ाई भी परखी। दोनों अधिकारी कक्षा 9 से 12 तक हर क्लास में गए। बच्चों से सीधे सवाल-जवाब किया। अफसर ने पूछा - क्या बनोगे? ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ने बच्चों से पूछा - बड़े होकर क्या बनना चाहते हो? जवाब आया - डॉक्टर, इंजीनियर, जज। आईएएस अधिकारी ने वहीं पर बच्चों को गक्ख्ड, ख्क्ख और जुडिशरी की राह समझाई। एक निरीक्षण ने जीआईसी निंदूरा में विकास और सपनों, दोनों को नई उड़ान दे दी है।

ज्ञानेश के इस्तीफ़े की मांग ,सपा का प्रदर्शन, बैरिकेडिंग पर बैठे नेता-कार्यकर्ता

कैनविज टाइम्स संवाददाता



बाराबंकी। समाजवादी पार्टी के 'वोट बचाओ-देश बचाओ-लोकतंत्र बचाओ' अभियान के तहत गुरुवार को जिला मुख्यालय पर पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने धरना-प्रदर्शन कर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफ़े की मांग की। पार्टी नेताओं ने आरोप लगाया कि विभिन्न चुनावों में निर्वाचन प्रक्रिया में गंभीर गड़बड़ियां हुई हैं और बड़ी संख्या में वैध मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से काटे गए हैं।

जिला अध्यक्ष हाफिज अयाज अहमद की अध्यक्षता में पार्टी कार्यालय से जिलाधिकारी कार्यालय की ओर शांतिपूर्ण पैदल मार्च निकाला गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने 'ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दो' के नारे लगाए। जिलाधिकारी कार्यालय से पहले पुलिस प्रशासन ने बैरिकेडिंग कर मार्च को रोक दिया। इसके बाद सपा नेता और कार्यकर्ता वहीं धरने पर बैठ गए और पुलिस कार्रवाई का विरोध किया।

इस मौके पर जिला अध्यक्ष हाफिज अयाज अहमद, राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री अरविंद कुमार सिंह गोप, पूर्व मंत्री राकेश वर्मा, विधायक धर्मराज सिंह उर्फ सुरेश यादव, विधायक गौरव रावत, पूर्व विधायक रामगोपाल रावत, पूर्व विधायक राम मगन रावत, पूर्व विधान परिषद सदस्य अरविंद यादव, राजेश यादव राजू, राष्ट्रीय प्रवक्ता फराजुद्दीन किदवई और फैजान किदवई सहित अन्य नेता मौजूद रहे।

सपा नेताओं ने कहा कि पार्टी संविधान, लोकतंत्र, किसानों, महिलाओं, नौजवानों, छात्रों, व्यापारियों और मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा के लिए आंदोलन जारी रखेगी। नेताओं ने कहा कि जब तक निर्वाचन प्रक्रिया में सुधार और मुख्य निर्वाचन आयुक्त के इस्तीफ़े की मांग पूरी नहीं होती, सड़क से सदन तक आंदोलन जारी रहेगा।

प्रदर्शन में पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. कुलदीप सिंह, सुरेश चंद्र गौतम, प्रदेश सचिव हुमायूं नईम खान, सरताज चौधरी, सूरज यादव गामा, जिला महामंत्री हिमांशु यादव, जिला मीडिया प्रभारी वीरेंद्र प्रधान, जिला कोषाध्यक्ष प्रीतम सिंह वर्मा सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल रहे।

सिरौलीगौसपुर! राहुल गांधी, प्रियंका वाड्रा तथा अखिलेश यादव की गिरफ्तारी के विरोध में गुरुवार को कांग्रेस और सपा कार्यकर्ताओं ने सिरौलीगौसपुर तहसील मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। तहसील गेट पर सैकड़ों की संख्या में जुटे कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी कर विरोध जताया।

प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने 'वोट चोर गद्दी छोड़' के नारे लगाए और नेताओं की गिरफ्तारी को लेकर आक्रोश जताया। कांग्रेस अध्यक्ष मुरली रावत के नेतृत्व में बदरुद्दीन वार्सी, शिवकुमार वर्मा, मोहम्मद इरफान, बेचन लाल दीक्षित, रमापति गौतम, राम-लखन रावत, मुकेश रावत और योगेश कुमार रावत सहित कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सपा की ओर से मजदूर सभा के जिलाध्यक्ष प्रमोद कुमार रावत 'नन्हा', दिनेश कुमार रावत और जितेंद्र रावत समेत कई कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन में शामिल होकर विरोध जताया।

''रामनगर'' तहसील रामनगर के बुढ़वल चौराहा पर बृहस्पतिवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के पोस्टर जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन की अगुवाई सांसद प्रतिनिधि एवं ब्लॉक अध्यक्ष सौरभ कुमार पांडे ने कीकार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि दिल्ली में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी को मुख्य चुनाव आयुक्त से मुलाकात का अवसर नहीं दिया गया जिससे पार्टी कार्यकर्ताओं में नाराजगी है।प्रदर्शन में सांसद प्रतिनिधि एवं पिछड़ा वर्ग जिला अध्यक्ष रामकुमार लोधी समेत दर्जनों कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस का झंडा लेकर नारेबाजी की।इस प्रदर्शन में मिर्ज़ा उमर बेग रामू यादव भूपेंद्र वर्मा दिलीप यादव रिंकू यादव रक्षाराम यादव व शंकर यादव सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में इंस्पेक्टर सुभाष चंद्र यादव मानवेंद्र प्रमोद कुमार यादव व उमाशंकर शामिल रहे।

सैम खान फाउंडेशन द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

बेलहरा बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। सामाजिक संस्था सैम खान फाउंडेशन द्वारा नगर पंचायत बेलहरा में गुरुवार को नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसका बड़ी संख्या में लोगों ने लाभ उठाया। शिविर में केजीएमयू और लारी हॉस्पिटल लखनऊ के विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने मरीजों की जांच की। शिविर में जनरल फिजिशियन,हड्डी रोग,नेत्र रोग,शिशु रोग,स्त्री रोग,दंत रोग और चर्म रोग विशेषज्ञों ने अपनी सेवाएं दीं। इस दौरान बीपी,शुगर,ईसीजी,आंखों की जांच सहित कई प्रकार की जांचें नि:शुल्क की गईं और डॉक्टरों के परामर्श के अनुसार जरूरतमंदों को दवाइयां भी वितरित की गईं। आयोजक के अनुसार शिविर में करीब 600 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें लाभान्वित किया गया। शिविर का शुभारंभ फाउंडेशन के संस्थापक समाजसेवी सैम खान ने किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण और नगर पंचायत क्षेत्रों में आज भी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव है। गरीब और जरूरतमंद लोग महंगे इलाज के कारण परेशान होते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए फाउंडेशन द्वारा यह पहल की गई है। हमारा प्रयास रहेगा कि इस तरह के नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर समय-समय पर होते रहें, ताकि नागरिको को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिल सके

गड्ढे में मिट्टी धंसने से मजदूर की मौत

मसौली, बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। सुल्तानपुर गांव के पास बुधवार शाम करीब आठ फीट गहरे गड्ढे में मिट्टी धंसने से मजदूर श्रीओम (35) पुत्र कमलेश निवासी रेहुवां मंसूर, बहराइच की मौत हो गई। प्लॉट में ट्रांसफार्मर की अर्थिंग वायर लगाने के लिए गड्ढा खोदा गया था। हादसे के बाद पुलिस ने रेस्क्यू कर मजदूर को बाहर निकाला और जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

नहर किनारे मिला युवक का शव, हत्या की आशंका

देवा, बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। शंकरपुर मजरे कुल्लु पहाड़पुर के पास गुरुवार सुबह शारदा नहर किनारे युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान बसारा निवासी हरिओम यादव (26) के रूप में हुई। परिजनों ने माथे पर चोट और गले पर रस्सी के निशान बताते हुए हत्या की आशंका जताई है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी। हरिओम की 15 दिन बाद तिलक और 45 दिन बाद शादी होनी थी।

अयान ने पूरा किया हिफ्ज-ए-कुरआन

मसौली, बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। पत्रकार रिजवान अहमद के 17 वर्षीय पुत्र मोहम्मद अयान अंसारी ने गुरुवार को मदरसा इस्लामिया अरबिया शहाबुल उलूम, शहाबपुर में हिफ्ज-ए-कुरआन पूरा किया। मुफ्ती मोहम्मद सालिम कासमी की सरपरस्ती में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षकों ने अयान को दस्तार बांधकर दुआ की। इस मौके पर परिजनों और मदरसे के शिक्षकों व छात्रों में खुशी रही।

बारिश से धान की फसल गिरी, सर्वे शुरू

सिरौलीगौसपुर, बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। बारिश से धान की फसल को हुए नुकसान का जायजा लेने के लिए एसडीएम अनिल कुमार सरोज ने गुरुवार को तहसीलदार और राजस्व टीम के साथ प्रभावित गांवों का निरीक्षण किया। खेतों में पानी भरने से धान की फसल गिरी मिली। एसडीएम ने बताया कि सर्वे के बाद नुकसान का आकलन कर रिपोर्ट तैयार होगी और किसानों को नियमानुसार मुआवजा दिया जाएगा।

मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता जरूरी : विशेषज्ञ

बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर गुरुवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर का शुभारंभ जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्ष प्रतिमा श्रीवास्तव के निर्देशन में दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। मनोचिकित्सक डॉ. सौरभ मिश्रा ने कहा कि तनावमुक्त रहने और परिवार में आपसी बातचीत से मानसिक स्वास्थ्य बेहतर रहता है। नींद न आना, चिंता, घबराहट, तनाव, काम में मन न लगना और आत्महत्या के विचार मानसिक परेशानी के संकेत हो सकते हैं। ऐसे लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव उज्ज्वल उपाध्याय ने कहा कि बच्चों के विकास में देरी होने पर परिजनों को तत्काल मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से परामर्श लेना चाहिए। समय पर उपचार शुरू होने से कई मानसिक बीमारियों की रोकथाम संभव है। इस दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. रंजन गौतम, मनोचिकित्सक डॉ. सौरभ मौर्य, डॉ. नुपूर प्रिया समेत चिकित्सक व कर्मचारी मौजूद रहे।

जनसंख्या दूसरे चरण की तैयारी तेज़

सुलतानपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। जनपद में फील्ड ट्रेनरों के प्रशिक्षण के तृतीय बैच का तीन दिवसीय प्रशिक्षण के एन आई सिविल इंजीनियरिंग विभाग में सुबह नौ बजे से शुरू हुआ। तीन चरण के प्रशिक्षण में कुल 88 फील्ड ट्रेनर जनपद की पांचों तहसील में प्रगणको व पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण देंगे। कस्बा स्थित कमला नेहरू प्रौद्योगिकी संस्थान में मास्टर ट्रेनरों विजय कुमार चतुर्वेदी भूपेन्द्र प्रताप ने प्रतिभागियों को जनगणना प्रक्रिया 40विंदुओ के बारे बारीकियों की जानकारी दी। इसमें फील्ड ट्रेनरों ने वास्तविक स्थितियों में जनगणना प्रक्रिया, प्रगणकों की जिम्मेदारी, फॉर्म भरने और डिजिटल तरीके से आंकड़े इकट्ठा करने व दर्ज करने का अभ्यास किया। ये फील्ड ट्रेनर अब तहसील में प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण देंगे, ताकि जनगणना तय नियमों व समय से पूर्ण हो सके। दूसरे चरण की जनगणना में 16 से 30 नवंबर 2026 तक स्व- गणना, 1 दिसंबर 2026 से 4 जनवरी 2027 तक जनसंख्या गणना और 5 से 9 जनवरी 2027 तक रिवीजन का कार्य सम्पन्न होगा। इस मौके पर फील्ड ट्रेनर रणवीर सिंह राहुल राष्ट्रवादी अखिलेश मिश्रा सुचित्रा नंद चतुर्वेदी राज कुमार तिवारी राजेश सिंह अम्बरीष पाण्डेय सहित 28 फील्ड ट्रेनर उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने विकास भवन का किया औचक निरीक्षण, अनुपस्थित अधिकारियों का स्पष्टीकरण तलब करने के दिए निर्देश

पीलीभीत कैनविज टाइम्स संवाददाता। डीएम आलोक कुमार ने आज प्रातः 10:05 बजे विकास भवन के कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी कार्यालयों में मौके पर जिला पंचायतराज अधिकारी, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी व जिला कृषि अधिकारी अनुपस्थित अधिकारियों का स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यालयों की स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने एवं लम्बित पत्रावलियों का समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी/कर्मचारी कार्यदिवस में प्रातः 10 बजे कार्यालयों में उपस्थित रहें, ताकि दूर-दराज से आने वाले फरियादियों को इंतजार न करना पड़े। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अन्तिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक समय से पहुंचे।



वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे मैच से पहले संजू या सूर्यवंशी को लेकर भारत दुविधा में

एजेंसी

रांची। संजू सैमसन को छोड़कर भारत के सभी बल्लेबाज फॉर्म में हैं और इसलिए टीम प्रबंधन शुक्रवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ को यहां होने दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी को अभिषेक शर्मा के साथ पारी का आगाज करने के लिए भेज सकता है। भारतीय टीम यहां जीत हासिल करने पर पांच मैचों की श्रृंखला में 2-0 की बढ़त बना लेगी, लेकिन उसके लिए सैमसन का खराब प्रदर्शन चिंता का विषय बना हुआ है। सैमसन पिछली चार पारियों में केवल 29 रन बना पाए हैं जिनमें उनका उच्चतम स्कोर 11 है। उनकी असफलता के कारण भारत को इन मैच में अच्छी शुरुआत नहीं मिल पाई। लेकिन पिछले मैच में टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना पहला शतक लगाने वाले कप्तान श्रेयस अय्यर की अगुवाई में मध्य क्रम ने सैमसन की असफलता का टीम पर खास असर नहीं



पड़ने दिया। अय्यर ने अपने करियर के 68वें मैच में अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक जड़ा। ऐसे में सूर्यवंशी को एक और मौका मिल सकता है जिन्होंने अब तक मिले अवसरों पर यह साबित कर दिया कि वह खेल के छोटे प्रारूप के लिए उपयुक्त बल्लेबाज हैं। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज के पास कई तरह के शॉट हैं और वह अपने आक्रामक अंदाज से विपक्षी टीम को शुरू में ही दबाव में ला सकते हैं। भारतीय टीम प्रबंधन ने हालांकि इस 15 वर्षीय बल्लेबाज को मौका देने के बजाय अब तक अभिषेक और सैमसन की स्थापित सलामी जोड़ी का ही समर्थन किया है। जापान में एशियाई खेलों में सूर्यवंशी और अभिषेक ने ही पारी का आगाज किया था और सैमसन तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे थे। इस तरह से टीम प्रबंधन ने सैमसन के प्रति अपना समर्थन जारी रखा लेकिन यह विकेटकीपर बल्लेबाज अभी तक उम्मीद पर खरा नहीं उतर पाया है। ऐसे में वेस्टइंडीज के खिलाफ चल रही पांच मैचों की श्रृंखला सैमसन के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती है क्योंकि वह विश्व कप में दिखाए गए अपने अच्छे प्रदर्शन के दम पर लंबे समय तक अपनी जगह बरकरार नहीं रख सकते हैं। लेकिन सूर्यवंशी ने अपनी प्रतिभा के बावजूद यह भी जान लिया है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट एक अलग ही चीज है। इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में भारत की 0-3 से हार में उन्होंने 14, 13 और 15 रन बनाए। एशियाई खेलों में बिहार के इस बल्लेबाज ने 18 और 35 रन बनाए। एक युवा खिलाड़ी के लिए यह स्कोर खराब नहीं हैं लेकिन इनसे यह तथ्य भी साबित होता है कि केवल प्रचार के कारण उन्हें शीर्ष स्तर के क्रिकेट में जल्दबाजी में शामिल नहीं किया जा सकता है। इसलिए टीम प्रबंधन सूर्यवंशी को एक और मौका देने से पहले सभी पहलुओं पर गंभीरता से विचार करेगा।

नाना पाटेकर के निधन पर बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला और पूर्व कप्तान रहाणे ने जताया शोक

एजेंसी

नई दिल्ली। दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर के निधन पर भारतीय क्रिकेट जगत से भी श्रद्धांजलियों का सिलसिला जारी है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला, पूर्व भारतीय कप्तान अजिंक्य रहाणे और पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन ने अभिनेता के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया और उनके अभिनय तथा सामाजिक कार्यों को याद किया। राजीव शुक्ला ने नाना पाटेकर को बेहद संवेदनशील इंसान बताते हुए कहा कि उनके शानदार अभिनय, बहुमुखी प्रतिभा और प्रभावशाली स्क्रीन उपस्थिति ने भारतीय सिनेमा पर अमिट छाप छोड़ी। राजीव शुक्ला ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, दिग्गज अभिनेता और बेहद संवेदनशील इंसान श्री नाना पाटेकर जी के निधन से गहरा दुख हुआ। उनके शानदार अभिनय कौशल, बहुमुखी प्रतिभा और प्रभावशाली स्क्रीन उपस्थिति ने भारतीय सिनेमा पर अमिट छाप छोड़ी है। फिल्मों की दुनिया से परे, समाज सेवा के प्रति उनका निस्वार्थ समर्पण और लोगों के जीवन को बदलने के उनके प्रयासों ने अनगिनत लोगों को प्रभावित किया है। ईश्वर उनकी आत्मा को शाश्वत शांति प्रदान करे। उनके परिवार, मित्रों और अनगिनत प्रशंसकों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। पूर्व भारतीय कप्तान अजिंक्य रहाणे ने नाना पाटेकर को बेहद शानदार अभिनेता बताते हुए कहा कि उनके काम ने कई पीढ़ियों को प्रेरित और मनोरंजन किया। रहाणे ने एक्स पर लिखा, ह्लनाना पाटेकर जी वास्तव में एक बेहद शानदार अभिनेता थे, जिनके काम ने कई पीढ़ियों को प्रेरित और मनोरंजन किया। उनके निधन की खबर सुनकर बेहद दुख हुआ। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे। इससे पहले पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन ने भी नाना पाटेकर के निधन पर शोक व्यक्त किया था। उन्होंने अभिनेता को भारतीय सिनेमा की ह्लबेहद खास प्रतिभाह्व बताया और कहा कि उनका काम आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। धवन ने एक्स पर लिखा, ह्लआज भारतीय सिनेमा ने एक बेहद खास प्रतिभा खो दी है। नाना पाटेकर साहब, आपका काम आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। ? शांति। नाना पाटेकर का गुरुवार सुबह 5:20 बजे उनके आवास पर हृदयाघात के बाद निधन हो गया। वह 75 वर्ष के थे। हिंदी और मराठी सिनेमा के प्रमुख अभिनेताओं में शामिल नाना पाटेकर ने 1978 में आई फिल्म 'गमन' से अभिनय की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने 'परिंदा', 'प्रहार', 'अंगार', 'क्रांतिवीर', 'तिरंगा', 'खामोशी' और 'अब तक छप्पन' जैसी फिल्मों में अपने दमदार अभिनय से अलग पहचान बनाई। अपने करियर के अंतिम दौर में भी नाना पाटेकर फिल्मों में सक्रिय रहे। वह अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन और रितेश देशमुख अभिनीत 'हाउसफुल 5' का हिस्सा थे। उन्होंने विशाल भारद्वाज की फिल्म 'ओ'रोमियो' में पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाई, जिसमें शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी मुख्य भूमिकाओं में थे। इसके अलावा वह अनिल कपूर और राधिका मदान अभिनीत 'सूबेदार' में भी विशेष भूमिका में नजर आए थे।

होप्स और हाडिन पंजाब किंग्स के कोचिंग स्टाफ से हटे

एजेंसी

नयी दिल्ली। पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाजी कोच जेम्स होप्स और फील्डिंग कोच ब्रैड हाडिन ने अपना पद छोड़ दिया है। रिपोर्ट में यह दावा किया गया है लेकिन इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की इस टीम ने अभी तक इसकी औपचारिक पुष्टि नहीं की है। रिपोर्ट के अनुसार इन दोनों ने हाल में पंजाब किंग्स के प्रबंधन को अपने फैसले की जानकारी दे दी थी। रिपोर्ट में कहा गया था कि इन दोनों के पद छोड़ने की संभावना पहले से ही थी क्योंकि होप्स को क्वींसलैंड और ब्रिसबेन हीट का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है, जबकि हाडिन न्यू साउथ वेल्स की पुरुष टीम का कोच पद संभालेंगे। होप्स कुछ सत्र पहले मुख्य कोच रिकी पोंटिंग के साथ दिल्ली कैपिटल्स से पंजाब किंग्स में शामिल हुए थे। हाडिन पहले से ही पंजाब किंग्स से जुड़े हुए थे और पोंटिंग ने भी मुख्य कोच बनने के बाद उन्हें अपने पद पर बनाए रखा था। पोंटिंग और कप्तान श्रेयस अय्यर के नेतृत्व में पंजाब किंग्स ने पिछले दो वर्षों में अच्छा प्रदर्शन किया था। उसकी टीम 2025 में फाइनल में पहुंची थी। होप्स और हाडिन से पहले स्पिन गेंदबाजी कोच साईराज बहुतुले ने भी पंजाब किंग्स को छोड़कर भारतीय पुरुष टीम में उसी भूमिका में पद संभाला। इस तरह से आईपीएल के अगले सत्र से पहले पंजाब किंग्स के कोचिंग स्टाफ में तीन पद खाली हो गए हैं।

मैनचेस्टर यूनाइटेड की लड़ने की क्षमता और अप्रत्याशितता मुझे पसंद है : युजवेंद्र चहल

एजेंसी

नई दिल्ली। मैनचेस्टर यूनाइटेड के जुनूनी प्रशंसक और भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल को भरोसा है कि टीम अंतरराष्ट्रीय ब्रेक के बाद वापसी करते हुए प्रीमियर लीग तालिका में ऊपर चढ़ सकती है और अपने प्रदर्शन से सभी को चौंका सकती है। चहल हाल ही में ओल्ड ट्रैफर्ड पहुंचे थे, जहां उन्होंने स्टैंड से मैनचेस्टर डर्बी का मुकाबला देखा। जियोस्टार से बातचीत में चहल ने मैनचेस्टर यूनाइटेड के प्रति अपने बचपन के प्यार, प्रीमियर लीग को फॉलो करने की अपनी पसंद और मैनचेस्टर डर्बी को स्टेडियम में देखने के अनुभव को साझा किया। अपने बचपन के प्यार और प्रीमियर लीग के प्रति लगाव पर चहल ने कहा, ह्लमैनचेस्टर यूनाइटेड बचपन से मेरा प्यार रहा है, इसलिए जब भी



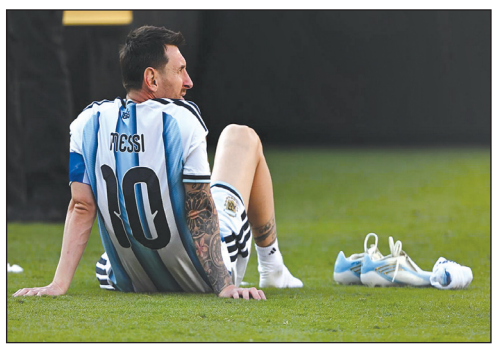
समय मिलता है, प्रीमियर लीग देखना मुझे वास्तव में पसंद है। मेरी पसंदीदा चीजों में से एक है अपने दोस्तों को एक साथ बुलाना, उनके साथ बैठकर यूनाइटेड का कोई बड़ा मुकाबला देखना। इसमें हमेशा बहुत सारी भावनाएं और मजाक-मस्ती होती है। मैनचेस्टर डर्बी को स्टेडियम में देखने के अनुभव और एक यूनाइटेड प्रशंसक के तौर पर अपनी भावनाओं के बारे में चहल ने कहा, ह्लमैंने हाल ही में मैनचेस्टर डर्बी देखा। जब सिटी के 10 खिलाड़ी रह गए, तो मुझे वास्तव में लगा कि यूनाइटेड किसी तरह नतीजा अपने पक्ष में कर लेगा और कुछ ऐसे मौके भी आए जब लगा कि हम मुकाबला जीत सकते हैं। इसके बाद हालैंड को गोल करते देखना और फिर उस गोल को लेकर पूरा वीडियो सहायक रेफरी वाला विवाद देखना यूनाइटेड के प्रशंसक के तौर पर काफी तकलीफदेह था। लेकिन यही फुटबॉल है, कभी आपको मनचाहा नतीजा मिलता है और कभी नहीं मिलता। पसंदीदा यूनाइटेड खिलाड़ी और टीम की वापसी को लेकर अपने भरोसे पर चहल ने कहा, ह्लमुझे इस यूनाइटेड टीम की जो चीज वास्तव में पसंद है, वह है उसकी लड़ने की क्षमता और अप्रत्याशितता। मैथियस कुन्हा ऐसे खिलाड़ी हैं, जिनकी मैं बहुत प्रशंसा करता हूं। जिस तरह वह ऊर्जा के साथ खेलते हैं, डिफेंडरों को चुनौती देते हैं और अपने आसपास के खिलाड़ियों को लगातार आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं, वह शानदार है। मुझे सच में विश्वास है कि यह टीम अब भी लोगों को चौंका सकती है। बचपन से यूनाइटेड का प्रशंसक होने के नाते मैं हमेशा टीम पर विश्वास करूंगा और उसका समर्थन करता रहूंगा। आखिर एक फुटबॉल प्रशंसक होने का मतलब यही है। मैनचेस्टर यूनाइटेड अंतरराष्ट्रीय ब्रेक के बाद शनिवार, 10 अक्टूबर को प्रीमियर लीग में टॉटेनहम हॉटस्पर का सामना करेगा।

टेबल टेनिसः मानुष शाह और मानव ठक्कर चीन स्मैश के सेमीफाइनल में

बीजिंग। भारत के मानुष शाह और मानव ठक्कर ने गुरुवार को डब्ल्यूटीटी चीन स्मैश 2026 के पुरुष युगल सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। भारतीय जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल में चीन के लियांग जिंगकुन और शियांग पेंग को सीधे गेमों में 3-0 से हराया। दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने 19 मिनट तक चले मुकाबले में 11-9, 11-5, 11-4 से जीत दर्ज की। मानुष और मानव ने मुकाबले के आगे बढ़ने के साथ अपना दबदबा बढ़ाया और लगातार तीन गेम जीतकर अंतिम चार में जगह बनाई। अब सेमीफाइनल में उनका सामना स्वीडन के एंटोन कालबर्ग और क्रिस्टियन कार्लसन तथा दक्षिण कोरिया के लिम जोंगहून और ओ जुनसोंग की जोड़ी के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा। मानुष शाह गुरुवार को मिश्रित युगल सेमीफाइनल में भी उतरेंगे। वह दिया चिताले के साथ मिलकर चीनी ताइपे की लिन युन-जू और चेंग आई-चिंग की जोड़ी का सामना करेंगे।

लियोनेल मेस्सी के अर्जेंटीना के साथ 21 साल के सफर में आंकड़ों पर नजर

एजेंसी



लंदन। सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में से एक लियोनेल मेस्सी ने बेनिन के खिलाफ अर्जेंटीना की तरफ से अपना आखिरी मैच खेला। अर्जेंटीना मैच 3-0 से जीता जिसमें मेस्सी का भी एक गोल शामिल है। मेस्सी ने अर्जेंटीना की तरफ से 21 साल के अपने सफ़र में कई उपलब्धियां हासिल की। उनके आंकड़ों पर एक नजर डालते हैं। एकः मेस्सी ने एक बार 2022 में कतर में विश्व कप जीता है। उनके रहते हुए अर्जेंटीना की टीम दो बार 2014 और 2026 में फाइनल में पहुंची थी, जहां उसे क्रमशः जर्मनी और स्पेन से हार का सामना करना पड़ा था। छह : मेस्सी ने छह विश्व कप (2006, 2010, 2014, 2018, 2022 और 2026) में हिस्सा लिया, जो उनके लंबे समय के प्रतिद्वंद्वी क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बराबर है। 21: मेस्सी ने छह विश्व कप में कुल 21 गोल किए। वह फ्रांस के किलियन एमबाप्पे के बाद दूसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने तीन विश्व कप में 22 गोल किए हैं। 39: मेस्सी ने 39 वर्ष की उम्र में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा की। उन्होंने अगस्त 2005 में हंगरी के खिलाफ एक मैत्री मैच में अर्जेंटीना के लिए पदार्पण करने के 21 साल बाद संन्यास लिया। उस मैच में वह मुश्किल से एक मिनट खेल पाए थे। उन्हें एक प्रतिद्वंद्वी को कोहनी मारने के लिए मैदान से बाहर भेज दिया गया था। 126: मेस्सी ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में 126 गोल किए हैं, जो अर्जेंटीना के किसी भी अन्य खिलाड़ी द्वारा किए गए गोल की संख्या से दोगुने से भी अधिक है। पिछला रिकॉर्ड गैब्रियल बतिस्तुता के नाम था, जिन्होंने 1991 से 2002 तक 78 मैचों में 54 गोल किए थे। पुरुष अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सर्वाधिक गोल करने का रिकॉर्ड क्रिस्टियानो रोनाल्डो (146 गोल) के नाम पर दर्ज है। मेस्सी का नंबर उनके बाद आता है। 207: मेस्सी ने 207 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले लेकिन यह रिकॉर्ड नहीं है। इस सूची में भी वह पुर्तगाल के लिए 234 मैच खेलने वाले क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बाद दूसरे नंबर पर हैं।

एनसीएलटी ने पॉपुलर फाइनेंस ग्रुप की 14 इकाइयों को बंद करने का आदेश दिया

नयी दिल्ली/कोच्चि। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने पॉपुलर फाइनेंस ग्रुप (पीएफजी) से जुड़ी 14 इकाइयों को बंद करने का आदेश दिया है और जनता से जुटाई गई राशि का कहां उपयोग हुआ है, उसका पता लगाने के लिए जांच का निर्देश दिया है। कोच्चि स्थित एनसीएलटी की दो सदस्यीय पीठ ने सभी 14 इकाइयों के लिए केरल उच्च न्यायालय से संबद्ध आधिकारिक परिसमापक की नियुक्ति भी की है। पीठ ने कहा कि मामला बड़े पैमाने पर आम जनता की धनराशि से जुड़ा है और परिसमापक से तेजी से कार्रवाई की अपेक्षा है। न्यायाधिकरण ने आधिकारिक परिसमापक को तीन सप्ताह के भीतर परिसमापन प्रक्रिया में सहायता और उसकी प्रगति की निगरानी के लिए एक समिति के गठन का आवेदन करने का भी निर्देश दिया। एनसीएलटी के आदेश में कहा गया कि 60 दिन के भीतर संपत्तियों की पहचान और उन्हें सुरक्षित किए जाने, प्राप्त दावों, पता लगाई गई धनराशि और संपत्तियों, की गई या प्रस्तावित वसूली तथा शुरू की गई कार्यवाही का विस्तृत विवरण देते हुए रिपोर्ट दाखिल की जाए। साथ ही, न्यायाधिकरण से मांगे जाने वाले किसी अन्य निर्देश का भी उल्लेख किया जाए। यह आदेश गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय (एसएफआईओ) की ओर से पीएफजी की 14 इकाइयों के खिलाफ दायर याचिकाओं पर आया। कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय (एमसीए) के सात जनवरी, 2021 के आदेश के बाद एसएफआईओ ने पीएफजी के मामलों की जांच शुरू की थी। समूह में सात कंपनियां और नौ सीमित देयता भागीदारी (एलएलपी) शामिल हैं। एसएफआईओ ने 27 फरवरी, 2025 की अपनी जांच रिपोर्ट में कहा था कि पीएफजी ने जनता से करीब 4,700 करोड़ रुपये जुटाए थे, जिसमें से करीब 829.31 करोड़ रुपये जांच के दायरे में आई कंपनियों और एलएलपी से संबंधित थे।

भारत का लक्ष्य 5जी ग्राहकों की संख्या 2030 तक एक अरब करना: सिंधिया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय संचारमंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुरुवार को कहा कि भारत का लक्ष्य 5जी ग्राहकों की संख्या मौजूदा 55 करोड़ से दोगुना कर 2030 तक एक अरब करने का है। उन्होंने कहा कि देश 4जी के मामले में पहले दुनिया से पीछे था लेकिन उसने 6जी में दुनिया की अगुवाई करने का संकल्प लिया है। केंद्रीय संचारमंत्री ने नई दिल्ली स्थित यशोभूमि में इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) 2026 के 10वें एडिशन को संबोधित करते हुए यह बात कही। ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने कहा, ''7 अक्टूबर हमारे देश के इतिहास में एक अहम दिन रहेगा। हम नागरिकों के लिए यह गर्व की बात है कि 7 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सरकार के प्रमुख के तौर पर देश की सेवा के लिए 25 वर्ष अपने कार्यकाल पूरे किए। सिंधिया ने कहा कि भारत में अभी 55 करोड़ 5जी यूजर्स हैं और देश 2030 तक 100 करोड़ यूजर्स तक पहुंचने का लक्ष्य लेकर चल रहा है, क्योंकि वह अपनी दूरसंचार और डिजिटल प्रौद्योगिकी क्षमताओं को वैश्विक बाजार तक ले जाना चाहता है। सिंधिया ने कहा कि भारत का ब्रॉडबैंड कस्टमर बेस 2014 में 6 करोड़ से बढ़कर आज 110 करोड़ से ज़्यादा हो गया है। उन्होंने कहा कि देश में 135 करोड़ मोबाइल कस्टमर्स भी हैं। आईएमसी 2026 के 10वें संस्करण के उद्घाटन समारोह में सिंधिया ने कहा कि भारत में 5जी दुनिया में सबसे तेजी से अपनाई जाने वाली 5जी प्रौद्योगिकी बन गई है। उन्होंने कहा, 2030 तक हमारा लक्ष्य 5जी उपयोगकर्ताओं की संख्या 55 करोड़ से बढ़ाकर एक अरब करना है।'' उन्होंने कहा, ''हम 4जी में दुनिया से पीछे थे। 5जी में हमने दुनिया के साथ कदम मिलाया। अब हमारा संकल्प है कि 6जी में हम दुनिया की अगुवाई करेंगे।

एक दिन की तेजी के बाद सर्राफा बजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान गिरावट का सोने के भाव में गिरावट का रुख नजर आ रहा है। भाव में आए बदलाव के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 620 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 690 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। चांदी के भाव में आज लगातार दूसरे दिन कोई बदलाव नहीं हुआ है। ये चमकीली धातु आज भी मंगलवार के स्तर पर ही बिक रही है। कीमत में आई कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,49,540 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,49,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,37,090 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,37,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने



के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 2,34,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,49,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,37,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,49,540 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,37,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,49,590 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,37,140 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,49,540 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,37,090 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,49,540 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,37,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,49,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,37,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,49,690 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,37,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,49,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,37,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

उत्तर रेलवे

ई–ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–ऑक्शन से सम्बन्धित सूचना।

एडमिन यूनिट/जोन	लखनऊ–उ0रे0–मण्डल–वाणिज्य/उ0रे0
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	20401-SLR-F1-BSB-LKO-26-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	28.09.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	13.10.2026 at 11:00 hrs.
नीलामी बंद करने की तिथि एवं समय	13.10.2026 at 11:30 hrs.
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	20904-SLR-F1-BSB-EKNR-26-2 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	28.09.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	13.10.2026 at 11:00 hrs.
नीलामी बंद करने की तिथि एवं समय	13.10.2026 at 11:40 hrs.
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	22688-SLR-R1-BSB-MYS-26-2 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	28.09.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	13.10.2026 at 11:00 hrs.
नीलामी बंद करने की तिथि एवं समय	13.10.2026 at 11:50 hrs.
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	20964-SLR-F1-BSB-SBIB-26-2 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	28.09.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	13.10.2026 at 11:00 hrs.
नीलामी बंद करने की तिथि एवं समय	13.10.2026 at 12:00 hrs.
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	20415-SLR-F1-BSB-INDB-26-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	28.09.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	13.10.2026 at 11:00 hrs.
नीलामी बंद करने की तिथि एवं समय	13.10.2026 at 12:10 hrs.
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	12237-SLR-F1-BSB-JAT-26-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	28.09.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	13.10.2026 at 11:00 hrs.
नीलामी बंद करने की तिथि एवं समय	13.10.2026 at 12:20 hrs.
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	20904-SLR-R1-BSB-EKNR-26-2 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	28.09.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	13.10.2026 at 11:00 hrs.
नीलामी बंद करने की तिथि एवं समय	13.10.2026 at 12:30 hrs.
वेबसाइट विवरण जहाँ पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

3498/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संरा: भारत ने पाक के दोहरे रवैये को उजागर किया, कहा-

दुनिया 9/11, 26/11 और पहलगाम हमलों को नहीं भूली

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने आतंकवाद पर पाकिस्तान के दोहरे रवैये को संयुक्त राष्ट्र में उजागर करते हुए जैश-ए-मोहम्मद प्रमुख मसूद अजहर पर इनाम की घोषणा करके आतंकवाद को दिए जा रहे सरकारी समर्थन को छिपाने के इस्लामाबाद के प्रयासों की आलोचना की और कहा कि दुनिया 9/11, 26/11 और पहलगाम हमलों को नहीं भूली है।

भारत ने बुधवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा की छठी समिति में ''अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद को खत्म करने के उपाय'' विषय पर पाकिस्तान के प्रतिनिधि के बयान पर जवाब देने के अपने अधिकार का इस्तेमाल किया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन में प्रथम सचिव रघु पुरी ने कहा, ''पाकिस्तान आतंकवाद से निपटने की बात करता है, जबकि वह उस सवाल को छिपाने की कोशिश कर रहा है जिसका सामना इस समिति को करना चाहिए : जब आतंकवादियों को किसी देश की जमीन से वित्तपोषण, मदद, प्रशिक्षण, पनाह या समर्थन दिया जाता है तो क्या होता है? उन्होंने कहा कि भारत इस मुद्दे पर लगातार अपना रुख स्पष्ट करता रहा है और इस बात पर जोर देता रहा है कि आतंकवाद को केवल घोषणाओं के जरिए नहीं हराया जा सकता बल्कि इसके लिए अपराधियों, साजिशकर्ताओं, वित्तपोषकों और प्रायोजकों के खिलाफ कार्रवाई जरूरी है। पुरी ने कहा, ''वर्षों से पाकिस्तान खुद को आतंकवाद से लड़ने वाले एक अहम देश और पीड़ित के तौर पर पेश करता रहा है, जबकि वह इस बात को छिपाता रहा है कि पाकिस्तानी सरकार ने जिन भस्मासुरों को पैदा किया और जिन पर से अपना नियंत्रण खो दिया, वे अब पड़ोसी देशों में तबाही मचाने के बाद पाकिस्तान में भी वही सब कर रहे हैं। आतंकवाद पर पाकिस्तान के दोहरे रवैये की आलोचना करते हुए पुरी ने कहा कि वह देश ''संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित आतंकवादी और जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अज़हर, जो मेरे देश पर हुए कई हमलों का मास्टरमाइंड भी है, को पकड़ने के लिए ज़्यादा इनाम की घोषणा करके आतंकवाद को मिल रहे सरकारी समर्थन पर पर्दा डालने की कोशिश करता है। उन्होंने कहा कि दुनिया पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद को दी जाने वाली वित्तीय मदद से अवगत है। उन्होंने कहा, '' हमें याद है कि कुछ महीने पहले ही पाकिस्तानी प्रतिनिधियों ने इसी मंच पर जैश-ए-मोहम्मद को एक निष्क्रिय संगठन बताया था। दुनिया पहले भी यह पटकथा देख चुकी है और हम स्पष्ट रूप से जानते हैं कि इस बार भी कुछ अलग नहीं होगा। पुरी ने कहा कि जब मीडिया अजहर तक पहुंच सकता है और उससे 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता के बारे में पुष्टि हासिल कर सकता है तो ''निश्चित तौर पर पाकिस्तानी सरकार को उसके ठिकाने की जानकारी होगी। भारत ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पिछले साल 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के जवाब में मई 2026 में पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ढांचे को निशाना बनाकर 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था। भारत ने इस महीने की शुरुआत में अजहर पर 70 लाख रुपये के इनाम की पाकिस्तान की नयी घोषणा को ''दिखावा'' बताते हुए खारिज कर दिया था और इस्लामाबाद से आतंकवाद से निपटने के लिए ''ठोस कार्रवाई'' करने की मांग की थी। भारत लंबे समय से पाकिस्तान पर अजहर को पनाह देने का आरोप लगाता रहा है, जबकि पाकिस्तान का कहना है कि अजहर अफगानिस्तान भाग गया है। वहीं, अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने इस दावे को खारिज किया है। पिछले कुछ वर्षों से इस्लामाबाद का दावा रहा है कि जैश-ए-मोहम्मद का संस्थापक अफगानिस्तान से गतिविधियां संचालित कर रहा है। हालांकि, तालिबान शासन ने पाकिस्तान के बार-बार किए गए इन दावों को खारिज कर दिया और अफगान विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अजहर उनके देश में नहीं है। अजहर के बारे में जानकारी देने के लिए इनाम की इस्लामाबाद की नयी घोषणा ऐसे समय में की गई है जब उस पर वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (एफएटीएफ) की ओर से आतंकवादी संगठनों और उनके नेतृत्व के खिलाफ कार्रवाई करने का दबाव है। पेरिस स्थित वैश्विक निगरानी संस्था की आगामी पूर्ण बैठक में पाकिस्तान के आतंकवाद रोधी प्रयासों की समीक्षा होने वाली है। पुरी ने पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज के हालिया बयान का भी उल्लेख किया। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की बेटी मरियम ने कहा था, ''दुर्भाग्य से पंजाब के सामने खतरा मेरे पड़ोसी देशों से कम और मेरे पड़ोसी प्रांतों से अधिक है। उन्होंने कहा, ''जब आतंकवादी संगठनों को सरकारी राजनीतिक संरक्षण में काम करने की अनुमति दी जाती है तो अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताएं बेमानी हो जाती हैं और जब अपराधियों को पनाह दी जाती है तो आतंकवाद के पीड़ितों को न्याय से वंचित कर दिया जाता है। पुरी ने कहा, ''दुनिया 9/11 को नहीं भूली है और यह भी नहीं भूली है कि उसके साजिशकर्ताओं, जिनमें ओसामा बिन लादेन भी शामिल था को कहां पकड़ा गया था।

नोबेल पुरस्कार 2026: कनाडाई लेखिका ऐन कार्सन को साहित्य का सम्मान

एजेंसी

स्काटहोम। कनाडाई लेखिका ऐन कार्सन को 2026 का नोबेल पुरस्कार (साहित्य) दिया गया है। गुरुवार को स्वीडिश अकादमी ने इसकी घोषणा की। उन्हें यह सम्मान शास्त्रीय परंपरा के साथ रचनात्मक संवाद करते हुए समकालीन साहित्य के लिए नए रूप गढ़ने वाले उनके साहसिक और कल्पनाशील साहित्यिक लेखन के लिए दिया गया है। स्वीडिश अकादमी ने साहित्य में नोबेल पुरस्कार विजेता के नाम की घोषणा कर दी है। नोबेल कमेटी के मुताबिक, वर्ष 2026 में कनाडाई लेखिका ऐन कार्सन को इस पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। उन्हें यह सम्मान शास्त्रीय परंपरा के साथ रचनात्मक संवाद करते हुए समकालीन साहित्य के लिए नए रूप गढ़ने वाले उनके साहसिक और कल्पनाशील साहित्यिक लेखन के लिए दिया गया है। 2026 के नोबेल पुरस्कारों की घोषणा 5 अक्तूबर को चिकित्सा के नोबेल पुरस्कार से शुरू हुई थी। इसके बाद भौतिकी और रसायन विज्ञान के पुरस्कारों का एलान हुआ। अब साहित्य के नोबेल पुरस्कार की घोषणा की गई है। नोबेल कमेटी के मुताबिक, ऐन कार्सन का साहित्य अपनी साहसिक शैली और नए प्रयोगों के लिए जाना जाता है। उन्होंने शास्त्रीय साहित्यिक परंपरा को आधुनिक लेखन के साथ जोड़ते हुए साहित्य में नए रूप और अभिव्यक्ति के तरीके विकसित किए हैं। ऐन कार्सन कनाडा की प्रमुख समकालीन लेखिकाओं में शामिल हैं। उनकी रचनाओं में कविता, अनुवाद, शास्त्रीय साहित्य और आधुनिक लेखन के बीच संवाद देखने को मिलता है। 1950 में कनाडा के टोरंटो में जन्मीं ऐन कार्सन ने अपने पूरे साहित्यिक जीवन में कविता लेखन के साथ अनुवाद और अध्यापन का काम किया है। उनका लेखन भाषा के शब्दों की गहरी पड़ताल और नए अर्थ तलाशने की कवि की कोशिश के मेल पर आधारित रहा है। कार्सन ने खुद शब्दों की व्युत्पत्ति को अपने लेखन का शुरुआती बिंदु बताया है।

पर्यटकों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना आवश्यक : केंद्रीय सचिव

एजेंसी

भोपाल। केंद्रीय सचिव पर्यटन भुवनेश कुमार ने कहा कि पर्यटन की सफलता केवल पर्यटकों की संख्या से तय नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह देखा जाना चाहिए कि पर्यटन से स्थानीय समुदाय और प्रकृति को कितना लाभ मिल रहा है। पर्यटकों को संवेदनशील और जिम्मेदार बनाने के लिए उन्हें पर्यटन और पर्यावरण के प्रति जागरूक करना आवश्यक है। साथ ही स्थानीय समुदायों को पर्यटकों के साथ बेहतर संवाद और आतिथ्य के लिए प्रशिक्षित किया जाए, ताकि पर्यटन से होने वाला आर्थिक लाभ स्थानीय स्तर तक पहुंच सके।

केंद्रीय सचिव कुमार गुरुवार को मध्य प्रदेश की पर्यटन संभावनाओं को वैश्विक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित मध्य प्रदेश ट्रैवल मार्ट-2026 के दूसरे दिन राजधानी भोपाल स्थित कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में 'भारत के वन्य क्षेत्रों का जीवंत परिदृश्य : मध्यप्रदेश में वन्यजीव, समुदाय और सतत पर्यटन' विषय चर्चा करते हुए कही। चर्चा के दौरान पैनल में सीईओ मध्य प्रदेश ईको-टूरिज्म विकास बोर्ड एल. कृष्णमूर्ति, सचिव पर्यटन एवं प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड डॉ. इलैयाराजा टी., महाप्रबंधक, सीजीएच अर्थ एक्सपीरियंस होटल्स डेविड राजू, निदेशक, एंड बियॉन्ड एशिया टोबी सिंक्लेयर, संस्थापक एवं सीईओ, ग्राम स्टे पारीक्षित सिंह और वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर शिवांग मेहता शामिल रहे। सत्र का संचालन वैक्सपोल होटल्स एंड रिसॉर्ट्स की संस्थापक एवं निदेशक तथा एटोआई वुमन्स कलेक्टिव की चेयरपर्सन आकांक्षा गर्ग ने किया।

केंद्रीय सचिव कुमार ने कहा कि वन्यजीव पर्यटन में स्थानीय समुदायों के साथ जुड़ाव बेहद महत्वपूर्ण है। ''स्थानीय समुदाय के साथ चलें और उनसे जुड़ें'' की भावना के साथ ही सतत पर्यटन का उद्देश्य पूरा हो सकता है। मध्य प्रदेश में वन प्रबंधन और वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हुआ है।

पेज एक का शेष

'एनडीए मतलब...

सकता है तो वह खिलाड़ी हो सकता है। सीएम योगी ने कहा कि 'जो खेलेगा वो खिलेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डीजीपी से कहा कि इन सभी खिलाड़ियों को एक-एक गांव गोद दे दिया जाए। वहां ये खिलाड़ी खेलकूद से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करें। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि वे अपनी प्रैक्टिस कभी न छोड़ें। आपकी असली प्रतिभा पसीने में है। यह अभी शुरुआत है और आगे प्रमोशन के बहुत विकल्प हैं। मुख्यमंत्री ने युवाओं को नसीहत देते हुए कहा कि ज्यादातर युवा रील में व्यस्त हैं। रील में लाइक मिलते हैं, लेकिन खेल में लाइफ मिलती है। चुनना आपको है। योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन के दौरान पीडीए को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि पहले पीडीए यानी प्रदेश डुबाओ अलायंस था। उनके मुताबिक, वही लोग नौकरियों में डाका डालते थे। उनके राज में सैफई और सिफारिश थी। सीएम योगी ने कहा कि आज एनडीए की सरकार है, यानी नौकरी देंगे अलायंस की सरकार है। अब ऐसी व्यवस्था बना दी गई है कि कोई आपकी नौकरी या आपके प्रमोशन को टाल नहीं सकता। यदि किसी ने कोशिश भी की तो फिर हम उसे टाल देंगे। उन्होंने कहा कि पहले की सरकार ने 10 लाख गुंडे खड़े किए थे, जबकि हमने 10 लाख युवाओं को नौकरी दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले हर दिन हत्या जैसी खबरें आती थीं और रिवर फ्रंट घोटाले की खबरें आती थीं। लेकिन आज खबर आती है कि मेरठ में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी खुलेगी। उन्होंने सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि जब सपा युवाओं की नियुक्तियों की बात करती है तो ऐसा लगता है जैसे पानी में तैरने वाला मगरमच्छ शांति का संदेश दे रहा हो। उन्होंने कहा कि ऐसे शांति का संदेश देने वाले मगरमच्छों से सावधान रहिए। इससे पहले सीएम योगी ने एक्स पर पोस्ट करके कहा कि मैदान में मेधा, उपलब्धि पर सम्मान और प्रतिभा को राष्ट्र सेवा का अवसर देना ही 'नए उत्तर प्रदेश' की नई खेल संस्कृति है। इसी संस्कृति को आगे बढ़ाते हुए पुलिस विभाग में कुशल खिलाड़ी कोटे के तहत चयनित 470 खिलाड़ियों को नियुक्ति पत्र दिए गए। सीएम ने कहा कि खिलाड़ियों के लिए खुल रहे सरकारी सेवा के ये द्वार उस बदलाव की तस्वीर हैं, जो प्रदेश ने वर्ष 2017 के बाद देखा है। उनके मुताबिक, इससे पहले खेल कोटा उपेक्षित था और भर्तियों में प्रतिभा से अधिक सिफारिश और पहुंच की चर्चा होती थी। सीएम योगी ने दावा किया कि डबल इंजन सरकार ने खेल प्रतिभाओं को रोजगार और सुरक्षित भविष्य से जोड़ने का काम किया है। उनके मुताबिक, इसी का परिणाम है कि विभिन्न विभागों में अब तक 534 से अधिक खिलाड़ियों की सीधी भर्ती हो चुकी है।

'आलोचना का...

राजनीतिक दलों से कहा है कि वे चुनाव पूरी मजबूती से लड़ें, लेकिन चुनावी व्यवस्था को अवैध साबित करने की कोशिश न करें। यदि किसी राजनीतिक दल को चुनाव प्रक्रिया को लेकर कोई शिकायत है तो उसे प्रमाण के साथ चुनाव आयोग और अदालतों के सामने रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में राजनीतिक दलों को अपने आरोपों के लिए प्रमाण प्रस्तुत करने चाहिए और संवैधानिक संस्थाओं के प्रति लोगों के विश्वास को कमजोर करने वाले बयानों से बचना चाहिए। पूर्व जजों ने संवैधानिक संस्थाओं से कहा है कि वे अपने काम पर अडिग रहें और पूरी पारदर्शिता बरतें। जायज सवालों का स्पष्ट समाधान किया जाना चाहिए और संस्थाओं को राजनीतिक खींचतान से हमेशा ऊपर रहना चाहिए। पत्र में कहा गया है कि संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता जनता के भरोसे और पारदर्शिता से बनती है। इसलिए संस्थाओं को भी अपनी कार्यप्रणाली को लेकर उठने वाले उचित सवालों का जवाब देना चाहिए। पूर्व जजों ने देश के नागरिकों से अपील की है कि किसी भी दावे को स्वीकार करने या उसे आगे बढ़ाने से पहले तथ्यों की पुष्टि करें। उन्होंने नागरिकों से कहा कि वे अपने वोट को कभी बेकार न समझें, क्योंकि लोकतंत्र में उनका वोट ही उनकी वास्तविक ताकत है। पत्र में कहा गया है कि नागरिकों को किसी भी राजनीतिक दावे या आरोप को बिना जांचे स्वीकार नहीं करना चाहिए। लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता की जागरूकता और भागीदारी ही संस्थाओं को मजबूत बनाती है। पूर्व जजों ने चेतावनी दी है कि जनता का विश्वास ही लोकतंत्र की वास्तविक ताकत है। यदि नागरिकों को लगातार यह बताया जाएगा कि उनके वोट का कोई महत्व नहीं है, तो वे मतदान व्यवस्था और चुनावी प्रक्रिया पर भरोसा करना छोड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि जब मतपेटी अपनी अहमियत खो देती है, तब सड़कों पर अराजकता की स्थिति पैदा हो सकती है। ऐसी स्थिति में कुछ अराजक और सीमांत तत्व इस खाली जगह का फायदा उठा सकते हैं। इनमें कुछ देश के भीतर से और कुछ सीमाओं के पार से निर्देश लेने वाले तत्व भी हो सकते हैं। पूर्व जजों ने कहा कि संविधान और लोकतंत्र की मर्यादा बनाए रखने की जिम्मेदारी केवल संवैधानिक संस्थाओं की नहीं, बल्कि राजनीतिक दलों, मीडिया और आम नागरिकों की भी है। संवैधानिक संस्थाएं जनता के भरोसे और पूरी पारदर्शिता के आधार पर अपनी साख कायम करती हैं। राजनीतिक दलों को अपनी शिकायतें कानूनी प्रक्रिया और प्रमाणों के आधार पर उठानी चाहिए। वहीं मीडिया को भी अनुमान और सत्यापित तथ्यों के बीच अंतर जनता तक स्पष्ट रूप से पहुंचाना चाहिए। पूर्व जजों ने कहा कि किसी भी लोकतंत्र में जनता का विश्वास ही शासन की वास्तविक रीढ़ होता है। इसलिए चुनावी प्रक्रिया और संवैधानिक संस्थाओं को लेकर गंभीर आरोप लगाए जाने से पहले उनके समर्थन में ठोस प्रमाण सामने रखना जरूरी है। खुले पत्र में पूर्व जजों ने कहा कि संवैधानिक संस्थाएं किसी सरकार की निजी संपत्ति नहीं हैं। ये भारत के करोड़ों नागरिकों की संस्थाएं हैं और इनके माध्यम से नागरिकों के लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा होती है। उन्होंने कहा कि इन संस्थाओं की विश्वसनीयता पर हमला सीधे तौर पर उन व्यवस्थाओं पर हमला है जो देश के नागरिकों के लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा करती हैं। अंत में सभी 42 पूर्व जजों ने देश के नागरिकों से संविधान और लोकतांत्रिक संस्थाओं की रक्षा के लिए मजबूती से खड़े होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की आलोचना का अधिकार सभी को है, लेकिन आलोचना और बदनामी के बीच की सीमा को समझना भी उतना ही जरूरी है।

मौत की सजा को ...

थी।' जस्टिस दत्ता ने मौत की सजा को उम्रकैद में बदलने के मामले में सुप्रीम कोर्ट के माफ करने वाले रवैये की आलोचना की है। जस्टिस दत्ता ने आगे कहा कि 'सुप्रीम कोर्ट के माफ करने वाले रवैये की वजह से ही भारत को यह सब झेलना पड़ रहा है... यह सुप्रीम कोर्ट है। इसीलिए हम कहते हैं कि हमारे माफ करने वाले रवैये का कहीं न कहीं अंत होना चाहिए।'

दवा कंपनियों की...

दवा कंपनियों की अनैतिक गतिविधियों को रेगुलेट करने के लिए किसी कानूनी ढांचे की जरूरत है। इसके लिए सरकार ने दो माह का समय देने की मांग की थी। केंद्र ने सुनवाई के दौरान इस बात पर सहमति जताई थी कि दवा कंपनियां किसी भी तरह की अनैतिक गतिविधियों में शामिल न हों, यह सुनिश्चित करने के लिए व्यवस्था को मजबूत करने की जरूरत है।याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता संजय पारिख ने पीठ से कहा कि मौजूदा व्यवस्था में एक असंतुलन है, इसमें उन डॉक्टरों के लिए तो सजा का प्रावधान है जो मुफ्त तोहफ़े और अन्य फायदे लेते हैं, लेकिन ऐसी पेशकश करने वाली दवा कंपनियों को सजा देने के लिए कोई कानूनी प्रावधान/तंत्र नहीं है। उन्होंने पीठ से कहा कि इस कमी का फायदा उठाकर दवा कंपनियां डॉक्टरों द्वारा लिखे जाने वाली दवाओं के पर्चे को प्रभावित करती हैं। वरिष्ठ अधिवक्ता पारिख ने पीठ से आग्रह किया कि या तो सरकार को कोई कानूनी ढांचा बनाने का निर्देश दिया जाए या फिर अंतरिम तौर पर कुछ दिशा-निर्देश तय किए जाएं।

गैर-अनुसूचित दवाओं ...

की अगली कड़ी है। उस समय 526 ब्रांड की कैंसर दवाओं को लेकर किए गए कदम से सालाना करीब 984 करोड़ रुपये की बचत होने की बात सामने आई थी। अब नए फैसले के जरिए गैर-अनुसूचित कैंसर दवाओं पर ट्रेड मार्जिन को सीमित कर सरकार ने मरीजों के लिए इलाज को अधिक किफायती बनाने पर जोर दिया है। सरकार ने कहा कि कीमत कम करने के साथ-साथ इन जीवनरक्षक दवाओं की बाजार में उपलब्धता बनाए रखना भी जरूरी है। नए कदम का उद्देश्य मरीजों को राहत देने के साथ यह सुनिश्चित करना है कि जरूरी कैंसर दवाएं बाजार में उपलब्ध रहें। सरकार के मुताबिक, यह पहल किफायती, सुलभ और मरीज-केंद्रित स्वास्थ्य व्यवस्था की दिशा में उठाया गया कदम है।

मोबाइल सुशासन...

होगी। यह मंच ऐसी साझेदारियों, शोध परियोजनाओं, उत्पादों और नवाचारों के लिए याद किया जाना चाहिए, जो भारत से निकलकर दुनिया और मानवता की सेवा करें। उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष पूरे होने का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि सात अक्तूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में सार्वजनिक जीवन में यह जिम्मेदारी संभाली थी। इसके बाद वह तीन बार गुजरात के मुख्यमंत्री रहे और 2014 में देश के प्रधानमंत्री बने।

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

महत्वपूर्ण जानकारी

त्यौहार विशेष रेलगाड़ियाँ-2026 में वृद्धि

रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु पूर्व घोषित त्यौहार विशेष रेलगाड़ियों के साथ-साथ रेलवे द्वारा निम्नलिखित त्यौहार विशेष रेलगाड़ियाँ भी नीचे दी गई समय-सारणी के अनुसार संचालित की जायेंगी:-

04064/04063 दिल्ली जं.-गया जं.-दिल्ली जं. आरक्षित त्यौहार विशेष एक्सप्रेस (सप्ताह में 6 दिन) — 88 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04064 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04063 आगमन	प्रस्थान
---	11:00	दिल्ली जं.	08:00	---
07:15	---	गया जं.	---	09:15

चलने के दिन: 04064 दिल्ली जं. से दिनांक 11.10.2026 से 30.11.2026 तक (शनिवार छोड़कर) और **04063 गया जं. से** दिनांक 12.10.2026 से 01.12.2026 तक (रविवार छोड़कर)

स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य

ठहराव: नई दिल्ली, टूण्डला जं., गोविन्दपुरी, सूबेदारगंज, पं. दीनदयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी-ऑन-सोन एवं अनुग्रह नारायण रोड स्टेशन।

04088/04087 नई दिल्ली-पटना जं.-नई दिल्ली आरक्षित त्यौहार विशेष एक्सप्रेस (प्रतिदिन) — 104 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04088 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04087 आगमन	प्रस्थान
---	15:50	नई दिल्ली	13:30	---
12:45	---	पटना जं.	---	15:10

चलने के दिन: 04088 नई दिल्ली से दिनांक 10.10.2026 से 30.11.2026 तक (प्रतिदिन) और **04087 पटना जं. से** दिनांक 11.10.2026 से 01.12.2026 तक (प्रतिदिन)

स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य

ठहराव: टूण्डला जं., गोविन्दपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीनदयाल उपाध्याय जं., दिलदार नगर जं., बक्सर, रघुनाथपुर एवं आरा जं. स्टेशन।

01483/01484 खडकी-हज़रत निज़ामुद्दीन-खडकी सुपरफास्ट विशेष (सप्ताह में 2 दिन) — 26 फेरे

रेलगाड़ी सं. 01483 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 01484 आगमन	प्रस्थान
---	17:30	खडकी	22:15	---
18:10	---	हज़रत निज़ामुद्दीन	---	22:10

चलने के दिन: 01483 खडकी से दिनांक 09.10.2026 से 20.11.2026 तक (प्रत्येक मंगलवार, शुक्रवार) को और **01484 हज़रत निज़ामुद्दीन से** दिनांक 10.10.2026 से 21.11.2026 तक (प्रत्येक बुधवार, शनिवार) को।

स्थान: 2 टियर वाता. एवं 3 टियर वाता.

ठहराव: लोनावला, कल्याण जं., भिवंडी रोड, वसई रोड, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, वडोदरा जं., रतलाम जं., भवानी मंडी, कोटा जं., सवाई माधोपुर एवं मथुरा जं. स्टेशन।

04221/04222 वाराणसी जं.-बठिण्डा जं.-वाराणसी जं. आरक्षित विशेष एक्सप्रेस (साप्ताहिक) — 14 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04221 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04222 आगमन	प्रस्थान
---	20:40	वाराणसी जं.	17:30	---
17:00	---	बठिण्डा जं.	---	20:50

चलने के दिन: 04221 वाराणसी जं. से दिनांक 11.10.2026 से 22.11.2026 तक (प्रत्येक शनिवार) को और **04222 बठिण्डा जं. से** दिनांक 12.10.2026 से 23.11.2026 तक (प्रत्येक सोमवार) को।

स्थान: 3 टियर वाता. इकोनॉमी एवं सामान्य

ठहराव: माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं., रायबरेली जं., उतरेटिया जं., आलम नगर, बरेली जं., मुरादाबाद जं., नजीबाबाद जं., सहारनपुर जं., यमुनानगर जगाधरी, अम्बाला कैंट, राजपुरा जं., पटियाला, धुरी जं., बरनाला और रामपुरा फूल स्टेशन

04634/04633 फिरोजपुर कैंट-पूर्णियाँ जं.-फिरोजपुर कैंट आरक्षित विशेष एक्सप्रेस (साप्ताहिक) — 15 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04634 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04633 आगमन	प्रस्थान
---	17:30	फिरोजपुर कैंट	16:35	---
03:00	---	पूर्णियाँ जं.	---	06:00

चलने के दिन: 04634 फिरोजपुर कैंट से दिनांक 15.10.2026 से 26.11.2026 तक (प्रत्येक बृहस्पतिवार) को और **04633 पूर्णियाँ जं. से** दिनांक 10.10.2026 से 28.11.2026 तक (प्रत्येक शनिवार) को।

स्थान: 3 टियर वाता. शयनयान एवं सामान्य

ठहराव: मक्खू, लोहियां खास जं., नकोदर जं., फिल्लौर जं., ढंडारी कलां, चंडीगढ़, अंबाला कैंट, यमुनानगर जगाधरी, सहारनपुर जं., मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, सीतापुर जं., गोंडा जं., गोरखपुर, छपरा, सोनपुर, हाजीपुर जं., शाहपुर पटोरी, बरौनी जं., बेगूसराय, खगड़िया जं., मानसी जं., नवगछिया एवं कटिहार जं. स्टेशन।

07651/07652 जालना-छपरा जं.-जालना विशेष एक्सप्रेस (साप्ताहिक) — 07 फेरे

रेलगाड़ी सं. 07651 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 07652 आगमन	प्रस्थान
---	23:35	जालना	09:50	---
03:15	03:25	वाराणसी जं.	03:10	03:15
09:35	---	छपरा जं.	---	21:00

चलने के दिन: 07651 जालना से दिनांक 14.10.2026 से 28.10.2026 तक (प्रत्येक बुधवार) को और **07652 छपरा जं. से** दिनांक 09.10.2026 से 30.10.2026 तक (प्रत्येक शुक्रवार) को।

स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य

ठहराव: छत्रपति संभाजीनगर, नागरसोल, मनमाड जं., भुसावल जं., खंडवा जं., हरदा, इटारसी जं., पिपरिया, गाडरवारा, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी जं., मैहर, सतना जं., मानिकपुर जं., प्रयागराज छिवकी, जौनपुर जं., औंड़िहार जं., गाजीपुर सिटी और बलिया स्टेशन

07621/07622 नांदेड-हज़रत निज़ामुद्दीन-नांदेड विशेष एक्सप्रेस (साप्ताहिक) — 14 फेरे

रेलगाड़ी सं. 07621 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 07622 आगमन	प्रस्थान
---	08:45	नांदेड	00:35	---
14:00	---	हज़रत निज़ामुद्दीन	---	21:40

चलने के दिन: 07621 नांदेड से दिनांक 17.10.2026 से 28.11.2026 तक (प्रत्येक शनिवार) को और **07622 हज़रत निज़ामुद्दीन से** दिनांक 18.10.2026 से 29.11.2026 तक (प्रत्येक रविवार) को

स्थान: प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य

ठहराव: पूर्णा जं., परभणी जं., सेलू, परतूर, जालना, छत्रपति संभाजीनगर, मनमाड जं., जलगांव जं., भुसावल जं., खंडवा जं., इटारसी जं., भोपाल जं., बीना जं., वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी जं., ग्वालियर जं., आगरा कैंट एवं मथुरा जं. स्टेशन।

07021/07022 चर्लपल्ली-हज़रत निज़ामुद्दीन-चर्लपल्ली विशेष एक्सप्रेस (साप्ताहिक) — 14 फेरे

रेलगाड़ी सं. 07021 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 07022 आगमन	प्रस्थान
---	19:20	चर्लपल्ली	13:50	---
02:00	---	हज़रत निज़ामुद्दीन	---	04:00

चलने के दिन: 07021 चर्लपल्ली से दिनांक 19.10.2026 से 30.11.2026 तक (प्रत्येक सोमवार) को और **07022 हज़रत निज़ामुद्दीन से** दिनांक 21.10.2026 से 02.12.2026 तक (प्रत्येक बुधवार) को

स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य

ठहराव: काजीपेट जं., रामगुंडम, मंचिर्याल, बेल्लमपल्ली, सिरपुर कागजनगर, बल्हारशाह, नागपुर जं., इटारसी जं., भोपाल जं., बीना जं., वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी जं., ग्वालियर जं., धौलपुर, आगरा कैंट., मथुरा जं. एवं कोसी कलां स्टेशन।

07023/07024 चर्लपल्ली-हज़रत निज़ामुद्दीन-चर्लपल्ली विशेष एक्सप्रेस (साप्ताहिक) — 12 फेरे

रेलगाड़ी सं. 07023 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 07024 आगमन	प्रस्थान
---	19:45	चर्लपल्ली	17:45	---
05:00	---	हज़रत निज़ामुद्दीन	---	07:15

चलने के दिन: 07023 चर्लपल्ली से दिनांक 20.10.2026 से 24.11.2026 तक (प्रत्येक मंगलवार) को और **07024 हज़रत निज़ामुद्दीन से** दिनांक 22.10.2026 से 26.11.2026 तक (प्रत्येक बृहस्पतिवार) को

स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य

ठहराव: काजीपेट जं., रामगुंडम, मंचिर्याल, बेल्लमपल्ली, सिरपुर कागजनगर, बल्हारशाह, नागपुर जं., इटारसी जं., भोपाल जं., बीना जं., वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी जं., ग्वालियर जं. एवं आगरा कैंट स्टेशन।

04083/04084 नई दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा-नई दिल्ली आरक्षित विशेष (साप्ताहिक) — 04 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04083 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04084 आगमन	प्रस्थान
---	14:00	नई दिल्ली	23:30	---
03:00	---	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	---	10:00

चलने के दिन: 04083 नई दिल्ली से दिनांक 09.10.2026 एवं 16.10.2026 (शुक्रवार) को और **04084 श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा से** दिनांक 10.10.2026 एवं 17.10.2026 (शनिवार) को

स्थान: प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य

ठहराव: सोनीपत, पानीपत जं., कुरुक्षेत्र जं., अम्बाला कैंट, ढंडारी कलां, जलंधर कैंट, पठानकोट कैंट, शहीद कैप्टन सुनील कुमार चौधरी कठुआ, जम्मू तवी और शहीद कैप्टन तुषार महाजन स्टेशन।

रेलगाड़ी संख्या 04090/04092 नई दिल्ली-दानापुर-नई दिल्ली वाया दिल्ली जं. आरक्षित त्यौहार विशेष सुपरफास्ट की परिवर्तित आवृत्ति एवं चलने की अवधि में विस्तार

रेलगाड़ी संख्या एवं नाम	वर्तमान आवृत्ति एवं चलने के दिन	परिवर्तित आवृत्ति एवं चलने के दिन	प्रभावी तिथि
04090 नई दिल्ली-दानापुर विशेष	शुक्रवार (साप्ताहिक)	शुक्रवार, बुधवार (सप्ताह में 2 दिन)	07.10.2026
04089 दानापुर-नई दिल्ली विशेष	शनिवार (साप्ताहिक)	शनिवार, बृहस्पतिवार (सप्ताह में 2 दिन)	07.10.2026

	वर्तमान दिनांक	विस्तारित दिनांक	अतिरिक्त फेरे	अतिरिक्त फेरों की सं.
नई दिल्ली से	20.11.2026	27.11.2026	14, 21, 28.10.2026 एवं 04, 11, 18, 25, 27.11.2026	08 फेरे
दानापुर से	21.11.2026	28.11.2026	15, 22, 29.10.2026 एवं 05, 12, 19, 26, 28.11.2026	08 फेरे

नोट: बाकी जानकारी यथावत रहेगी।

उपरोक्त रेलगाड़ियों के मार्ग में आने वाले ठहरावों और समय-सारणी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 डायल करें अथवा रेलगाड़ी पूछताछ वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in देखें।

रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139

रेलमदद वेबसाइट देखें:- www.railmadad.indianrailways.gov.in

रेलमदद ऐप डाउनलोड करें

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे

सदैव आपकी सेवा में

हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

एक करोड़ परिवारों को उद्यमी परिवार बनाना है : सम्राट चौधरी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गुरुवार को बापू सभागार में उद्योग विभाग द्वारा आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के तहत चयनित लाभुकों का एक दिवसीय उन्मुखीकरण एवं प्रथम किस्त की राशि के वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार के 1 करोड़ परिवारों को उद्यमिता और आर्थिक स्वावलंबन से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता है। 1 करोड़ परिवारों को उद्यमी परिवार बनाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नीतीश कुमार के बिहार को समृद्ध बनाने के सपने और प्रधानमंत्री के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए अगले पांच वर्षों में राज्य में उद्योग, रोजगार, शिक्षा, आधारभूत संरचना और ऊर्जा के क्षेत्र में व्यापक कार्य किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा एमएसएमई क्षेत्र के लिए 10,000 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है, इसमें कम से कम दसवां हिस्सा बिहार को मिलने की संभावना है। इससे राज्य में छोटे और मध्यम उद्यमों को नई गति मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के तहत एमएसएमई के माध्यम से 45,000 उद्यमी तैयार किये जा रहे हैं। इसमें 14 हजार अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति, 10 हजार अतिपिछड़ा, 9 हजार 500 महिला, 9 हजार युवा एवं 2500 अल्पसंख्यक उद्यमी हैं। इसके लिये 3 हजार 500 करोड़ रूपये की राशि राज्य सरकार खर्च कर रही है। आज के कार्यक्रम में 7,000 लाभुकों को किस्त की राशि अंतरित की गई। साथ ही प्रत्येक जिले में एमएसएमई केंद्र खोले गए हैं, जिससे



स्थानीय स्तर पर उद्यमियों को आवश्यक मार्गदर्शन और सहायता मिल सकेगी। मुख्यमंत्री ने शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि बिहार में 700 स्थानों पर सरस्वती विद्या निकेतन (मॉडल स्कूल) खोले गए हैं। यहां विद्यार्थियों को नीट और जेईई जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की सुविधा मिलेगी। 'विद्यार्थी साथी' ऐप के माध्यम से विद्यार्थियों को 24*7 ऑनलाइन ट्यूटर की सुविधा उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में विद्यार्थी देर रात तक भी ऑनलाइन पढ़ाई कर रहे हैं, जो शिक्षा के प्रति उनकी बढ़ती रुचि को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि राज्य में 211 डिग्री कॉलेज खोले जा चुके हैं। अगले वर्ष से इन कॉलेजों में विज्ञान संकाय की पढ़ाई शुरू करने की दिशा में कार्य किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में निर्मित उत्पादों को सरकारी खरीद में प्राथमिकता देने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है। प्रचेज प्रीफ्रेंस एक्ट के तहत बिहार में निर्मित वस्तुओं की 25 से 40 प्रतिशत तक सरकारी खरीद की जायेगी। उन्होंने कहा कि बिहार में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के लिए पीपीपी मोड में 5 लाख करोड़ रूपये के निवेश का लक्ष्य रखा गया है।

विजिलेंस ब्यूरो ने 50 हजार रूपये रिश्वत लेते एसडीओ को रंगे हाथों पकड़ा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने माइनिंग विभाग, नाभा (जिला पटियाला) में तैनात सब-डिवीजनल ऑफिसर (एसडीओ) हरदीप सिंह को 50 हजार रूपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा है। राज्य विजिलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि उक्त एसडीओ को जिला पटियाला के गांव अलीपुर आरियां के रहने वाले एक ठेकेदार की शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि एसडीओ हरदीप सिंह उसके ओवरलोड टिप्पर वाहनों के चालान काटने की धमकी देकर कोई कार्रवाई न करने के बदले 50 हजार की रिश्वत की मांग कर रहा था। इसके बाद शिकायतकर्ता ने विजिलेंस ब्यूरो रेंज पटियाला से संपर्क किया। उसकी शिकायत पर कार्रवाई करते हुए विजिलेंस ब्यूरो की टीम ने एसडीओ हरदीप सिंह को दो सरकारी गवाहों की मौजूदगी में



शिकायतकर्ता से 50 हजार की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में विजिलेंस ब्यूरो के थाना पटियाला में भ्रष्टाचार निवारण कानून के तहत मामला दर्ज किया गया है और मामले की आगे की जांच जारी है।

परगट सिंह और सचिन पायलट ने श्री हरमंदिर साहिब में टेका माथा



कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमृतसर। पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त अध्यक्ष परगट सिंह और पंजाब कांग्रेस प्रभारी सचिन पायलट ने गुरुवार को श्री हरमंदिर साहिब में माथा टेककर गुरु साहिब का आशीर्वाद लिया। दोनों नेताओं के साथ कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता, मौजूदा व पूर्व विधायक और बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। इससे पहले अमृतसर पहुंचने पर एयरपोर्ट पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ढोल की थाप और नारों के साथ उनका स्वागत किया।

परगट सिंह ने श्री हरमंदिर साहिब में माथा टेकने के बाद कहा कि वह यहां किसी राजनीतिक गतिविधि के लिए नहीं, बल्कि परमात्मा का शुक्राना करने और गुरु साहिब का आशीर्वाद लेने आए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने कभी नफरत या टकराव की राजनीति में विश्वास नहीं किया। पार्टी संविधान और पंजाबियत की भावना के अनुरूप राजनीति को आगे बढ़ाना चाहती है। परगट सिंह ने कहा कि कांग्रेस में सक्षम नेताओं की कमी नहीं है और पार्टी में हर व्यक्ति के लिए योगदान देने की जगह है। खुद को टीम प्लेयर बताते हुए उन्होंने कहा कि पंजाब कांग्रेस का नेतृत्व सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि पंजाब उनका लक्ष्य है और कांग्रेस उस लक्ष्य को हासिल करने का माध्यम है। सचिन पायलट ने पंजाब के भविष्य और युवा पीढ़ी को लेकर उम्मीद जताते हुए कहा कि राज्य में नशा और भ्रष्टाचार बड़ी चुनौतियों में शामिल हैं। उन्होंने इन समस्याओं से निपटने और पंजाब में विकास तथा समृद्धि को आगे बढ़ाने के लिए सामूहिक प्रयासों की जरूरत बताई। पायलट ने कहा कि कांग्रेस ने परगट सिंह को प्रदेश संगठन का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी सौंपी है और उन्हें उम्मीद है कि सभी जिलों व विधानसभा क्षेत्रों के नेता उनके नेतृत्व में मिलकर काम करेंगे। उन्होंने पंजाब के देश के विकास में योगदान का उल्लेख करते हुए राज्य की प्रगति के लिए सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया। श्री हरमंदिर साहिब के बाद परगट सिंह और सचिन पायलट के साथ कांग्रेस नेताओं का दल अमृतसर के अन्य धार्मिक स्थलों पर भी पहुंचा। कार्यक्रम में दुर्गियाना मंदिर, सेंट पॉल चर्च और भगवान वाल्मीकि तीर्थ सहित अन्य स्थानों पर माथा टेकने का कार्यक्रम शामिल है। पंजाब विधानसभा चुनाव को देखते हुए नए प्रदेश नेतृत्व के इस दौरे को कांग्रेस संगठन में सामूहिकता और एकजुटता का संदेश देने के प्रयास के तौर पर देखा जा रहा है। हालांकि, परगट सिंह ने अपने दौरे को धार्मिक यात्रा बताते हुए कहा कि इस अवसर का उद्देश्य आशीर्वाद और शुक्राना करना है। पार्टी के अनुसार, वह 11 अक्टूबर को चंडीगढ़ स्थित पंजाब कांग्रेस भवन में औपचारिक रूप से प्रदेश अध्यक्ष का पदभार संभालेंगे।

निगमायुक्त ने मोलड़बंद क्षेत्र का किया निरीक्षण

■ जनसमस्याओं के त्वरित एवं स्थायी समाधान के दिए निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। निगमायुक्त संजीव खिरवार ने गुरुवार को मोलड़बंद क्षेत्र का निरीक्षण कर क्षेत्र में सफाई व्यवस्था, जलभराव, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं, अतिक्रमण, कूड़ा प्रबंधन तथा अन्य नागरिक सुविधाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान मोलड़बंद गांव स्थित एमसीडी प्राथमिक विद्यालय की स्थिति का विशेष रूप से जायजा लिया गया। विद्यालय के कुछ कमरों में मरम्मत की आवश्यकता को देखते हुए निगमायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को क्षतिग्रस्त कमरों की आवश्यक मरम्मत का कार्य आगामी सोमवार तक अनिवार्य रूप से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि मरम्मत कार्य पूरा होने तक विद्यार्थियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहे और बच्चों को



अस्थायी रूप से सुरक्षित वैकल्पिक स्थान पर स्थानांतरित कर उनकी पढ़ाई निर्बाध रूप से जारी रखी जाए। विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों के लिए पार्क के लिए भी निर्देश दिया। क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से मोलड़बंद एक्सटेंशन स्थित एमसीडी प्राथमिक विद्यालय के समीप पोटा केबिन परिसर में एमसीडी डिस्पेंसरी शुरू करने की संभावना पर भी चर्चा की गई। निरीक्षण के दौरान ताजपुर पहाड़ी माइंस एवं मोलड़बंद क्षेत्र में सड़क के दोनों ओर कूड़ा डाले जाने तथा आवारा पशुओं की समस्या का भी संज्ञान लिया गया। निगमायुक्त ने अधिकारियों को क्षेत्र में नियमित एवं प्रभावी सफाई सुनिश्चित करने, जमा कूड़े को तत्काल हटाने तथा आवारा पशुओं की समस्या के समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मुख्य जैतपुर रोड पर जलभराव की समस्या का भी निरीक्षण किया गया। निगमायुक्त ने अधिकारियों को जल निकासी व्यवस्था की समग्र समीक्षा करते हुए जलभराव के स्थायी समाधान के लिए आवश्यक तकनीकी उपाय करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान क्षेत्र में जेसीबी एवं अन्य सफाई संसाधनों की उपलब्धता, मलबा एवं कूड़ा उठाने की व्यवस्था तथा सफाई कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। निगमायुक्त ने शहीद बिजेंद्र सिंह चौक, मोलड़बंद गांव का भी निरीक्षण किया और चौक के सौंदर्यीकरण कार्य को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने क्षेत्र में मौजूद अवैध रेहड़ियों एवं अतिक्रमण को नियमानुसार हटाने, चौक की नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने तथा इसके सौंदर्यीकरण के लिए आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। निगमायुक्त ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि निरीक्षण के दौरान सामने आई नागरिक समस्याओं पर केवल तात्कालिक कार्रवाई तक सीमित न रहते हुए उनके स्थायी एवं प्रभावी समाधान की दिशा में कार्य किया जाए। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए निर्धारित समय-सीमा में कार्रवाई पूरी करने और कार्यों की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पार्षद हेमचंद गोयल, सेंट्रल जोन के उपायुक्त डॉ सचिन गुप्ता तथा निगम के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

दिल्ली से अमृतसर आ रही पुलिस की कार कैंटर से टकराई, चार पुलिसकर्मियों समेत पांच घायल

खन्ना। दिल्ली एयरपोर्ट से हत्या की कोशिश के मामले में पकड़े गए आरोपी को अमृतसर लेकर लौट रही पंजाब पुलिस की कार गुरुवार तड़के खन्ना के दहेडू पुल पर हादसे का शिकार हो गई। नेशनल हाईवे पर हुए हादसे में कार सवार चार पुलिसकर्मियों और आरोपी समेत पांच लोग घायल हो गए। इनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों की पहचान एएसआई गुरदेव सिंह, सीनियर कांस्टेबल गुरविंदर सिंह, कांस्टेबल अवनीत सिंह, पंकज शर्मा तथा आरोपी जतिंदर कुमार निवासी वड्डा हरीपुरा के रूप में हुई है। हादसे की सूचना मिलने के बाद सड़क सुरक्षा बल की टीम मौके पर पहुंची और सभी घायलों को उपचार के लिए सिविल अस्पताल खन्ना पहुंचाया। अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल दो लोगों को बेहतर इलाज के लिए पीजीआई चंडीगढ़ और राजिंदरा अस्पताल पटियाला रेफर किया गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पुलिस की कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

मुख्यमंत्री ने सेंट्रल पार्क में प्लांट मंडल रंगोली का किया शुभारंभ



कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को कनॉट प्लेस के सेंट्रल पार्क में दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा के साथ 'प्लांट मंडला रंगोली' का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि जीवित पौधों से सजी यह सुंदर मंडला रंगोली हमारी भारतीय कला परंपरा और प्रकृति के प्रति प्रेम का अनूठा उदाहरण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प के साथ हम अपनी दिल्ली को भी हरित, सुंदर और विकसित बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। आप भी अपने परिवार के साथ सेंट्रल पार्क जरूर आइए और इस सुंदर प्लांट मंडला आर्ट का आनंद लीजिए। इस अवसर पर लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, दिल्ली भाजपा प्रदेश महामंत्री योगिता सिंह एवं विधायक अशोक गोयल उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि इस रंगोली को बनाने के लिए छोटे गमलों में लगे सजीव पौधों, कटी हुई हरी पत्तियों और रंग-बिरंगे फूलों का इस्तेमाल एक निश्चित ज्यामितीय (सर्कुलर) पैटर्न में किया जाता है। इसमें किसी भी तरह के कृत्रिम या हानिकारक केमिकल वाले रंगों का उपयोग नहीं होता, जिससे पर्यावरण को कोई नुकसान नहीं पहुंचता। मंडला आकृतियां और हरे-भरे पौधे मिलकर एकाग्रता, शांति और सकारात्मकता का माहौल बनाते हैं।

जीरकपुर नेचर पार्क में गर्दन कटी लाश मिलने से हड़कंप, हत्या की आशंका

जीरकपुर। जीरकपुर के पीरमुछल्ला स्थित नेचर पार्क में गुरुवार सुबह एक अज्ञात व्यक्ति का गर्दन कटा शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सुबह सैर के लिए पार्क पहुंचे लोगों ने जमीन पर शव पड़ा देखा, जिसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम के साथ फोरेंसिक विशेषज्ञ भी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी। जांच के दौरान पुलिस इस पहलू पर भी काम कर रही है कि हत्या नेचर पार्क में ही की गई थी या किसी अन्य स्थान पर वारदात को अंजाम देने के बाद शव को यहां लाकर छोड़ा गया। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास का क्षेत्र सुरक्षित कर फोरेंसिक टीम की मदद से जरूरी साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस के अनुसार घटना की सूचना सुबह करीब नौ बजे मिली थी। इसके बाद मौके पर पहुंची टीम ने आसपास के इलाके की जांच की। पार्क के मुख्य प्रवेश द्वार पर ताला नहीं लगा हुआ था, जिससे यहां लोगों के आने-जाने की संभावना बनी रहती है।

चुनाव आयोग और केंद्र सरकार के खिलाफ इंडिया गठबंधन का आक्रोश मार्च



कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुपौल। जिला मुख्यालय सुपौल में गुरुवार को इंडिया गठबंधन के आह्वान पर चुनाव आयोग, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और केंद्र सरकार के खिलाफ आक्रोश मार्च एवं विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह तथा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन कर विरोध जताया। प्रदर्शन में महागठबंधन के बड़ी संख्या में समर्थक शामिल हुए।

कार्यक्रम में सभा का संचालन करते हुए पूर्व विधायक यदुवंश कुमार यादव ने केंद्र सरकार, भाजपा और चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और मुख्य चुनाव आयुक्त ने मिलकर लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने की साजिश रची है। उन्होंने चुनाव प्रक्रिया में कथित अनियमितता के माध्यम से जनता के जनादेश को प्रभावित करने का आरोप लगाया। पूर्व विधायक ने दावा किया कि बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं और आरोप लगाया कि इसमें जातिगत आधार पर भी भेदभाव किया गया है। हालांकि, इन आरोपों के समर्थन में प्रदर्शन के दौरान कोई स्वतंत्र प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया गया। उन्होंने पत्रकारों से युवाओं के साथ खड़े होने का आह्वान करते हुए कहा कि देश का युवा अपने अधिकारों के लिए सड़क पर उतर रहा है। उन्होंने कहा कि देश, संविधान और लोकतंत्र की मजबूती ही लोकतांत्रिक व्यवस्था का आधार है। उन्होंने प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग भी उठाई।

पूर्व विधायक यदुवंश कुमार यादव ने प्रधानमंत्री पर युवाओं के रोजगार और विकास के मुद्दे पर अपेक्षित ध्यान नहीं देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कथित वोट चोरी के खिलाफ आंदोलन जारी रहेगा और लोकतंत्र की रक्षा के लिए महागठबंधन के कार्यकर्ता लगातार संघर्ष करते रहेंगे। इस अवसर पर राजद जिलाध्यक्ष संतोष सरदार, कांग्रेस जिलाध्यक्ष अनुपम कुमार, माले जिला सचिव जय नारायण यादव तथा वीआईपी जिलाध्यक्ष बिजेंद्र मुखिया ने भी संबोधित किया। नेताओं ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग और भाजपा सरकार मिलकर जनता के मताधिकार और जनादेश को कमजोर करने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सरकार जनता के वोट से बनती है और चुनाव प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की कथित हेराफेरी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर विषय है। वक्ताओं ने चुनाव आयोग, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और केंद्र सरकार से चुनाव प्रक्रिया को लेकर उठाए जा रहे सवालों पर जवाब देने की मांग की।

उद्योगों के लिए नियामक नहीं, सहयोगी की भूमिका निभा रही सरकार : धामी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को कहा कि राज्य सरकार उद्योगों के लिए नियामक के बजाय सहयोगी और सहभागी की भूमिका निभा रही है और उद्योगों के लिए सुरक्षित, पारदर्शी और सरल व्यवस्था उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री धामी यहां सातवें सीआईआई उत्तराखंड इंडस्ट्रियल समिट एंड एक्सपो-2026 को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य में पिछले कुछ वर्षों में 29 हजार से अधिक नई एमएसएमई इकाइयां स्थापित हुई हैं, जिनसे करीब 1.27 लाख युवाओं को रोजगार मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेशकों और उद्यमियों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए 'निवेश मित्र' व्यवस्था शुरू की गई है। सिंगल विंडो सिस्टम के तहत 26 प्रमुख विभागों की



206 से अधिक सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को रोजगार मांगने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बनाने के उद्देश्य से स्टार्टअप और नवाचार को प्रोत्साहित किया जा रहा है। उत्तराखंड स्टार्टअप नीति के तहत स्टार्टअप को वित्तीय सहयोग देने के लिए 200 करोड़ रुपये के वेंचर फंड की व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऊधमसिंह नगर के खुरपिया में करीब 1,002 एकड़ क्षेत्र में इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर विकसित किया जा रहा है। इसके अलावा चमोली, पौड़ी और अल्मोड़ा में छोटे उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष औद्योगिक पार्क विकसित किए जा रहे हैं। हरिद्वार में फ्लैटेड फैक्ट्री विकसित की जा रही है और सेलाकुई तथा पंतनगर में भी ऐसी सुविधाएं विकसित करने की योजना है। उन्होंने कहा कि सड़क, रेल और हवाई संपर्क में सुधार से राज्य में औद्योगिक एवं व्यावसायिक गतिविधियों के लिए अनुकूल वातावरण बना है। ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना और चारधाम सड़क परियोजना से लॉजिस्टिक्स सुविधाओं को भी मजबूती मिल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पारंपरिक उत्पादों, हस्तशिल्प और स्थानीय उद्यमों को बड़े बाजार से जोड़ने के लिए 'एक जनपद, दो उत्पाद' जैसी योजनाओं पर जोर दिया जा रहा है। फार्मा, हर्बल, आयुष, इंजीनियरिंग और ऑटो-कंपोनेंट के क्षेत्र में भी उत्तराखंड आगे बढ़ रहा है।

चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - राकेश कुमार पाण्डेय कार्यकारी सम्पादक* - अरशद सईद खान स्टेट हेड - संदीप मिश्रा

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।

समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे। फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 e-mail : info@kanwhizztimes.com RNI NO - UPHIN/2012/42063